सुप्रभात

रांची, सोमवार
21.04.2025
* * नगर संस्करण। पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

khabarmantralive.com

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित

सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | बैसाख, कृष्ण पक्ष, अष्टमी, संवत् 2082 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 276

12 ट्रंप के खिलाफ पूरे अमेरिका में प्रदर्शन

न्यूज डायरी

केंद्रीय गृह सचिव 25 को रांची आयेंगे, करेंगे बैठक

रांची। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन 25 अप्रैल को झारखंड के दौरे पर आएंगे। वे रांची में आला अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इस दौरान गृह सचिव मादक पदार्थों के अवैध व्यापार को रोकने के लिए किए गए विशेष कार्य या पहल सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा करेंगे। गृह विभाग ने इसके लिए आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी हैं। बैठक में पुलिस मुख्यालय की तरफ से भी प्रजेंटेशन दिया जाना है।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के विरोध में हुई हिंसा के मामले पर सुप्रीम कोर्ट 21 अप्रैल को सुनवाई करेगा। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली दो सदस्य पीठ मामले पर सुनवाई करेगी। हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गयी थी जबकि बड़ी संख्या में लोगों को बेघर होना पड़ा है।

मुर्मू, मोदी और सीएम हेमंत ने ईस्टर की दी शुभकामनाएं

नयी दिल्ली/रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम मोदी और झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन समेत कई नेताओं ने त्याग और करुणा के प्रतीक ईसा मसीह के पुनरुत्थान दिवस की सबको शुभकामनाएं दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सभी को ईस्टर की शुभकामनाएं। वहीं सीएम हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर रविवार को पोस्ट कर सभी की हैप्पी ईस्टर कहकर बधाई दी है।

कार्यक्रम में 1200 से अधिक वरिष्ठ अधिकारी होंगे शामिल

झारखंड के दो उपायुक्तों को आज मिलेगा पीएम पुरस्कार

आज सिविल सर्विस डे

- गुमला जिले के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी समेत देश भर के चुनिंदा आइएएस अधिकारियों को स्पीकर के रूप में किया गया आमंत्रित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के दो भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को आज नयी दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित सिविल सेवा दिवस के अवसर पर पीएम पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। इनमें सरायकेला-खरसावां के डीसी रविशंकर शुक्ला और गुमला के डीसी कर्ण सत्यार्थी हैं।

गुमला डीसी सत्र को भी करेंगे संबोधित : इस समारोह में गुमला जिले के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी समेत देश भर के चुनिंदा आइएएस अधिकारियों को स्पीकर के रूप में आमंत्रित किया गया है। श्री सत्यार्थी सिविल सर्विसेज चैलेंज एंड प्रोस्पेक्ट्स विषय पर अपने विचार रखेंगे। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जिलों के समग्र विकास के लिए सार्वजनिक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार भी प्राप्त होगा। श्री सत्यार्थी, 2016 बैच के आईएएस अधिकारी हैं, जो सिविल सेवा सुधारः चुनौतियां और अवसर विषय पर सत्र को संबोधित करेंगे। यह सत्र केंद्रीय सचिव टीवी सोमनाथन की अध्यक्षता में आयोजित होगा।

सिविल सर्विसेज चैलेंज एंड प्रोस्पेक्ट्स विषय पर डीसी करेंगे संबोधित

बताते चलें कि कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय की ओर से सत्यार्थी को दो अलग-अलग पत्रों के माध्यम से औपचारिक आमंत्रण भेजा गया है। एक पीएम पुरस्कार के लिए और दूसरा पूर्ण सत्र के वक्ता के रूप में। इस कार्यक्रम में केंद्र और राज्य सरकारों के 1,200 से अधिक वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे, जिनमें केंद्रीय मंत्रालयों के सचिव, सरकारी संगठनों के प्रमुख और मुख्य सचिव शामिल हैं। इस संबंध में कर्ण सत्यार्थी ने कहा कि यह एक सम्मान है कि मुझे झारखंड के संदर्भ में नौकरशाही की चुनौतियों और अवसरों को प्रस्तुत करने का मौका मिला है, वो भी केंद्रीय सचिव के समक्ष। यह आयोजन युवा प्रशासनिक अधिकारियों की सार्वजनिक सेवा सुधारों और विकास पहलों में योगदान को रेखांकित करता है।

सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया प्रखंड को देश का सर्वोच्च प्रशासनिक सम्मान, डीसी रविशंकर शुक्ला ग्रहण करेंगे पुरस्कार

एजेंसी

सरायकेला। सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया प्रखंड को प्रधानमंत्री उत्कृष्ट सार्वजनिक प्रशासन पुरस्कार 2024 के लिए आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम श्रेणी में चयनित किया गया है। यह पुरस्कार 21 अप्रैल को नयी दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित सिविल सेवा दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से प्रदान किया जाएगा। इस सम्मान के तहत देशभर के 500 आकांक्षी प्रखंडों में से सर्वश्रेष्ठ पांच प्रदर्शनकारी प्रखंडों को चुना गया है, जिसमें गम्हरिया प्रखंड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह पुरस्कार सरायकेला-खरसावां के उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला की ओर से प्राप्त किया जाएगा, जो प्रखंड की इस ऐतिहासिक उपलब्धि का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह सम्मान नीति आयोग की पहल पर सात जनवरी 2023 को शुरू किए गए आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के 500 पिछड़े प्रखंडों में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि और संबद्ध सेवाएं, मूलभूत ढांचा और सामाजिक विकास जैसे पांच प्रमुख क्षेत्रों में बेहतर शासन, सेवा वितरण और प्रमुख सूचकांकों की निगरानी के माध्यम से समग्र सामाजिक-आर्थिक प्रगति को तेज करना है।

रांची में एयर शो का समापन, दिखी आत्मनिर्भर भारत की झलक

सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने देश की रक्षा क्षमताओं का दिया परिचय : संजय सेठ

एयर शो का करतब

- सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने एयर शो में रांचीवासियों का दिल जीता
- पीएम मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में आज भारत बन चुका है आत्मनिर्भर

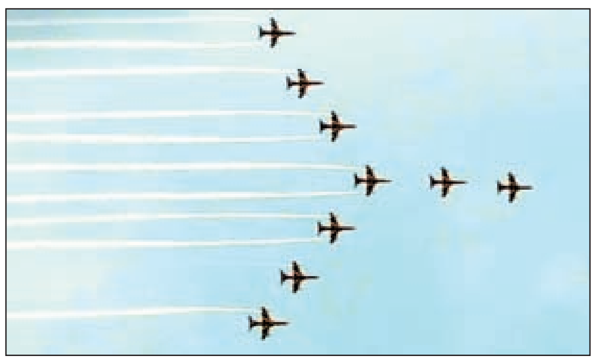

रविवार को सभी नौ फाइटर विमानों ने दिखाया करतब

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रांची के नामकुम स्थित आर्मी ग्राउंड में आयोजित सूर्य किरण एरोबेटिक टीम के एयर शो ने दूसरे और अंतिम दिन न सिर्फ लोगों को रोमांचित किया, बल्कि देश की रक्षा क्षमताओं से भी लोगों को रूबरू कराया। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि सूर्य किरण टीम ने अद्भुत प्रदर्शन कर देशवासियों का दिल जीत लिया है। संजय सेठ ने कहा कि भारत की वायुसेना आज, पहले से कहीं ज्यादा ताकतवर और आधुनिक हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में आए व्यापक बदलावों से आज भारत रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन चुका है। सूर्य किरण टीम के प्रदर्शन ने इस आत्मनिर्भर भारत की छवि को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि इस शो ने आसमान में हमारी आन-बान-शान, तिरंगे को फहराकर दिखा दिया कि भारत किसी भी चुनौती का मुकाबला करने में सक्षम है।

वायुसेना के जांबाज इंजीनियरों ने तकनीकी दक्षता का दिया परिचय

रक्षा राज्य मंत्री ने यह भी बताया कि शुक्रवार रात हुई तेज बारिश और ओलावृष्टि से सूर्य किरण टीम के तीन जहाज क्षतिग्रस्त हो गए थे, लेकिन हमारी वायुसेना के जांबाज इंजीनियरों ने दिन-रात मेहनत कर उन्हें फिर से उड़ान भरने लायक बना दिया। यह हमारी तकनीकी दक्षता और प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण है। संजय सेठ ने इंजीनियरों की इस मेहनत को सलाम करते हुए कहा कि इसी जज्बे के कारण यह शो संभव हो पाया और दर्शकों को अद्वितीय अनुभव मिला।

इस साल सितंबर में एक और भव्य एयर शो का किया जायेगा आयोजन

इस आयोजन का उद्देश्य एमएसएमई सेक्टर को प्रोत्साहन देना होगा

रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि इस साल सितंबर में एक और भव्य एयर शो का आयोजन किया जाएगा, जिसका उद्देश्य एमएसएमई सेक्टर को प्रोत्साहन देना होगा। यह कार्यक्रम न केवल रक्षा क्षेत्र से जुड़े उद्योगों को बल देगा, बल्कि युवाओं में सैन्य सेवा को लेकर उत्साह भी बढ़ाएगा। उन्होंने सूर्य किरण टीम के सभी पायलटों और आयोजकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम रांची के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा।

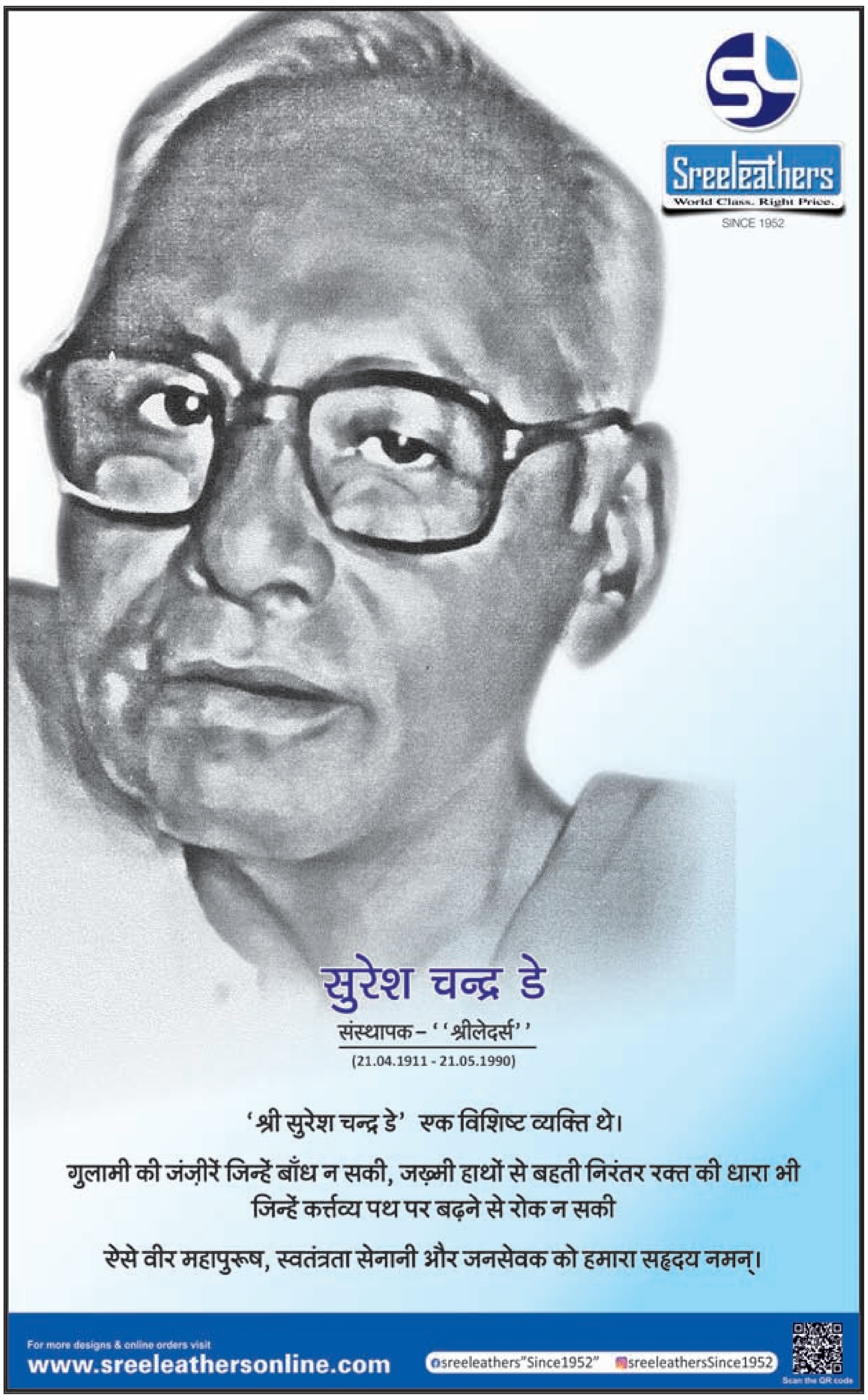

सीजेआई पर निशिकांत दुबे की टिप्पणी को कांग्रेस ने बताया भाजपा की सोची समझी चाल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीजेआई के खिलाफ भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान को कांग्रेस ने देश की न्यायिक और संवैधानिक संस्थाओं पर हमला करार दिया है। रविवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन कर कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे का दिया गया बयान उनका व्यक्तिगत बयान नहीं हो सकता है।

बीजेपी के शीर्ष नेता के इशारे पर दिया गया बयान : प्रदीप यादव : झारखंड विधानसभा में विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनका मानना है कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय और मुख्य न्यायाधीश को लेकर भाजपा सांसद का बयान लोकतंत्र और उसके एक मजबूत स्तंभ न्यायपालिका पर सीधा प्रहार है। संवैधानिक संस्थाओं को डराने-धमकाने के लिए बीजेपी के शीर्षस्थ नेता के इशारे निशिकांत दुबे ने ऐसा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि निशिकांत दुबे जैसे नेता द्वारा सीजेआई और सुप्रीम कोर्ट के जज को टारगेट किया जा रहा है।

सड़क से सदन तक लड़ेगी कांग्रेस : कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का मानना है कि निशिकांत दुबे का सर्वोच्च न्यायालय और सीजेआई पर की गई टिप्पणी अपने वरिष्ठ नेताओं की सहमति से दी गई टिप्पणी है। देश में वैमनस्य फैलाने के लिए यह बयान दिया गया है।

'निशिकांत का बयान उनके अल्पज्ञानी और बड़बोलेपन का परिचायक' : कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय और सीजेआई को लेकर निशिकांत दुबे का बयान उनके अल्पज्ञान, बड़बोलेपन और लफुआगिरी का परिचायक है। उन्होंने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 13 यह इजाजत देता है कि अगर संविधान की मूल भावना के विपरीत कोई कानून बनता है तो सर्वोच्च न्यायालय उसकी समीक्षा कर सकता है।

जरूरत पड़ी तो निशिकांत दुबे पर मुकदमा भी करेंगे : झारखंड विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता और पोड़ैयाहाट से विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि कांग्रेस संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रही है। निशिकांत दुबे के इस बयान के खिलाफ वह सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ेंगे और जरूरत पड़ी तो मुकदमा भी करेंगे।

22 को होगी प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक : कमलेश

संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि बेलगामी अधिवेशन और कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में 40 दिनों तक चलने वाले संविधान बचाओ अभियान सहित अन्य बिंदुओं पर गहण समीक्षा के लिए प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक 22 अप्रैल को आहूत की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश, जिला, विधानसभा स्तर पर संविधान बचाऔ रैली का आयोजन किया जाएगा। इस बैठक में कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की जाएगी। संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष अनादि ब्रह्म, विधायक सुरेश पासवान, महासचिव राकेश सिन्हा, मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी, प्रवक्ता सोनाल शांति उर्फ रिंकू तिवारी, गजेन्द्र सिंह एवं राजन वर्मा भी मौजूद थे।

खबर एक नजर में

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रखंड कांग्रेस कमिटी के गठन हेतु प्रखंड अध्यक्ष से मांगा प्रस्ताव

रांची। संगठन सृजन वर्ष -2025 के तहत अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी कार्यसमिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य, झारखंड प्रभारी के राजू के निर्देश पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने सप्ताह के अंदर जिला के सभी प्रखंड अध्यक्षों से प्रखंड कांग्रेस कमिटी गठन हेतु प्रस्तवा का मांग किया है, जिसमें अध्यक्ष-1, उपाध्यक्ष-2, महासचिव-9 कुल -12 पदाधिकारी रहेंगे। ज्ञातव्य है कि उक्त कमिटी के गठन में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यकों का 50 प्रतिशत एवं युवा तथा महिलाओं की भागीदारी सुनि›ित करना है। प्रस्ताव का अनुमोदन जिला कांग्रेस कमिटी द्वारा करने के प›ात प्रखंड में महीना के पांच तारीख को बैठक आयोजित कर सैकड़ों साथियों बीच में नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए प्रदेश मीडिया चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी ने बताया कि संगठन सृजन-2025 संगठन निर्माण का वर्ष है, इसमें कार्यकताओं के सुविधा के लिए झारखंड कांग्रेस एप्प भी लॉन्च किया गया है, इस एप्प में प्रदेश कांग्रेस से लेकर पंचायत स्तर तक के नेता कार्यकर्ता अपने कार्यों का रिपोर्ट संगठन सशक्तिकरण के बारे में सुझाव और शिकायत दे सकते हैं। संगठन के कार्यकताओं से निरंतर संवाद और जुडाव बनाये रखने के लिए कनेक्ट केन्द्र की भी शुरूआत की गई है।

एनएसयूआई प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

रांची। एनएसयूआई प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक रविवार को कांग्रेस भवन में हुई। इस बैठक में झारखंड प्रदेश के पदाधिकारीगण शामिल हुए। बैठक में झारखंड के तमाम विश्वविद्यालय एवं कॉलेज में अध्यनरत छात्र-छात्राओं की समस्याओं जैसे छात्र संघ चुनाव कराने, सभी कॉलेजों में प्रोफेसर की घोर अभाव, पाठ्यक्रम का सही समय पर पूरा नहीं होने एवं कॉलेज में शिक्षा का बेहतर माहौल स्थापित हो इसको लेकर मांग एवं संघर्ष करने को लेकर विचार विमर्श किया गया साथ ही मौके पर अध्यक्ष विनय उरांव ने संगठन की आगे रणनीति को स्पष्ट करते हुए कहा कि बहुत जल्द सभी जिलों में जिला कमेटी, विश्वविद्यालय कमेटी एवं कालेज कमेटी का सुचारू रूप से विस्तार किया जाएगा।

राज्य के नगर निकायों में बनाये जायेंगे तीन लाख से ज्यादा पीएम आवास

सभी आवासों का निर्माण वित्तीय वर्ष 2025-2026 की जनसंख्या के आधार पर अनुमानित है

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के 50 शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) में अगले पांच सालों में 3.16 लाख (3,16,706) आवास बनाए जाएंगे। यह आवास प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत बनाए जाएंगे। सभी आवासों का निर्माण वित्तीय वर्ष 2025-2026 की जनसंख्या के आधार पर अनुमानित है। नगर विकास विभाग ने अपनी रिपोर्ट में यह आकलन किया है कि चालू वित्तीय वर्ष में 50 यूएलबी की आबादी 75.70 लाख (75,70,168) से अधिक होगी, जो वर्ष 2011 की जनगणना 59.14 लाख (59,14,194) से 16.55 लाख अधिक है। इसी आधार पर विभाग ने आवासों की आवश्यकता करीब 4.96 लाख

अनुमानित किया है। वर्तमान में 2.02 लाख (2,01,879) आवास निर्माण की स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा अगले पांच साल में 3,16,706 आवास का निर्माण प्रस्तावित है। आवास निर्माण के उपरोक्त आंकड़े नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार की अध्यक्षता में बीते सात अप्रैल को हुई समीक्षा बैठक में आई है।

योजना का कार्यकाल 2024-2029 (पांच वर्ष) तक है

बताते चलें कि केंद्र सरकार के द्वारा एक व्यापक मिशन प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)-2.0 शुरू किया गया है। योजना अंतर्गत आवास विहीन शहरी गरीबों को विभिन्न घटकों के माध्यम से पक्का आवास मुहैया कराना है। योजना का कार्यकाल 2024-2029 (पांच वर्ष) तक है। इससे पहले पीएमएवाई (शहरी) योजना की स्वीकृति जून 2015 में मिली थी, जिसकी अवधि 2025 तक है। पीएमएवाई योजना में 2,01,879 आवास निर्माण की स्वीकृति मिली थी। इसमें से 1,34,568 का निर्माण हो चुका है। 59,210 आवास की प्रगति पर है।

रांची, जमशेदपुर और धनबाद में बनेंगे सर्वाधिक आवास

प्रस्तावित योजना के तहत सबसे अधिक आवास धनबाद और रांची नगर निगम के अलावा जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र में बनेंगे। सबके कम आवास गढ़वा और बरहवा नगर पंचायत में बनाए जाएंगे। बता दें कि जिन शहरी स्थानीय निकायों में आवास निर्माण होना है, उसमें 9 नगर निगम, 17 नगर परिषद, 22 नगर पंचायत और 01 अधिसूचित क्षेत्र समिति (जमशेदपुर) के अलावा 01 कैंट क्षेत्र (रामगढ़) है।

ध्रुवीकरण और भेदभाव ही है भाजपा और केन्द्र सरकार की मौलिक नीति : बंधु तिर्की

अपनी उत्तेजना, विरोधाभासी बयानों और आधारहीन तर्कों से सरकार का बचाव नहीं कर सकते निशिकांत दुबे

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री और झारखण्ड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य एवं झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि ध्रुवीकरण और सभी धर्म, जाति, समुदाय के लोगों के बीच भेदभाव को बढ़ावा देना ही भारतीय जनता पार्टी और केन्द्र सरकार की मौलिक नीति बनती जा रही है जो भाजपा और आरएसएस की विचारधारा है। श्री तिर्की ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय पर धार्मिक युद्ध भड़काने के सांसद निशिकांत दुबे के आरोप की तीखी आलोचना करते हुए श्री तिर्की में कहा कि अपने विरोधाभासी और आधारहीन बयानों, संवैधानिक प्रावधानों की गलत व्याख्या और भाषाई उत्तेजना के बलबूते श्री दुबे मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी का न तो बचाव कर सकते हैं और ना ही वे भारतीय न्यायपालिका पर आक्रमण कर सकते हैं। श्री तिर्की ने कहा कि भारत का इतिहास और हमारा मौलिक स्वभाव, संवेदना, सहिष्णुता और परस्पर मैत्री का है, जहां सभी धर्म के लोगों के बीच में परस्पर सद्भाव है और एक-दूसरे के धर्म या धार्मिक परंपराओं को सम्मान के साथ देखना हमारी पहचान है।

उन्होंने कहा कि हमारा संविधान भी इसी भावना से प्रेरित है। संविधान सभा के सदस्यों ने कभी भी इस बात की कल्पना नहीं की होगी कि एक समय ऐसी स्थिति आ जायेगी जब सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संविधान के पक्ष में कही गयी बातों और उसके आधार पर लिये गये निर्णय का सरकार, सरकार के सदस्यों और मूलतः कार्यपालिका के द्वारा ऐसी तीखी आलोचना की जायेगी जो हमारी लोकतांत्रिक जड़ों को कमजोर करने का काम करेगी। श्री तिर्की ने कहा कि भारत धर्मनिरपेक्ष देश है और संविधान से ऊपर कोई भी नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 53 के अनुसार राष्ट्रपति को जो जिम्मेदारी सौपी गयी है उसका निर्वहन उन्हें करना है। वहीं दूसरी ओर सर्वोच्च न्यायालय भी वह संवैधानिक संस्थान है, जिसके ऊपर निष्पक्षता से हमारे संविधान के अनुपालन की जिम्मेदारी है। श्री तिर्की ने कहा कि इस मूल संवैधानिक भावना से उलट जिस प्रकार से उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने जिन शब्दों में सर्वोच्च न्यायालय की आलोचना की है और उसके बाद किरण रिजीजू, मनन मिश्रा, निशिकांत दुबे एवं अन्य कुछ एक मंत्रियों, सांसदों एवं नेताओं के द्वारा जैसे वक्तव्य दिये जा रहे हैं। उससे यह स्पष्ट है कि केन्द्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं द्वारा उकसावे की कार्रवाई की जा रही है। इससे न केवल भारतीय लोकतंत्र की जड़े कमजोर होगी, बल्कि यह सर्वोच्च न्यायालय और हमारे संविधान को आघात पहुंचाने की कोशिश है, जो कभी भी सफल नहीं हो सकती।

पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास

रांची। रविवार को वार्ड संख्या 49 अंतर्गत मिलन चौक से नीम चौक तक एवं पत्थर रोड से वारसी चौक होते हुए काली मंदिर से मिल्लत कॉलोनी स्टार टेंट हाउस एवं सरकारी कुआं से मस्जिद असरा तक बिटुमिनस पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास हटिया विधायक नवीन जयसवाल एवं वार्ड 49 की निवर्तमान पार्षद जमीला खातून के द्वारा किया गया। मौके पर हटिया विधायक ने लोगो को बताया कि ये योजना वार्ड की निवर्तमान पार्षद जमीला खातून के कार्यकाल में ही लाया गया था जो किसी कारण से पिछेल ढाई सालों से लंबित था, परंतु जमीला खातून के प्रयास से ये योजना आज वार्ड 49 की जनता को समर्पित किया गया।

शपथ पत्र

यह कि मेरे दो पुत्री का आधार कार्ड है जिसमे प्रथम पुत्री का आधार नंबर- 427798724621 और द्वितीय का 2084 8822 0612 है। जिसमें मेरे प्रथम पुत्री का नाम आदिति कुमारी (Aditi kumari) और द्वितीय पुत्री का नाम आयुषी कुमारी (Ayushi Kumari) है। एवं डाक घर बचत बैंक लातेहार में मेरे प्रथम पुत्री का जन्म तिथि 14/08/2009 हो गया है। आधार कार्ड में जन्म तिथि 14/08/2010 है जो की आधार कार्ड का जन्म तिथि सही है। द्वितीय पुत्री का दिनांक-28/05/2011 हो गया है। एवं आधार कार्ड में जन्म तिथि दिनांक-11/05/2013 है जो कि आधार कार्ड का जन्म तिथि सही है। यह कि डाक घर बचत बैंक लातेहार में मेरे प्रथम पुत्री का शाखा नंबर 5805904823 है और द्वितीय पुत्री का शाखा नंबर सं०-5805904809 है। भुल वश मेरे प्रथम पुत्री का नाम श्रेया राज (shreya raj) और द्वितीय पुत्री का नाम श्रावणी राज (Shravani Raj) हो गया था मैं अपने प्रथम पुत्री का नाम आदिति कुमारी (aditi kumari) और द्वितीय पुत्री का नाम आयुषी कुमारी (Ayushi Kumari) कराने के लिए मैं यह शपथ पत्र कर रहा हूँ।

कांग्रेस में प्रदेश कमेटी से लेकर वार्ड कमेटी तक 50% पद होंगे आरक्षित, महिलाओं और युवाओं को भी मिलेगी जगह

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राहुल गांधी की जिसकी जितनी हिस्सेदारी, उसकी उतनी भागीदारी के नारे को पार्टी के अंदर धरातल पर उतारने की रणनीति तैयार कर ली गई है। पार्टी ने 15 जुलाई तक गठित होने वाली प्रदेश कांग्रेस कमेटी और उससे पहले 12-12 पदाधिकारियों वाले प्रखंड कांग्रेस कमेटी, मंडल कांग्रेस कमेटी और पंचायत-वार्ड कांग्रेस कमेटी में भी 50% पद अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और माइनॉरिटी को दिए जाएंगे। इतना ही नहीं पार्टी ने इस बार अनारक्षित और आरक्षित दोनों वर्गों से 50% पदाधिकारी के पद युवाओं और महिलाओं को देने की योजना बनाई है।

वंचित वर्ग को हिस्सेदारी मिलने से पार्टी मजबूत होगी : सतीश पॉल : झारखंड प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी ने कहा कि जिसकी जितनी हिस्सेदारी, उसकी उतनी भागीदारी के तहत वंचित वर्ग को अधिकार मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस बार युवाओं को भी मौका मिलेगा।

उन्होंने कहा कि जिस ओर युवा करवट लेता है, उस ओर जमाना चलता है। उन्होंने कहा कि नई समिति में हम आधी आबादी को भी पूरी भागीदारी देंगे।

कांग्रेस के संविधान में ही आरक्षण का है प्रावधान : केशव महतो : झारखंड में 15 जुलाई तक नई प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) का गठन होना है। उससे पहले ब्लॉक, मंडल, पंचायत और वार्ड स्तर तक कांग्रेस की 12 सदस्यीय कमेटी का गठन होना है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि हमारी पार्टी के संविधान में ही वंचित वर्गों को संगठन में भागीदारी सुनि›ित करने के लिए आरक्षण का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संविधान के अनुच्छेद 6-ए के अनुसार, प्रदेश कांग्रेस समितियों के 50% सदस्य अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ वर्ग और अल्पसंख्यक के लिए आरक्षित होंगे। जिनमें से आधे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के सदस्य होंगे।

इसके अतिरिक्त आरक्षित श्रेणियों और अनारक्षित श्रेणियों दोनों में 50 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों के साथ-साथ युवा और महिलाओं के लिए भी 50% आरक्षण होगा। ऐसे में आनेवाले दिनों में जब वार्ड से लेकर पीसीसी तक समिति गठित होगी तो उसमें पार्टी संविधान में किए गए प्रावधान को हम हकीकत में बदलते देखेंगे।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की ट्रांसफर पोस्टिंग करना मेरी जिम्मेदारी : इरफान अंसारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने रिम्स निदेशक को हटाए जाने के सवाल पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि स्वास्थ्य विभाग उनका अपना विभाग है। किसी भी पदाधिकारी की ट्रांसफर पोस्टिंग करना उनकी जिम्मेदारी है। उनके विभाग में कोई हस्तक्षेप करेगा तो वे बर्दाश्त नहीं करेंगे। मंत्री इरफान अंसारी ने बीजेपी पर आदिवासी, मुसलमान और ईसाईयों की जमीनों को बेचने की साजिश रचने का आरोप लगाया है।

भाजपा के बयान पर पलटवार : मालूम हो कि रिम्स निदेशक को हटाए जाने को लेकर विपक्ष के नेताओं के बयान तेजी से सामने आ रहे हैं। बीजेपी नेता ट्वीट करके और बयान देकर रिम्स निदेशक को हटाये जाने के बहाने विपक्ष मंत्री इरफान अंसारी पर हमलावर हैं। इधर, मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी जनता और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उन्हें दी है। पदाधिकारी की ट्रांसफर पोस्टिंग करना उनकी जिम्मेदारी है। इसमें वे किसी का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेंगे। मंत्री इरफान अंसारी ने बीजेपी लीडर्स को ट्विटर वाला नेता बताया है।

स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर करने के लिए कर रहे हैं काम

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुधारने और बेहतर करने की दिशा में काम कर रहे हैं। जो पदाधिकारी अच्छा काम करेगा वही रहेगा और जो गलत करेगा उसको हटा दिया जाएगा। किसको रखना है किसको नहीं रखता है, यह उनकी जिम्मेदारी हमारी है। उन्होंने बीजेपी नेता से पूछा कि वे कौन होते हैं यब सब बोलने वाले। भाजपा ने 18 साल के दौरान राज्य में व्यवस्था को चौपट करके रख दिया है और लोगों को सड़क में लाकर खड़ा कर दिया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि उनका सपना है कि प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था ठीक से काम करें।

धर्मांतरित लोगों को नहीं लेने देंगे झारखंड में आरक्षण : चंपई

चाकुलिया में झारखंड टाइगर की दहाड़, कहा-आदिवासियों के अस्तित्व की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाएंगे

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची/चाकुलिया। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन ने आदिवासी समाज के अस्तित्व एवं आत्म-सम्मान के लिए चल रहे आंदोलन को मुकाम तक पहुंचाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि जिस आदिवासी संस्कृति की रक्षा के लिए बाबा तिलका मांझी, वीर सिदो-कान्हू, पोटो हो, टाना भगत एवं भगवान बिरसा मुंडा ने बलिदान दिया, उसे हम यूंही मिटने नहीं देंगे। चाकुलिया टाउन हॉल में आयोजित आदिवासी महासम्मेलन में उन्होंने आदिवासी समाज को धर्मांतरण के खिलाफ एकजुट होने का आ˜ान करते हुए कहा कि अगर हम अभी भी नहीं चेते, तो भविष्य में हमारे जाहेरस्थानों, सरना स्थलों एवं देशाउली में पूजा करने वाला कोई नहीं बचेगा।

आदिवासी सांवता सुशार अखाड़ा एवं भारत जकात मांझी परगना महाल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारत के संविधान द्वारा आरक्षण का अधिकार आदिवासियों को दिया गया है। जो लोग हमारी परंपराओं तथा जीवन शैली को छोड़ चुके हैं, उन्हें इसमें अतिक्रमण का कोई अधिकार नहीं है। वहां मौजूद हजारों लोगों ने दोनों हाथ उठा कर, उनका पुरजोर समर्थन किया। आदिवासी समाज के मांझी परगना, पाहन, पड़हा राजा, मानकी-मुंडा आदि को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि आज संथाल परगना एवं छोटानागपुर क्षेत्र में धर्मांतरण इतनी तेजी से बढ़ रहा है, उसके पिछे एक बड़ा कारण आदिवासी समाज की पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था का ध्वस्त होना है। उन्होंने समाज के पारंपरिक ग्राम प्रधानों, अगुवाओं तथा धर्मगुरुओं को आगे आकर समाज को बचाने की इस लड़ाई में शामिल होने का आ˜ान किया।

संथाल-परगना के हालात का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि साहिबगंज, राजमहल, दुमका एवं

पाकुड़ जैसे स्थानों में भूमिपुत्रों की स्थिति दयनीय है। साहिबगंज की जिला परिषद अध्यक्ष का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आदिवासियों के लिए आरक्षित इस सीट से जीती इस महिला के पति मुस्लिम समुदाय से आते हैं। जब दूसरे समाज में शादी के बाद हमारे समाज में बेटियों का जीते-जी अंतिम संस्कार कर दिया जाता है, तो फिर ये लोग हमारे समाज के अधिकारों में अतिक्रमण कैसे कर रहे है? जब आदिवासी समाज में शादी के बाद बेटियों को पैतृक संपत्ति में कोई हिस्सा नहीं मिलता और उन्हें सारे अधिकार ससुराल में मिलते हैं, फिर एसपीटी एक्ट लागू रहने के बावजूद इन बांग्लादेशी घुसपैठियों को जमाई टोला बनाने के लिए जमीन उपलब्ध करवाने वाले कौन लोग हैं?

उन्होंने सरायकेला-खरसावां जिले के कपाली के बांधगोड़ा गांव का उदाहरण देते हुए बताया कि सीएनटी एक्ट लागू होने के बावजूद वहाँ भी आदिवासियों की डेढ़ सौ एकड़ से अधिक जमीन छीनी जा चुका है। इसे रोकना जरूरी है। पूर्व सीएम ने कहा कि राज्य की तथाकथित अबुआ सरकार जिस कांग्रेस के साथ गठबंधन में है, उसने हमेशा ही आदिवासियों को धोखा दिया है। 1961 में आदिवासी धर्म कोड हटवाने वाली तथा झारखंड आंदोलन के दौरान कई बार आदिवासियों पर गोली चलवाने वाली कांग्रेस ने, महान आदिवासी नेता कार्तिक उरांव द्वारा लाए गए डीलिस्टिंग बिल को 322 सांसदों तथा 26 राज्यसभा सांसदों द्वारा लिखित समर्थन के बावजूद, ठंडे बस्ते में डाल दिया था। कार्यक्रम से पहले पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने वीर सिदो-कान्हू तथा संथाली भाषा की ओलचिकी लिपि के आविष्कारक पंडित रघुनाथ मुर्मू की प्रतिमा को श्रद्धा-सुमन अर्पित किया। तत्प›ात उन्होंने चाकुलिया स्थित दिशोम जाहेर गढ़ में पूजा-अर्चना किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मांझी परगना, आदिवासी समाज के अगुवा, पारंपरिक ग्राम प्रधान तथा हजारों की संख्या में आम लोग उपस्थित थे।

भारतीय वायु सेना ने अपने पराक्रम से रांची के लोगों का जीता दिल, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने कहा

आज का नया भारत न डरता है, न झुकता है...

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण ऐरोबेटिक्स टीम ने रविवार को भी रांची में दूसरे दिन भी अपने पराक्रम से लोगों का दिल जीत लिया। रांची के नामकुम स्थित आर्मी मैदान में एयर शो के दूसरे दिन आसमान में एक से बढ़कर एक करतब दिखाए। रविवार को सूर्य किरण टीम के सभी नौ फाइटर विमान एयर शो में शामिल हुए।

यह नए और मजबूत भारत की है झलक : रविवार को एयर शो के दौरान केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने हुंकार भरते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नया भारत है। नया भारत दुश्मनों से न डरता है और न झुकता है, बल्कि आंखों में आंख डाल कर बात करता है। रांची के सांसद और देश के रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि हम मजबूत हुए हैं और सैन्य समान के लिए हमारी दूसरे देशों पर निर्भरता कम हुई है। यह गर्व की बात है कि हम 70% आत्मनिर्भर हो चुके हैं। यह पहले वाला भारत नहीं है, अब हम दुनिया के 90 से अधिक देशों को सैन्य समान निर्यात कर रहे हैं।

लोगों की देशभक्ति व उत्साह देख कंवजीत संधू हुईं भावुक

इंडियन एयर फोर्स की सूर्य किरण एयरोबेटिक्स टीम की सदस्य कंवलजीत संधू ने कहा कि जिस तरह का प्यार रांची में मिला है उसके लिए एक ही शब्द है थैंक्यू रांची। कंवलजीत संधू उस समय बेहद भावुक हो गईं, जब एक सरकारी स्कूल की बच्ची ने एयर शो के दौरान ही एयर लेफ्टिनेंट कंवलजीत संधू की पेंटिंग बना दी। एयर लेफ्टिनेंट ने उस बच्ची की हौसला अफजाई की और दिल लगाकर खूब मेहनत कर पढ़ाई करने और आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया।

22-23 अप्रैल को बिहार के पटना में एयर शो : रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि रांची के बाद अब 22 और 23 अप्रैल को बिहार की राजधानी पटना में एयर फोर्स की सूर्य किरण टीम एयर शो करेगी।

आसमान में दिखी एयर फोर्स की बढ़ती ताकत

एयर शो के दूसरे दिन सभी नौ लड़ाकू विमानों में बैठे दक्ष पायलटों ने अपनी कौशल का प्रदर्शन किया। आसमान में कभी दिल, कभी युवा भारत को समर्पित की आकृति तो कभी एयर फोर्स को समर्पित आकृति से लोग रोमांचित होते रहे तो आसमान में ही तिरंगा बनाकर भारतीय एयर फोर्स की सूर्य किरण टीम मानो दुश्मनों को सावधान कर रही हो कि हम भारतीयों से मत टकराना। रविवार को हुए एयर शो में फाइटर विमानों के द्वारा आसमान में वाई की आकृति बनाई गई। जिसे देख लोगों ने दांतों तले अंगुलियां दबा ली।

जानें एयरफोर्स की सूर्य किरण टीम और पायलटों के बारे में : भारतीय वायु सेना की ऐयरोबेटिक प्रदर्शन टीम का नाम सूर्य किरण है। यह इंडियन एयरफोर्स के 52वें स्क्वाड्रन का हिस्सा है। भारतीय वायु सेना द्वारा वर्ष 1996 में इसकी स्थापना की गई थी। वायु सेना के हवाई कौशल और क्षमता का प्रदर्शन करना सूर्य किरण का उद्देश्य है। सूर्य किरण टीम में बीएइ हॉक एमके- 132 विमान हैं। आसमान में हैरतअंगेज करतब दिखाने वाली टीम सूर्य किरण के पायलट गौरव पटेल, कुलदीप हुड्डा, अजय दशरथी, जशदीप सिंह, सिधेश कार्तिक, अंकित वशिष्ट, विष्णु, अर्जुन पटेल और दिवाकर शर्मा हैं। आइएएफ के ये दक्ष रणबांकुरे अपने फाइटर विमानों से करतब दिखाते समय न सिर्फ आसमान में तरह-तरह की आकृति बना देते हैं, बल्कि उड़ते हुए एक-दूसरे के करीब आ जाते हैं।

सामने पड़े 300 ग्राम सोना छोड़ 11 हजार रुपये लेकर भागे चोर, पकड़े जाने पर बताया वजह

- अपराधियों ने पुलिस को बताया कि उन्हें पैसों की बहुत जरूरत थी, इसलिए वे सोना को छोड़कर पैसे लूटकर ले गये

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राजधानी पुलिस कांके रोड फेस पटेल नामक प्रतिष्ठान में चार दिन पहले हथियार के बल पर हुई लूटपाट के मामला का खुलासा कर लिया है। इस वारदात को अंजाम देने वाले दो अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार भी कर लिया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से घटना में इस्तेमाल किए गए देसी पिस्टल के अलावा कार भी बरामद किया है। इस मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने जो बताया है, वो चौंका देने वाला है।

300 ग्राम सोना छोड़ पैसे लूटकर हुआ था फरार : फेस पटेल की दुकान में जिस वक्त दोनों अपराधी पहुंचे थे, उनकी दुकान के ड्रावर में पैसे के साथ तीन सौ ग्राम सोना भी रखा हुआ था, लेकिन अपराधियों ने सोना नहीं लिया। पूछताछ में अपराधियों ने पुलिस को बताया कि उन्हें पैसों की जरूरत थी। इसलिए वे सोना को छोड़कर पैसे लूटकर ले गए। गिरफ्तार अपराधियों में सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के चूना भट्टा निवासी मेहुल कुमार और इंद्रपुरी निवासी अमनजय सिंह शामिल है। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि अपराधियों ने लूटपाट की घटना को अंजाम देने के लिए कार से पहुंचे थे। पुलिस को सुराग नहीं मिले, इसलिए अपराधियों ने कार को घटना स्थल से चार सौ मीटर की दूरी पर खड़ा की थी। इसके बाद पैदल दुकान पर पहुंचे और हथियार के बल पर लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। फिर पैदल भागकर कार में बैठे और दोनों अपराधी कांके रोड की ओर फरार हो गए।

इस मामले का खुलासा करते हुए डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि दुकानदार ने डेढ़ लाख रुपए लूट होने की बात बतायी थी। मगर जांच के दौरान साढ़े ग्यारह हजार रुपए ही लूट होने की बात सामने आयी है। जिसे पुलिस ने अपराधियों के पास से बरामद किया है।

आरोपी मेहुल ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि वह डिजाइनिंग का काम किया करता था, लेकिन साल 2024 में उसकी कंपनी में आग लग गई। उस पर तीन लाख रुपए लोन बकाया हो गया। जिसकी वजह से वह नशा भी करने लगा। लोन की रकम चुकाने और कर्ज अदा करने के लिए वह लूटपाट की वारदात को अंजाम देने की योजना बनायी थी।

फिट इंडिया साइकिलिंग संडेज का हुआ आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। खेल प्राधिकरण ऑफ इंडिया स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सेंटर मोरहाबादी द्वारा फिट इंडिया साइकिलिंग संडेज का आयोजन रविवार को भारत नेहरू युवा केंद्र एवं उनके सहयोगी संस्था विवेकानंद यूथक्वेक फाउंडेशन के सहयोग से किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 150 युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रविधायक सी पी सिंह उपस्थित थे।जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्मश्री बलबीर दत्त मौजूद थे।

ग्रामीण क्षेत्रों में 71 और शहरी क्षेत्रों में 86 फीसदी लोग साक्षर

साक्षरता दर में बिहार और उत्तर प्रदेश से आगे निकला झारखंड

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड की साक्षरता दर औसतन 73.85 प्रतिशत हो गयी है। यह पड़ोसी राज्यों बिहार-उत्तर प्रदेश के साथ-साथ मध्य प्रदेश राजस्थान, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से अधिक है। बिहार की साक्षरता दर औसतन 70.1% और उत्तर प्रदेश की 72.6% है। यह खुलासा केंद्रीय सांख्यिकीय और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट में हुआ है।

इस रिपोर्ट के अनुसार देश में सात साल से अधिक आयु के पुरुष की साक्षरता दर 84.7 प्रतिशत और महिला की 70.3 प्रतिशत है। साक्षरता दर का राष्ट्रीय औसत 77.5 प्रतिशत है।

83 फीसदी पुरुष और 64.7 प्रतिशत महिला साक्षर

रिपोर्ट में झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में 71 फीसदी और शहरी क्षेत्रों में करीब 86 फीसदी लोग साक्षर हैं। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में 80.6 फीसदी पुरुष और 61.4 प्रतिशत महिला साक्षर हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों के 92.6 प्रतिशत पुरुष और 78.6 प्रतिशत महिला साक्षर हैं। ओवरऑल पुरुष-महिला की साक्षरता की बात करें तो झारखंड के 83 फीसदी पुरुष और 64.7 प्रतिशत महिला साक्षर हैं। इस तरह झारखंड के पुरुषों की साक्षरता दर प्रदेश की महिलाओं से ज्यादा है।

राज्य के शहरी पुरुष राष्ट्रीय औसत से अधिक साक्षर

झारखंड के शहरी क्षेत्र के पुरुष साक्षरता के राष्ट्रीय औसत से ज्यादा साक्षर हैं। शहरी पुरुष की साक्षरता का राष्ट्रीय औसत 92.2 प्रतिशत है, जबकि झारखंड का 92.6 प्रतिशत है। दिल्ली और कर्नाटक से भी ज्यादा साक्षर झारखंड शहरी क्षेत्र के पुरुष हैं। ऐसे में कहा जा सकता है कि झारखंड ने शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर काम किया है।

कल होगी प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी कार्यकारिणी सदस्यों एवं जिलाध्यक्ष/कार्यकारी अध्यक्षों की बैठक 22 अप्रैल दिन मंगलवार को पूर्वाह्न 11 बजे से प्रेस क्लब, रांची में होगी। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के कार्यसमिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य सह झारखंड प्रभारी के. राजू उपस्थित रहेंगे। प्रदेश मीडिया चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी ने बताया कि बैठक में अहमदाबाद के एआईसीसी एवं वेलगावी में विस्तारित सीडब्ल्यूसी की संपन्न बैठक में लिये गये निर्णय के आलोक में संविधान बचाओ अभियान-राष्ट्रीय अभियान कैलेंडर और क्रियान्वयन संबंधी दिशा-निर्देश, साथ ही अभियान के वैचारिक और राजनीतिक संदर्भ से भी अवगत कराने जिसमें वर्तमान संवैधानिक संकट और जनता की एकजुटता पर विशेष जोर देने संबंधी कार्य योजना पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

पद्मभूषण कड़िया मुंडा ने 89 की उम्र पूरी की, लोगों ने दी बधाई

खूंटी। खूंटी संसदीय सीट से आठ बार लोकसभा चुनाव जीत कर कीर्तिमान स्थापित करने वाले लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष पद्मभूषण कड़िया मुंडा रविवार को 89 वर्ष की आयु पूरी कर 90वें वर्ष में प्रवेश कर गए।

जन्मदिन पर कड़िया मुंडा को बधाई देने के लिए रविवार को भाजपा के कई कार्यकर्ता उनके अनिगड़ा गांव स्थित पैतृक आवास में जाकर उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके दीघार्यु होने और पूरी तरह से स्वस्थ रहने की कामना की। बधाई देने वालों में मनोज कुमार, ज्योतिष भगत, कृष्णानंद तिवारी, अनूप साहू, जयप्रकाश भाला, गोवर्धन मानकी, मुनि महादेव मुंडा सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

एथलेटिक्स एसोसिएशन प्लानिंग कमेटी ने तैयारियों की समीक्षा की

3-5 मई तक मोरहाबादी के फुटबॉल ग्राउंड में आयोजित होंगे सैफ गेम्स

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड ओलंपिक कार्यालय, मोरहाबादी रांची में झारखंड एथलेटिक एसोसिएशन की एक बैठक रविवार को हुई। इसमें आगामी सैफ गेम्स 2025 की तैयारियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश एथलेटिक्स एसोसिएशन प्लानिंग कमेटी के अध्यक्ष डॉक्टर मधुकांत पाठक द्वारा ऑर्गेनाइजिंग कमेटी के सदस्यों एवं तकनीकी पदाधिकारियों को दी गई। सैफ गेम्स के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए कमेटी के सदस्यों एवं तकनीकी पदाधिकारियों के साथ एथलेटिक्स मैदान में जायजा भी लिया गया। स्टेज, विक्ट्री जोन,

एथलीट साक्षात्कार एरिना, वीआईपी सिटिंग, वीआईपी एंट्रेंस, फोटो फिनिश कैमरा, लाइव स्ट्रीमिंग, एथलीट चेंजिंग रूम, पोस्ट इवेंट कंट्रोल रूम, नाडा एवं वाडा रूम, सैफ सेक्रेटेरिएट रूम, डायरेक्ट्रेट रूम, एवं एक-एक फंक्शनल एरिया पर विचार-विमर्श एवं दिशा-निर्देश दिया गया।

बैठक में प्रभाकर कुमार वर्मा (कार्यकारी सचिव, झारखंड एथलेटिक्स संघ), सुनील कुमार (रिटायर्ड फुटबॉल कोच साइ), एम वी राव, विनोद कुमार, राम प्रसाद, शिव रमन, घनश्याम उपाध्याय, धर्मेंद्र पासवान, उमेश दास, शत्रुध्न कुमार, मिथिलेश कुमार सिंह, लक्ष्मण राम, जी बाबुदेव, टिंकू कुमार, अनिमा द्विवेदी, अन्ना गौरती मिंज, प्रेम कुमार, नरेश कुजूर, राघवेन्द्र कुमार, कृष्णा कुमार, श्रीजय कुमार, संतोष कुमार, वीरेंद्र कुमार, मनोज कुमार, विकाश कुमार, श्याम उरांव, तन्नू सांगा सहित अन्य भी उपस्थित थे। मालूम हो कि कि 3-5 मई तक मोरहाबादी स्थित फुटबॉल ग्राउंड में सैफ गेम्स का आयोजन होना है। इसमें मेजबान भारत, वर्मा, भूटान, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश जैसे देशों के भी प्लेयर्स भाग लेंगे। भूटान की टीम प्रैक्टिस के लिए रांची पहुंच भी चुकी है।

मसीही विश्वासियों ने कब्र पर फूल अर्पित किया और मोमबत्ती जलाकर किया नमन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। ईस्टर रविवार को मनाया गया। मसीही विश्वास के अनुसार यह पर्व क्रूस मृत्यु के तीसरे दिन यीशु मसीह के जी उठने की घटना की स्मृति में मनाया जाता है। गिरजाघरों और कब्रिस्तानों में विशेष तैयारी की गई थी। जीइएल चर्च के विश्वासी सुबह 3:30 बजे स्मरण पत्थर के पास से शोभायात्रा के रूप में कब्रिस्तान में जमा हुए। आराधना के संचालक रेव्ह एजे भेंगरा और उपदेशक मॉडरेटर मार्शल केरकेप्ता ने किया। एनडब्ल्यूजीइएल चर्च के विश्वासियों ने भी कब्रिस्तान में आराधना की। सीएनआइ छोटानागपुर डायसिस के विश्वासियों ने कांटाटोली स्थित सीएनआइ कब्रिस्तान में ईस्टर पर्व पर आराधना सुबह छह बजे से की। इसमें अनुष्ठक रेव्ह यूजे सांगा और उपदेशक रेव्ह अनिल कुमार डाहंगा थे। कब्रिस्तान में आराधना के दौरान विश्वासियों ने अपने प्रियजनों और रिश्तेदारों की कब्रों पर मोमबत्तियां जलाई और फूल अर्पित कर उनके लिए प्रार्थना की।

ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर 20 मई को झारखंड में हड़ताल की घोषणा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची में आयोजित मजदूरों के राज्य स्तरीय संयुक्त कन्वेंशन में आठ केंद्रीय ट्रेड यूनियनों, स्वतंत्र फेडरेशनों और यूनियनों की अभूतपूर्व एकजुटता के तहत एक स्वर में यह घोषणा की गई कि देश का मजदूर वर्ग श्रम संहिताओं को उनके प्रस्तावित स्वरूप में लागू नहीं होने देगा और इसके लिए मजदूर वर्ग निर्णायक संघर्ष के उद्देश्य से 20 मई 2025 को देशव्यापी आम हड़ताल के अलावा पूरे देश में कार्यस्थलों से लेकर सड़कों तक अवज्ञा और प्रतिरोध के रूप में बड़े पैमाने पर कार्रवाई करेगा।

कन्वेंशन की अध्यक्षमंडल में संजीव श्रीवास्तव (इंटक), अशोक यादव (एटक), भवन सिंह (सीआईटीयू),जगन्नाथ उराँव(एआईसीसीटीयू), राजीव कुमार तिवारी(एआईयूटीयूसी) शामिल थे। सम्मेलन का उद्घाटन वरिष्ठ ट्रेड यूनियन नेता कॉ. रामेंद्र कुमार ने किया ,सम्मेलन की विषय-वस्तु और दृष्टिकोण पर बिश्वजीत देब ने विचार रखे। किसान नेता सुफल महतो (झारखंड किसान सभा) और बीएन सिंह (एआईकेएमएस) नेताओं ने भी सम्मेलन को संबोधित किया और हड़ताल के समर्थन में 20 मई को ग्रामीण बंद की घोषणा की।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि, श्रम संहिताओं लागू होने के पहले से ही स्थायी नौकरी का ठेकाकरण, मौजूदा श्रम कानूनों के बड़े पैमाने पर उल्लंघन, ठेका, आउटसोर्स, अनुबंध तथा अभी तक कानूनी रूप से अपरिभाषित श्रमिकों के अधिकारों और सामाजिक सुरक्षा का इनकार करने के अलावा बुनियादी एवं कानूनी ट्रेड यूनियन गतिविधियों को रोकते या प्रतिबंधित करते हुए श्रमिकों के बीच भय का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। ट्रेड यूनियन नेताओं और कार्यकताओं का निलंबन, बर्खास्तगी और यहां तक कि झूठे मामलों में गिरफ्तारी आदि के जरिए परेशान किया जा रहा है। श्रम संहिताओं का उद्देश्य इन सभी वर्तमान, कानून उल्लंघनकारी गतिविधियों को कानूनी मंजूरी देना है। इन सबके अतिरिक्त न तो अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठनों की सिफारिशों को लागू किया जा रहा है और न ही 2015 से भारतीय श्रम सम्मेलन बुलाया जा रहा है। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों की 17 सूत्री मांगों को नकारा जा रहा है। इनके अलावा जन कल्याणकारी मदों के लिए बजटीय आवंटन में लगातार कटौती, आम जनता पर कर का बोझ, सार्वजनिक क्षेत्रों का विनाशकारी निजीकरण, मूल्य वृद्धि पर अंकुश लगाने और रोजगार सृजन में विफलता, जनविरोधी नीतियों के कारण बढ़ती असमानताएं जनता की पीड़ा को बढ़ाती जा रही हैं। मजदूर वर्ग सहित आम जनता पर इस तरह के विनाशकारी हमलों के सामने एकजुट मजदूर वर्ग आंदोलन मूकदर्शक नहीं रह सकता।

वक्ताओं ने याद दिलाया कि सितंबर 2020 में 29 मौजूदा श्रम कानूनों को निरस्त करके श्रम संहिताओं (4 श्रम संहिताओं) को संसद में पारित करने के बावजूद, देशव्यापी एकजुट श्रमिक आंदोलन के कारण ही, केंद्र सरकार चार साल से अधिक समय से 4 श्रम संहिताओं को लागू करने की अधिसूचना जारी नहीं कर पाई है। लेकिन अपने तीसरे कार्यकाल में, वे कॉर्पोरेट दबाव में, चार श्रम संहिताओं को लागू करने के लिए बेताब हैं, जिसका उद्देश्य राष्ट्र के बुनियादी उत्पादक वर्ग यानी श्रमिकों के बुनियादी, लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों पर बड़े पैमाने पर अंकुश लगाना है। मौजूदा श्रम कानूनों में कमियों के बावजूद भी कार्यस्थल, मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, संरक्षण और कल्याण आदि से संबंधित श्रमिकों के अधिकारों के संदर्भ में जो भी कवरेज उपलब्ध है, जो मजदूर वर्ग के लंबे संघर्षों के माध्यम से हासिल किया गया था, उसे 4 श्रम संहिताओं के माध्यम से छीनने की साजिश की जा रही है, जिसे मजदूर वर्ग स्वीकार नहीं करेगा, क्योंकि अगर इसे लागू होने दिया गया, तो यह मजदूर वर्ग को कॉरपोरेट्स का गुलाम बनाने की साजिशों के आगे आत्मसमर्पण करने के बराबर होगा। संयुक्त मंच द्वारा समान विचारधारा के नागरिक समाजों, बुद्धिजीवियों, महत्वपूर्ण हस्तियों, जनप्रतिनिधियों, जन संगठनों, राजनीतिक दलों से ,जीवन और आजीविका के अस्तित्व के लिए मजदूर वर्ग के इस ऐतिहासिक 20 मई 2025 को राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल संयुक्त संघर्ष को एकजुटता और समर्थन प्रदान करने की अपील गई ।

कन्वेंसन में संजीव सिन्हा (इंटक),अम्बुज ठाकुर (एटक),आर.पी.सिंह (सीटू), शुभेंदु सेन (एआईसीसीटीयू), मोहन चौधरी(एआईयूटीयूसी) एवं रमेश सिंह (एचएमएस) जैसे केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के अलावा विभिन्न कर्मचारी महासंघों की ओर से वाईपी सिंह, एम एल सिंह, बैजनाथ सिंह, महेंद्र सिंह, बीरेंद्र यादव, अंजनी कुमार, सुनील शाह ,एल एल महतो, बेलाल, सरिता किंडो ने, घोषणापत्र का समर्थन करते हुए अपना वक्तव्य रखा । कार्यक्रम में बैंकिंग, कोयला, इस्पात, राज्य सरकार के कर्मचारी संगठनों के अलावा, सीमेंट, बिजली , सेल्स प्रमोशन के साथ-साथ अनुबंधित, आउटसोर्स तथा अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिक जैसे आशा, आंगनवाड़ी, मिड डे मील कर्मी, गिग वर्कर, घरेलू कामगार, निर्माण श्रमिक आदि जैसे अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों की भारी उपस्थिति देखी गई।

आरयू ने अपने शिक्षकों और कर्मचारियों के निर्धारित किये मानक

कर्मियों को अब सुबह 10:30 से शाम 4 बजे तक रहना होगा उपस्थित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राज्यपाल सचिवालय से प्राप्त निर्देश के अनुपालन के तहत रांची विश्वविद्यालय ने अपने शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए मानक निर्धारित किए हैं। इसके तहत सभी शिक्षकों को सुबह 10:30 बजे से शाम 4:00 बजे तक अपने कार्यस्थल पर उपस्थित रहना होगा और अपनी उपस्थिति दर्ज करनी होगी। कक्षा के संचालन की अवधि अधिक होने पर शाम 4 बजे के बाद भी अपनी कक्षा का संचालन पूरा करने के बाद ही कार्यस्थल छोड़ेंगे। जबकि सभी शिक्षकेतर कर्मचारी सुबह 10:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक अपने कार्य स्थल पर उपस्थित रहेंगे और अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। विश्वविद्यालय कार्यालय, विश्वविद्यालय विभागों और कॉलेज में कार्यरत शिक्षक व कर्मचारी शिक्षण संस्थान में कार्यालय प्रधान/विभागाध्यक्ष/ प्रधानाचार्य की अनुमति के बिना निर्धारित कार्य अवधि में विभाग, संस्थान या कॉलेज से बाहर नहीं जाएंगे।

निर्धारित कार्य अवधि के बीच में अगर कार्यालय संबंधी किसी कार्यवश बाहर जाना हो, तो इसके लिए कार्यालय प्रधान/ विभागाध्यक्ष या कॉलेज के प्राचार्य द्वारा निर्दिष्ट रजिस्टर में कारण और समय उल्लेखित कर अनुमति प्राप्त करने के बाद ही जा सकेंगे। अगर एक बार से अधिक बाहर जाना हो, तो प्रत्येक बार रजिस्टर में कारण का उल्लेख करते हुए संबंधित अधिकारी से अनुमति प्राप्त करनी होगी।

विभागाध्यक्षों पर भी यही नियम लागू होंगे और वे निर्दिष्ट रजिस्टर में कारण उल्लेखित कर ही कार्यस्थल छोड़ेंगे और इसकी सूचना संबंधित संकाय के डीन को देंगे। सभी डीन पर भी यह नियम लागू होगा और वे इसकी सूचना कुलपति को देंगे। सभी डीन की जिम्मेदारी होगी कि वे संकाय के अधीन पड़ने वाले विभागों में सुचारू रूप से कक्षा संचालन को सुनि>ित करें और विभागों का निरीक्षण करें। इसी तरह सभी विभागाध्यक्ष और प्राचार्यों की जिम्मेदारी होगी कि वे अपने विभागों और कॉलेज, में कक्षा का संचालन सुनि>ित करें। इस संबंध में रांची विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कार्यालय आदेश शनिवार को जारी कर दिया गया।

सरना नवयुवक संघ ने की समीक्षा बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सरना नवयुवक संघ केंद्रीय समिति के द्वारा रांची विश्वविद्यालय में आयोजित सरहुल पुर्व संध्या समारोह की समीक्षा बैठक रविवार को की गई।

सरहुल पूर्व संध्या समारोह की सफलता के लिए सभी सामूहिक नृत्य दल, एकल प्रतिभागी, सदस्यों,सहयोगियों, अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया गया।

बैठक में डॉक्टर हरि उरांव, साधु उरांव, वीरेंद्र उरांव, कृष्णा उरांव ,अमर उरांव, लक्ष्मण उरांव, लखन उरांव, गणेश उरांव आदि उपस्थित थे।

सात दिवसीय श्री यज्ञा बाबा मूर्ति अनावरण, देव प्रतिष्ठा एंव श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान महायज्ञ

महायज्ञ में लग रहा है भक्तों का ताता

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मोराबादी स्थित यज्ञा बाबा आश्रम के प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर प्रांगण में चल रहे सात दिवसीय श्री यज्ञा बाबा मूर्ति अनावरण, देव प्रतिष्ठा एंव श्रीमद् भागवत कथा में रविवार को भी भक्तों का तांता लगा रहा। मंदिर के महंत भरत दास महाराज ने बताया कि दूसरे दिन आचार्य श्याम सुंदर शर्मा ने विधिवत मंत्रोच्चार के साथ देव स्थापन,मंडप पूजन,जला धिवास,अन्नाधिवास के साथ विधिवत पूजा अर्चना के साथ महायज्ञ की शुरूवात हुई। सभी भक्त आस्था के साथ यज्ञ में आहुतियां देकर भक्ति में विलीन हुए साथ ही शाम में दूसरे दिन के भागवत कथा में गया पीठाधीश्वर स्वामी वेंकटेश प्रसन्नाचार्य महाराज ने मधुर संगीतमय भागवत कथा सुनाकर भक्तों को मंत्र मुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि बिना सत्संग के मनुष्य में विवेक जागृति नहीं होती है। उन्होंने भक्तो को भागवत कथा की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि हमें भगवान की पूजन सदैव करते रहना चाहिए क्योंकि मानव जीवन बड़े भाग से मिलता है।

कथा के समाप्ति के बाद भक्तो के बीच महा प्रसाद का वितरण किया गया। समारोह मे मुख्य अतिथि रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ उपस्थित रहे और कथा वाचक स्वामी वैंकटेश प्रसन्नाचार्य महाराज से आशीर्वाद प्राप्त कर कथा का आनंद लिए। इस महायज्ञ के मुख्य यजमान संतोष कुमार पाण्डेय व रवीना पांडेय,हर्ष कुमार व श्रुति श्रेया,अयोध्या बक्षी,अमित विक्रम और निधि शर्मा,राधे श्याम शर्मा,राकेश शर्मा व प्रिया शर्मा सपरिवार उपस्थित रहे। कथा में मुख्यरूप से मंदिर के मुख्य पुजारी विकास पांडेय,आशुतोष द्विवेदी,शिव किशोर शर्मा,पंकज साहू, ऋषिकेश लाल,अमित जायसवाल,नारायण मिश्रा सहित महिला मंडल की सदस्य मौजूद थी।

शिक्षा न्यायाधिकरण अधिनियम 2017 को प्रभावी रूप से लागू करे सरकार : अजय राय

रांची। झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने राज्य के निजी स्कूलों द्वारा चालू शैक्षणिक सत्र में मनमाने ढंग से की गई फीस वृद्धि, एनुअल चार्ज, री-एडमिशन फीस एवं विभिन्न शुल्कों की वसूली को गैरकानूनी करार देते हुए सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि लगातार मिल रही अभिभावकों की शिकायतें इस बात का प्रमाण हैं कि स्कूल प्रबंधन ट्यूशन फीस के अतिरिक्त विभिन्न मदों में अवैध रूप से शुल्क वसूल कर छात्रों व उनके अभिभावकों का आर्थिक शोषण कर रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण संशोधन अधिनियम 2017 का उल्लंघन है, जिसके अंतर्गत बिना सक्षम प्राधिकरण की पूर्व स्वीकृति के कोई भी फीस वृद्धि अवैध मानी जाती है। अजय राय ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विधानसभा में चर्चा के बावजूद आज तक किसी भी जिले में उपायुक्तों द्वारा इस विषय पर कोई ठोस बैठक नहीं की गई, जो राज्य सरकार की गंभीरता पर प्रश्नचि? खड़ा करता है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार इस कानून को तत्काल प्रभाव से लागू करे और वर्तमान सत्र में की गई फीस वृद्धि पर रोक लगाए। साथ ही उन्होंने झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण (जेट) को सक्रिय करने और प्रत्येक जिले में एक फीस रेगुलेटरी कमेटी गठित कर फीस संरचना की निगरानी करने की आवश्यकता बतायी। अजय राय ने यह स्पष्ट चेतावनी दी है कि अगर सरकार शीघ्र कोई ठोस कदम नहीं उठाती है, तो झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन सड़कों पर उतरने और राज्यव्यापी आंदोलन की दिशा में कदम उठाने को बाध्य होगी

शारदा ग्लोबल स्कूल में खेलों की नयी उड़ान पिकलबॉल कोर्ट का भव्य उद्घाटन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। शारदा ग्लोबल स्कूल मे शनिवार को अत्याधुनिक पिकलबॉल कोर्ट का उद्घाटन विद्यालय प्रबंधक दीपक बंका द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में स्कूल के प्रबंध, शिक्षकों, छात्रों की भारी उपस्थिति थे। स्कूल प्रबंधन का कहना है कि पिकलबॉल जैसे नवाचारपूर्ण खेल से छात्रों की फिजिकल फिटनेस तो बढ़ेगी ही, साथ ही उनकी टीम भावना और खेल कौशल में भी निखार आएगा। शारदा ग्लोबल पहले से ही विभिन्न खेलों में छात्रों को प्रशिक्षित कर रहा है और यह नई सुविधा उसी विजन का हिस्सा है।

झारखंड बंगला भाषी उन्नयन समिति का 23 अप्रैल को राज्य स्तरीय बंगाली संस्कृति कार्यक्रम

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद। रविवार को झारखंड बंगला भाषी उन्नयन समिति द्वारा पूर्व विधायक फूलचंद मंडल के बरवाअड्डा स्थित आवास में प्रेस वार्ता के दौरान पूर्व विधायक फूलचंद मंडल ने बताया कि बंगला झारखंड की मुख्य भाषा है, और उन्होंने राज्य सरकार से इस भाषा की गरिमा को बरकरार रखने के लिए स्कूलों में बांग्ला भाषा के शिक्षकों की नियुक्ति और पढ़ाई शुरू करवाई जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्राथमिक स्कूलों में कई बच्चे बांग्ला भाषी है जो बंगला पढ़ना चाहते हैं।

ज्ञात हो कुछ महीने पहले क्षेत्रीय और जनजातीय भाषा सर्वे के दौरान वास्तविक नामांकन पर बांग्ला भाषा की पुस्तक छपाई के लिए सभी विद्यालयों से प्रतिवेदन भी भेजा गया है। श्री मंडल ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप 40% से अधिक बंगला भाषी विद्यार्थी हैं। जिनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

झारखंड बांग्ला भाषी उन्नयन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष रीना मंडल ने बताया बांग्ला भाषा संस्कृति को संजोए रखने के लिए आगामी 23 अप्रैल को बरवाअड्डा दुर्गा मंदिर प्रांगण में राज्य स्तरीय बंगाली संस्कृति का कार्यक्रम किया जाएगा। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में लगभग 100 से ज्यादा प्रतिभागी भाग लेंगे। जिसमें बच्चे, महिलाएं, पुरुष और युवा शामिल है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय महासचिव सुप्रिय भट्टाचार्य होंगे और विशेष अतिथि के रूप में निरसा विधायक अरूप चटर्जी। इस भव्य कार्यक्रम में झारखंड के सभी जिले से गणमान्य लोग जुटेगे। प्रेस वार्ता में पूर्व विधायक फूलचंद मंडल, तपन मंडल, वृंदावन मंडल, आशीष मंडल, सुमंतो मंडल, लगेन बाउरी, पार्थो सेनगुप्ता, रघुनाथ राय, शिबू चक्रवर्ती, मिथुन मंडल, बैद्यनाथ मंडल, सोनाली मंडल, नुना मंडल, मंजू मंडल, बिनोती मंडल, भादुरानी मंडल मौजूद रहे।

शहर थाना परिसर में आग लगने से कई वाहन जलकर खाक

मेदिनीनगर। शहर थाना परिसर स्थित हनुमान मंदिर के पास रविवार की दोपहर आग लगने से मालखाना में रखे कई वाहन जलकर खाक हो गये। जिस स्थान पर आगजनी की घटना हुई वहां से कुछ दूरी पर पुलिस कर्मियों का क्वार्टर, महिला थाना और टीओपी 1 है। आग लगने की सूचना शहर समेत बाजार में तत्काल फैल गयी। काफी संख्या में लोगों का जमावड़ा शहर थाना परिसर में लग गया। शहर थाना के पुलिसकर्मियों ने आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को दी। फायर बिग्रेड की टीम वाहन लेकर शहर थाना पहुंची। टीम द्वारा घंटों मशक्कत करने के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस कर्मियों के अनुसार, रविवार की दोपहर टाउन थाना परिसर में झाड़ियों में आग लग गई थी। धीरे-धीरे यह आग झाड़ियों से मालखाना के वाहनों तक पहुंच गई। आगजनी की घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी गई। इस टाउन थाना के मालखाना से संबंधित कई बाइक और चार पहिया वाहन जल गए। मेदिनीनगर टाउन थाना के प्रभारी गुलशन बिरुआ ने बताया कि आगजनी की घटना हुई है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

लगन बढ़ते ही रेलवे ने की सवारी ट्रेनों की बोगी घटायी

खबर मन्त्र संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। बढ़ते गर्मी व घमासान शादी विवाह लगन मुहूर्त के कारण डीडीयू रेलखंड में मात्र ट्रेन यात्रा ही एकमात्र विकल्प है, लेकिन इन दिनों जैसे जैसे भीड़ बढ़ती है डीडीयू रेल अधिकारियों की मनमानी के कारण रेल यात्री जान जोखिम में डाल कर यात्रा कर रहे हैं। रविवार को जपला स्टेशन पर यात्री ट्रेनों में बोगियों की संख्या कम होने से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। डेहरी ऑन सोन-बरवाडीह शटल पैसेंजर ट्रेन में कम बोगी होने के कारण जपला स्टेशन से होकर गुजरने वाले यात्रियों को ठूस ठूस कर सफर करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। भेड़ बकरी की तरह ठुसे यात्री बोगी के गेट पर जान जोखिम में डालकर यात्रा करने को अपनी दिनचर्या बना लिये हैं। शादी-विवाह और लगन के कारण यात्रियों की भीड़ बढ़ने के कारण यह समस्या यात्रियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है, क्योंकि वे अब ट्रेनों में पर्याप्त जगह नहीं पा रहे हैं, जिससे उन्हें यात्रा करना मुश्किल हो रहा है। डीडीयू रेलखंड पर चलने वाली कई यात्री ट्रेनों में बोगियों की संख्या कम हो गई है, जिसके कारण यात्रियों को यात्रा करने में परेशानी हो रही है। बोगियों की कमी के कारण, यात्रियों को अब ट्रेनों में पर्याप्त जगह नहीं मिल रही है, जिससे उन्हें यात्रा करना मुश्किल हो रहा है। वे अब ट्रेनों में खड़े होने के लिए मजबूर हैं, जिससे उन्हें बहुत परेशानी हो रही है। यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से बोगियों की संख्या बढ़ाने की अपील की है, ताकि उन्हें ट्रेनों में पर्याप्त जगह मिल सके और उनकी यात्रा सुगम हो सके। वहीं जपला आरपीएफ की टीम एसआई कार्तिक बिंझा के नेतृत्व में रेल यात्रियों को ट्रेन में बैठाने के लिए काफी मशक्कत करते दिखी।

मांडर में वक्फ कानून के विरोध में कार्यक्रम , सैकड़ों लोग हुए शामिल

पूर्व मंत्री और कांके विधायक को ज्ञापन सौंपा

खबर मन्त्र संवाददाता

मांडर। वक्फ कानून 2025 को रद्द करने की मांग को लेकर तहफ्फुज ए वक्फ कॉन्फ्रेंस, नेतृत्व में रविवार को मुड़मा मदरसा बगीचा में आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ो लोग शामिल हुए। सभा को सम्बोधित करते हुए आमया संगठन के अध्यक्ष एस अली ने कहा कि मुस्लिम समुदाय मशवरा किए बिना और जेपीएस को दिए सुझाव को शामिल किए बिना बहुमत के दुरूपयोग कर वक्फ एक्ट 2025 बनाया गया है जो भारतीय मुसलमानों के धार्मिक स्वायत्तता और मौलिक अधिकार को समाप्त करता है। देश एवं झारखंड में जो वक्फ कि सम्पति है उनमें से अधिकतर मस्जिद, मदरसा, ईदगाह, कब्रिस्तान, मजार, खानकाह, मकबरा, मुसाफिरखाना है इसके आलाव दुकान-मकान, संस्थान व खेत खलिहान है, जो हमारे पूर्वज द्वारा अपनी नीजि जमीन/सम्पति को इस्लामिक परम्परा के अनुसार वक्फ (दान) कर स्थापित किया गया है। बहुत सी जमीनों को राजा महाराजा, नवाब, जमींदार, ओहदार द्वारा भी दिया गया इनमें मौखिक और सादे कागज में भी वक्फ (दान) किया गया है जिसका उपयोग धार्मिक कार्य के तौर पर होते है। वक्फ सम्पत्तियों से जुडें मामलों का अधिकार कलेक्टर/ बडें अधिकारियों को देने से विवाद के निपटारे में देरी और उलझ जाएगा। ऐतिहासिक धरोहर और धार्मिक स्थलों को वक्फ सम्पत्ति से अलग करने से धार्मिक पहचान व महत्व समाप्त हो सकता है। सभा में झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री बंधु तिर्की और विधायक सुरेश कुमार बैठा अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम भी शामिल हुए। बंधु तिर्की ने कहा कि वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिमों को सदस्य बनाने से मुस्लिम समुदाय की धार्मिक संपत्तियों के प्रबंधन में हस्तक्षेप होगा जबकि हिन्दू धार्मिक न्यास बोर्ड, सिख धार्मिक बोर्ड, जैन, बुद्धिस्ट व अन्य धर्म के बोर्ड में उनके धर्म के मानने वाले ही सदस्य होगें। अमेंडमेंट वक्फ एक्ट 2025 अल्पसंख्यकों को प्राप्त संवैधानिक अधिकारों अनुच्छेद 14,15, 25, 26, 300 (ए) का उल्लंघन करता है। और उन्होंने कहा किसी भी हाल में झारखंड में वक्फ बोर्ड कानून को लागू होने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड के कारण हिंसक घटनाएं घट रही है। लोगों की जान जा रही है। यह सभी जानते हैं। बंगाल में लगातार हिंसक घटनाएं घट रही हैं। लोगों की जानें जा रही। झारखंड में भी लोग आक्रोशित हैं। सुरेश कुमार बैठा ने कहा कि जिसका जो हक है, उस पर आघात पहुंच रहा है। किसी पर आघात पहुंचाना अच्छी बात नहीं है। शमशेर आलम ने कहां भारतीय जनता पार्टी के पास कोई काम नहीं है। एक साजिश के तहत हमारी कौम पर जुल्म पर जुल्म कर रही है। पूर्व मंत्री बंधु तिर्की और कांके ि

वधायक सुरेश कुमार बैठा को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से वक्फ कानून को वापस लेने की मांग की गई। जिला परिषद सदस्य आदिल अजीम, अंजुमन-ए-इस्लाम के सादर नुरुल्लाह हबीब नदवी, रांची जिला ग्रामीण अल्पसंख्यक कांग्रेस अध्यक्ष शमीम अख्तर, लुकेश आनंद, समीम बढ़ेहार, साकिर इस्लाही, समीम अख्तर, समीम अख्तर आजाद, अताउल्ला अंसारी, मुफ़्ती ओबेदुल्ला, युवा अध्यक्ष शमशुल शेख, समेत सैकड़ों लोगों शामिल थे।

रात्रि फुटबॉल टूर्नामेंट में केके ब्रदर्स का कब्जा

खबर मन्त्र संवाददाता

सोनाहातू। थाना मैदान में शनिवार रात्रि फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। फुटबाल टूर्नामेंट में 16 टीमों ने अपना प्रतिभा का प्रदर्शन किया रात भर खेल के बाद रविवार सुबह समापन के साथ पुरस्कार वितरण किया गया। फाइनल मैच में केके ब्रदर्स रांची की टीम ने जेएम स्पोटिंग रांची एक गोल से हराया। विजेता टीम केके ब्रदर्स रांची को नगद एक लाख रुपए तथा उप विजेता टीम जेएम स्पोटिंग रांची को 70 हजार रु. पुरस्कार दिया गया। तृतीय उप विजेता टीम आईएमएस ईचागढ़ एवं ब्लैक टीम नामकुम को पचीस -पचीस हजार की नगद राशि के साथ पुरस्कृत किया गया। समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में देवेंद्रनाथ महतो, फनीभूषण सिंह मुंडा, मुखिया विकास सिंह मुंडा, थाना प्रभारी चंदन कुमार, धनपति महतो, श्याम महतो, राजेन्द्र महतो, अभिमन्यू महतो, इंद्रदेव सिंह मुंडा,यादव महतो, दिलीप अहीर आदि मौजूद थे। इस दौरान मुख्य अतिथि देवेंद्रनाथ महतो ने उन्होंने कहा की फुटबॉल खेल टीमवर्क, अनुशासन और समय प्रबंधन का ट्रेनिंग देता है। क्रीडा के क्षेत्र में राज्य सरकार का उदासीन रवैया रहा है। राज्य सरकार के सभी विभागों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को चयनित करते हुए नियोजन में समुचित आरक्षण होनी चाहिए। सफल आयोजन के लिए कमेटी अध्यक्ष विशेश्वर महतो, उपाध्यक्ष नागेंद्र महतो, संरक्षक खंजन महतो एवं रवि सांडील की महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पिठोरिया में हाइवा ने बाइक को मारी टक्कर, तीन की मौत

पिठोरिया। पिठोरिया थाना क्षेत्र के बालू पहाड़ के पास तीखे मोड़ पर तेज रफ्तार एक हाईवा ने सामने से आ रही बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक सवार दो लोगों अशफाक अंसारी और आफरीन परवीन ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल आफिया परवीन की मौत अस्पताल ले जाने के क्रम में रास्ते में हो गई। गौरतलब है कि अशफाक अपने दो भांजियों को अपने यहा शादी मे शामिल होने के लिएरातू थाना क्षेत्र के जाडी ग्राम से अपने पैतृक ग्राम ओयना आ रहा था। इसी क्रम में पिथोरिया बालू पहाड़ के समीप स्थित तीखी मोड पर दुर्घटना घटी दुर्घटना की खबर सुनते ही क्षेत्रीय लोगों का भीड़ दुर्घटना स्थल पर एकत्रित हो गयी और सडक जाम कर दिया जिससे आवागमन घंटो बाधित रही आखिर मे डीएसपी अमर कुमार पांडेय के आश्वासन के बाद लगभग साढे आठ बजे जाम समाप्त हुआ।

चार साध्वी दुर्घटना में घायल

ओरमांझी। रांची रामगढ़ मार्ग विकास के पास दुर्घटना में दिगंबर जैन मुनि की चार साध्वी घायल हो गई हैं। रविवार की शाम लगभग पांच बजे के करीब हुई दुर्घटना के संबंध में बताया गया कि दिगंबर जैन मुनि की लगभग 40-50 साध्वी रांची से पैदल पारसनाथ जा रहे थें। विकास विद्यालय गेट पारकर कुछ दूर ही गए थें, कि पिछे से एक निषान डक्सटन कार पैदल चल रही साध्वीओं के काफिले में घुस गया। जिससे चार साध्वी को घायल हो गए। जिसमें एक गंभीर रूप से घायल हो गई हैं। बताया गया कि दुर्घटना की जानाकरी मिलने पर रांची के दिगंबर जैन से जुड़े काफी संख्या में लोग पहुंच गए थें। हल्की चोट लगी दो साध्वी को स्थानीय हॉसिपटल में व गंभीर रूप से घायल को मेडिका हॉस्पिटल में उपचार के लिए भर्ती किया गया है। बताया जा रहा है कि कार चालक डेसबोर्ड से कुछ निकालने के दौरान संतुलन बिगड़ गया था। वहीं मेसरा थाना पुलिस दुर्घटना की जाच पड़ताल की जा रही है।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक की मौत

सोनाहातू। थाना क्षेत्र के सिल्ली-टिकर-रांगामाटी सड़क के टांगटांग और तिलाईपिडी मोड़ के बीच तेज रफ्तार कार (जेएच10 बीआर 2100) ने एक 58 वर्षीय व्यक्ति को कुचल दिया। घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गया है। घटना शनिवार रात साढ़े नौ बजे के आसपास बताई जा रही है। तिलाईपिडी गांव का व्यक्ति पशु लोहार साइकिल से अपना घर जा रहा था। सिल्ली की तरफ से तेज रफ्तार से आ रही कार ने टक्कर मार दिया। पुलिस ने उक्त कार को 7 किलोमीटर दूरी पर जब्त किया है। कार के टायर फटे हुए थे। संभवत तेज रफ्तार के कारण टायर फट गया और लोग कार को छोड़कर फरार हो गए।

डायरिया से 70 लोग ग्रसित एवं 6 रिम्स रेफर

सिल्ली। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत कुलसुद गांव में डायरिया से 70 लोग ग्रसित मिले। वहीं 6 लोगों को ज्यादा स्थिति खराब होने के कारण उनको रांची रिम्स रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार सामुदायिक अस्पताल सिल्ली के डॉ. विवेक ने बताया कि जैसे ही हमें ग्रामीणों से सूचना मिली कि कुलसुद गांव में डायरिया से लोग ग्रसित है उसे देखते हुए गांव में शिविर लगाकर लोगों का इलाज किया गया साथी साथ कुछ लोगों को स्थिति खराब देखते हुए उनको रांची रिम्स रेफर किया गया।

ठनका गिरने से एक व्यक्ति की मौत, चार घायल

कृष्णावती देवी।

सुकरमणी कुमारी।

युवराज महतो।

खबर मन्त्र संवाददाता

सोनाहातू। थाना क्षेत्र में अलग अलग जगहों में ठनका गिरने से एक व्यक्ति की मौत हुआ है तथा अन्य चार गंभीर रूप से घायल है। घटना रविवार साढ़े चार से पांच बजे के बीच की बताई जा रही है। थाना क्षेत्र के जरोदा-सायाटांड़ सड़क किनारे झोपड़ीनुमा घर में आयुर्वेदिक दवा बेचने वाले 65 बर्षीय रघुनाथ सिंह मुंडा का मौत ठनका गिरने से हुआ है। मृतक रघुनाथ सिंह मुंडा मूलरूप से सिल्ली के तुईंकू गांव के रहने वाले थे। बहुत दिन पहले से यहां झोपड़ी बनाकर रहते थे और आयुर्वेदिक दवा बेचते थे। इस दौरान इनके झोपडी में बारिश ओर ब्रजपात से बचने के लिए रुकने वाले तमाड़ के चाड़ुवाडीह निवासी 50 बर्षीय परेश अहीर और लांदुपडीह गांव की 32 बर्षीय कृष्णवती देवी भी ठनका गिरने से झुलस गई थी। हांलाकि, ईलाज के दौरान दोनों ठीक है। इधर घटना की सूचना पर सोनाहातू पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई कर रही है। दूसरी घटना थाना क्षेत्र के ओडेदारू गांव की है। खपरैल घर में ठनका गिरने से 18 वर्षीय सुकरमनी कुमारी गंभीर रूप से घायल हुई है। युवती के इलाज सीएचसी सोनाहातू में करने के बाद रिम्स रेफर किया गया है। तीसरी घटना बारेन्दा चौक में हुआ है। वारिश और बज्रपात से बचने के लिए एक युवक झोपड़ीनुमा घर में शरण लिया था, अचानक तेज आवाज के साथ घर में ही ठनका गिरा जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हुआ। लोगों ने तत्काल इलाज के लिए सिंगपुर अस्पताल मुरी भेजा। इलाज के बाद खतरे से बाहर है। 30 वर्षीय युवक युवराज महतो जुड़गा- लोवाडीह का है जो टाटीसिलवे से घर वापस आ रहा था।

जमीन देने के नाम पर 10 लाख ठगी करने वाला, अशोक महतो गिरफ्तार

ओरमांझी। जमीन दिलाने के नाम पर 10 लाख रुपये ठगी कर फरार आरोपी अशोक महतो को मेसरा थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। मेसरा थाना क्षेत्र के चुटू निवासी आरोपी निवासी अशोक कुमार महतो ने गांव के शत्रुधन महतो से अपनी जमीन बिक्री करने के नाम पर झांसे में लिया और उससे एग्रीमेंट कर दस लाख रुपया झटक लिया। मामला 2020 के संबंध में थाना प्रभारी संजीव कुमार ने बताया शत्रुधन महतो द्वारा जब जमीन रजिस्ट्री की बात करने पर आरोपी टाल मटोल करता रहा, तंग आकर उसने अपने पैसा वापस करने को कहा, तो आरोपी पैसा देने से भी इंकार कर दिया। जिसके बाद पीड़ित द्वारा न्यायल के माध्यम से आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया। न्यायलय से जब गिरफ्तारी वारंट निर्गत हुआ, तब से आरोपी फरार था। पुलिस द्वारा आरोपी को उसके घर से ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

मांडर में वक्फ बचाओ सम्मेलन, सुप्रीम कोर्ट की तारीफ

वक्ताओं ने मोदी के खिलाफ भरी हुंकार

शेख मुजिबुल

रातू। मांडर में वक्फ बचाओ सम्मेलन के दौरान सुप्रीम कोर्ट की जमकर तारीफ हुयी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ हुंकार भरी गयी और कहा गया कि जब से वह सत्ता में आये हैं, देश तरक्की की बजाय बबार्दी के कगार पर है। उन्हें विवादित प्रधानमंत्री बताया गया और इस्तीफे की मांग की गयी। वहीं, गृह मंत्री अमित शाह की भी खूब थू-थू हुयी। तड़ी पार से विख्यात शाह के खिलाफ आरपार की लड़ाई का ऐलान करते हुये संघ के गलत मंसूबे को पूरा न होने देने और सड़क से सदन तक आवाज बुलंद करने का संकल्प लिया गया।

गैर की इंट्री बर्दास्त नहीं

वक्ताओं ने कहा कि वक्फ में गैर मुस्लिमों की इंट्री बर्दास्त नहीं की जायेगी। अभी संवैधानिक रिवाज के साथ लड़ाई की शुरूआत की गयी है। बाद में इसके स्वरूप को और बड़ा करने पर विचार होगा, जिसे मोदी-शाह सहन नहीं कर पायेंगे। हम शांति और सौहार्द पर भरोसा करते हैं। लेकिन, जिद पर आ गये, तो हमें संभालना मुश्किल होगा।

यह आग फैलेगी

वक्फ की यह आग न केवल मुस्लिमों तक, बल्कि आगे भी फैलेगी। आदिवासी, सिख, ईसाई, बौद्ध और जैन भी इसकी जद में आयेंगे। केंद्र ने वक्फ में संशोधन कर अलगाववादी ताकतों को सह दिया है। देश के बहुसंख्यक हिंदूओं के भी इसकी चपेट में आने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। मोदी-शाह पर सिर्फ पूंजीपतियों के लिये काम करने का आरोप लगाया गया।

विद्या मंदिर कुल्ही ओरमांझी में ध्रूव कक्ष का उद्घाटन

विद्या मंदिर के बच्चे राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर चलते हैं

उद्घाटन के मौके पर दीपक प्रकाश व आदित्य साहू।

ओरमांझी। सरस्वती षिषु विद्या मंदिर कुल्ही ओरमांझी में नवनिर्मित ध्रूव कक्ष भवन का उद्घाटन रविवार को भाजपा के पूर्व प्रदेष अध्यक्ष सह राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाष व विद्यालय के मुख्य संरक्षक सह राज्यसभा सदस्य अदित्य साहू ने किया। वहीं दोनो ने कुल्ही के इस विद्यालय को आदर्ष विद्यालय बनाने का संकल्प भी लिया। वहीं दीपक प्रकाश कहा ने सरस्वती विद्या मंदिर व यहां पढ़ने वाले बच्चों की सराहना की, कहा यहां पढने वालों के हृदय में राष्ट्रीयता भरी होती हैं। सरस्वती विद्या मंदिर देशभक्ति की फैक्टी हैं। जहां ज्यादातर गरीब झारखंड के लाल पढ़ते हैं। यहां पढने वालों को संस्कारिक शिक्षा मिलती हैं। यह विद्यालय भारतीय संस्कृति की केंद्र बिंदु है। वहीं आदित्य साहू ने विद्यालय को एक यूको बस देने की घोषणा की, कहा जहां अन्य विद्यालय, शिक्षा के नाम पर व्यवसाय कर रहे हैं। वहीं सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में राष्ट्रीय चेतना जगाने का कार्य की जा रही है। इस विद्यालय में पढ़ने वाले राष्ट्रप्रेम प्रथम के सिद्धांत पर चलने वाले होते हैं। वहीं विद्यालय के नाम से संचाललित कई शिक्षण संस्थनों से पढकर निकलने वाले युवा बाबा भीमराव अंबेडकर का सम्मान व संविधान की धज्जियां उड़ाने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रचार्य जयप्रकाश महतो ने किया, और विद्यालय पर स्नेह बनाए रखने के लिए अतिथियों का अभार जताया। वहीं पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, कुमकुम देवी, रणधीर चौधरी, मुखिया रमेश बेदिया, अमरनाथ चौधरी, दिलीप मेहता, अलखनाथ महतो, चन्नू महतो, तुलसी महतो, शशिभूषण, धीरजू महतो, बालेश्वर महतो, किरन देवी सहित विद्यालय के शिक्षक व छात्राएं उपस्थित थें।

उषा मार्टिन काउंडेशन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों मे की जा रही है विकास की पहल

अनगड़ा। उषा मार्टिन फॉउंडेशन के माध्यम से कारखाना के इर्द गिर्द के 18 गांवों में वित्तीय वर्ष 24-25 में बेहतर शिक्षा के लिए आधारभूत संरचना के विकास की पहल की गयी है। कई गांवों में स्कूलों की मरम्मत एवं विकास के कार्य किये गये। इसके अलावा सामुदायिक भवन एवं पुस्तकालय को भी मरम्मत के पश्चात उसका सौंदर्यीकरण किया गया है, ताकि गांवों में युवाओं को पढ़ाई के लिए बेहतर माहौल बनाया जा सके। इन कार्यों का परिणाम है कि मासू मध्य विद्यालय से बच्चों को मुख्यमंत्री आदर्श विद्यालय के लिए चयनित हुए है। फॉउंडेशन के हेड डॉ मयंक मुरारी ने बताया कि ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत उलातू गांव के सामुदायिक भवन एवं भुवाल टोली में चबूतरा का निर्माण कराया गया। छोटे बच्चों के लिए खिलौना, किताब एवं खेलने की सामग्री भी मुहैया करायी गयी है।

नगर भ्रमण पर निकले भोलेनाथ, उमड़ा आस्था का जन सैलाब

श्री श्री 108 शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ को लेकर निकली नगर भ्रमण

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के खत्री खटंगा गांव स्थित शिव मंदिर में चल रहे तीन दिवसीय श्रीश्री 108 शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के दूसरे दिन रविवार को शिवलिंग व नंदी की मूर्ति का नगर भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। भगवान शिव के शिवलिंग व नंदी को सुसज्जित गाड़ी पर बैठाकर पूरे गांव की परिक्रमा कराई गई। जहां बड़ी संख्या में शामिल श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव के जयकारे के साथ गांव की परिक्रमा किया। इस दौरान महिला और पुरुष श्रद्धालु ढोल,नगाड़े व भक्ति गानों पर झूमते रहे। जो पूरे गांव का भ्रमण करते होते मंदिर पहुंची। नगर भ्रमण कार्यक्रम में श्रीकांत मेहरा, सतवीर लाल खन्ना, रघु लाल खन्ना, सुनील सहगल, दीपक सहगल, संजय राम, भुज टंडन व पिंकु लाल खन्ना समेत सैकड़ों ग्रामीण हाथों पर पताका लिए जयघोष करते चल रहे थे। वहीं धार्मिक अनुष्ठान पुजारी नित्यानंद पाठक, निकुंज पाठक, रंजीत पाठक, अभिषेक मिश्रा व रविकांत मिश्रा की अगुवाई में बतौर मुख्य यजमान अंगद खन्ना सपत्नी रेशमी देवी, निलेश खन्ना गायत्री खन्ना, कुमारेश सहगल रानी देवी साकेत टंडन माया देवी, देवशरण नाथ टंडन सरिता देवी, रामेश्वर खन्ना दीपिका खन्ना, अजय नाथ टंडन व चिंता देवी ने पूरा किया।

भ्रमण के बाद शिवलिंग को मंदिर में स्थापित किया गया। वहीं नगर भ्रमण से पहले प्रातःकाल में वेदी पूजन, अन्नाधिवास वस्त्राधिवास, अरणीमंथन, अग्निस्थापन, पुष्पाधिवास, फलाधिवास, मिष्ठानधिवास, धूपाधिवास, औषधयधिवास, देवस्थापन, शय्याधिवास, आरती व पुष्पांजलि समेत कई धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए। भंडारा के दौरान श्रद्धालुओं के बीच भोग प्रसाद का वितरण किया गया। साथ ही कार्यक्रम को सफल बनाने में शिव मंदिर पूजा समिति के कौशल किशोर राम, भूषण नाथ टंडन, कुणाल टंडन, अभिषेक टंडन,प्रीत सेठ, गौरव खन्ना, अमन टंडन, हनी खन्ना, रतन खन्ना, शिवम टंडन, शशांक सहगल, अकांशु खन्ना, लकी खन्ना,चंचल सहगल, संदीप टंडन, नितिन खन्ना,रौनक टंडन, सुनील सहगल व संजय राम समेत दर्जनों ग्रामीणों ने सराहनीय योगदान दिया।

खबर एक नजर में

अनाथ बेटी का जनसहयोग से कराया विवाह

अनगड़ा। ग्रामीणों ने आपसी सहयोग करके एक अनाथ आदिवासी युवती का रविवार को हेसातू शिव मंदिर में विवाह कराया। अनाथ भारती कुमारी का विवाह रजरप्पा के हरहद कंडेर निवासी धर्मेन्द्र मुंडा के साथ संपन्न हुआ। भारती की माता आलसो देवी व पिता ललकू मुंडा की काफी पहले मौत हो चुकी है। लालन पालन चाचा राजेन्द्र मुंडा ने किया। गरीबी के कारण स्वजन भारती का विवाह नही करा पा रहे थे। भाजपा नेता जैलेन्द्र कुमार व भाजपा नेत्री किरण देवी के प्रयासों से जनसहयोग से भारती का शादी कराया गया। जैलेन्द्र कुमार ने नकदी के रूप में मदद की। साथ ही शादी की सामग्री भी प्रदान की। अन्य लोगों के आर्थिक सहयोग से विवाह व प्रीति भोज संपन्न हुआ। भारती के अभिभावक की भूमिका भी जैलेन्द्र कुमार ने निभाया। जैलेन्द्र कुमार ने कहा की भारती के स्वजनों ने सहयोग मांगा था, इसलिए समाज के सहयोग से अनाथ बेटी का शादी कराया गया। काफी खुशी महसूस हो रहा है। शादी के मौके पर संजय सिंह, बिनोद चौधरी, निर्मला देवी, सुकरा मुंडा, राजेंद्र मुंडा आदि मौजूद थे।

आरटीसी पब्लिक स्कूल अनगड़ा में पैरेंट्स ओरिएंटेशन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अनगड़ा। आरटीसी पब्लिक स्कूल, अनगड़ा में शनिवार को नये शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए सभी कक्षा वर्गों के अभिभावकों के लिए एक पैरेंट्स ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अभिभावकों को विद्यालय के नियम, शिक्षण पद्धति तथा बच्चों के समग्र विकास में अभिभावकों की भूमिका से अवगत कराना था।कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री नरेंद्र नाथ महतो ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि किसी भी छात्र के शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत विकास में विद्यालय के साथ-साथ घर के वातावरण की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा, यदि अभिभावक अपने बच्चों को घर पर प्रोत्साहन और समर्थन प्रदान करें, तो उनकी सफलता की संभावनाएं कई गुना बढ़ जाती हैं।प्रधानाचार्य श्री महतो ने यह भी जानकारी दी कि विद्यालय द्वारा इस सत्र से सभी कक्षा वर्गों में नामांकन को पूर्णतः निःशुल्क कर दिया गया है, जिससे शिक्षा को और अधिक सुलभ व समावेशी बनाया जा सके। इस कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षकगण उपस्थित थे। अभिभावकों ने भी कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रश्न पूछे और विद्यालय प्रशासन से सकारात्मक संवाद किया।

जीउठना पर्व ईस्टर पारंपरिक तरीके से मनाया गया

इटकी। मसीही विश्वासियों के लिए प्रभु यीशु का जीउठना पर्व ईस्टर रविवार को पारंपरिक तरीके से मनाया गया। मौके पर कब्रिस्तानों में मृत परजनों के कब्रों पर आस्था के फूल चढ़ाए गए व उनकी याद के मोमबत्तियां जलाई गई। मौके पर विशेष आराधना सभा भी हुई। खोरखटोली स्थित कब्रिस्तान में आयोजित विशेष आराधना सभा में पादरी एन कंडूलना ने मसीही विश्वासियों को संदेश देते हुए कहा की प्रभु यीशु का तीन दिन बाद जी उठने की घटना पूरे मानव जाति के लिए जीत है। यह जीत मसीही विश्वासियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इधर सीएनआई चर्च में आयोजित आराधना सभा में पादरी एन कंडुलना ने प्रभु के पुनरुत्थान की चर्चा की। कार्यक्रम में सहायक पादरी जे तिर्की, सचिव ब्रिजित मिंज, रवि बेल्स कुजूर, अर्चना सपना तिग्गा, सुनीता खलखो, अनंता डाडेल, इशहक कुजूर, नेहा खलखो सहित सैकड़ों मसीही परिवार थे।

बेड़ो पंडरा गांव में आंधी से सोलर पैनल नष्ट

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के हरिहरपुर जामटोली पंचायत के पंडरा गांव में रविवार की अपराह्न लगभग तीन बजे आयी आंधी तूफान में गांव में लगी जलमीनार के छह सोलर पैनल आंधी तूफान की चपेट में आने से नष्ट हो गए।जिससे गांव में पेयजल संकट गहरा गया है। ग्रामीणों ने कहा कि पेयजलापूर्ति विभाग की ओर से जलमीनार लगवाया है। रविवार की दोपहर को अचानक आए आंधी और तूफान के कारण जलमीनार में लगे छह सोलर पैनल टूट जाने से पूरे गांव में पेयजल आपूर्ति ठप हो गई है। वहीं पैनल टूट जाने से ग्रामीणों के समक्ष पेजयल संकट उत्पन्न हो गई है। ग्रामीणों ने विभागीय पदाधिकारियों से पेयजल संकट के मद्देनजर क्षतिग्रस्त सोलर पैनल को दुरुस्त कर बंद जलमीनार से पेयजल आपूर्ति बहाल करने की मांग किया है।इधर घटना की जानकारी मिलने पर पंचायत के पूर्व मुखिया सह युवा नेता सुनील कच्छप ने जानकारी देते हुए बताया कि पंडरा गांव में इस सोलर की पानी टंकी से पूरे गांव के लोगों को पानी उपलब्ध हो रहा था। रविवार की दोपहर पंचायत के आस पास आए आंधी से पानी टंकी के छह सोलर प्लेट गिरकर क्षति ग्रस्त हो गए। जिससे इस गर्मी में पेयजल आपूर्ति बाधित हो गया। उन्होंने विभागीय पदाधिकारियों से से यथाशीघ्र छह सोलर प्लेटों को नया लगाकर पेयजल आपूर्ति चालू करने की मांग किया है।

बीजेपी के संगठन मंत्री पहुंचे मैकलुस्कीगंज

खलारी। भारतीय जनता पार्टी के संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह का आगमन खलारी प्रखंड के मैक्लुस्कीगंज में हुआ। इस दौरान संगठन मंत्री मैक्लुस्कीगंज के राष्ट्रीय स्वयं सेवक के सेवा प्रकल्प केंद्र शंकर निकेतन पहुंचकर संघ के प्रचारक पशुपतिनाथ से मुलाकात किये। वही संगठन मंत्री मैक्लुस्कीगंज से निकलकर एनके जीएम दिनेश कुमार गुप्ता से भी औपचारिक मुलाकात किये। संगठन मंत्री के खलारी आगमन की खबर भाजपा के कार्यकताओं को मिली तो खलारी मंडल अध्यक्ष अनिल गंझू,श्याम सुंदर सिंह,रामसूरत यादव ने फूलमाला पहनकर किया। मौके पर ओबीसी मोर्चा के प्रदेश मंत्री इंद्रजीत यादव (लालू) संघ के प्रचारक विजय घोष, नितिन कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

न्याय बनाम विधायिका

यह भारतीय संविधानिक व्यवस्था में पहली बार हुआ है कि राज्यपाल के दस्तखत के बगैर सुप्रीम कोर्ट के आदेश से कोई विधेयक कानून बना और तमिलनाडु के सभी 10 लंबित विधेयकों को मंजूरी मिल गई। बेंच ने कहा कि राज्यपाल के पास पूर्ण या आंशिक वीटो का अधिकार नहीं है। वह विधानसभा से पास बिल को नहीं लटका सकता है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति को भी बताया है कि अगर राज्य का बिल उनके पास आता है तो उनको अनिवार्य रूप से सुप्रीम कोर्ट से मशविरा करना होगा और वे भी बिल को तीन महीने से ज्यादा नहीं रोक सकती हैं। इस तरह से न्यायाधीशों ने जो वस्तुतः राष्ट्रपति को एक आदेश जारी किया और एक परिदृश्य देश के सामने प्रस्तुत किया है, उससे यही लग रहा है कि न्यायालय में ही सबकी शक्ति निहित हो गई है। विधायिका और कार्यपालिका के अधिकार गौण हो गए हैं। सवाल यह भी उठ रहे हैं कि क्या संविधान में न्यायपालिका को दिए गए अधिकारों की क्या न्यायालय ही गलत कानूनी व्याख्या कर रहा है।कुल मिलाकर राष्ट्रपति में संपूर्ण राष्ट्र की शक्ति निहित है, अर्थात विधायिका, कार्यपालिका और न्यायालय तीनों की शक्ति राष्ट्रपति पद में निहित है। पर यहां व्यवहार में क्या हो रहा है जिस राष्ट्रपति को विधायिका चुनती है, और यह विधायिका किसी भी लोकतंत्र शासन प्रणाली में उस लोक के एक-एक चुने हुए जन प्रतिनिधि से बनती है, उस विधायिका की शक्ति को ही न्यायालय आज खुद से संचालित करते हुए देखा जा रहा है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नाराजगी जताई है। उन्हें कहना पड़ा है कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। हम ऐसे हालात नहीं बना सकते जहां अदालतें राष्ट्रपति को निर्देश दें। अब भले ही अनुच्छेद 142 भारत के सुप्रीम कोर्ट को यह अधिकार देता हो।

आज का राशिफल

मेष : व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यो का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-9

वृष : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गो का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेंगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन : कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-3-7-8

कर्क : राजकीय कार्यो से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यो में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-9

कन्या : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार हैं। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यो से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-7-8

धनु : आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-6-9

मकर : अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ : जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-1-3-7

मीन : लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मुलाकात होगी। शुभांक-1-5-9

बहस में न्यायालय और उप राष्ट्रपति की चिंता

भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने यह कहकर एक नई बहस को जन्म दिया है कि देश ने ऐसे लोकतंत्र की कल्पना नहीं की थी, जहां जज कानून बनाएंगे, कार्यपालिका का काम भी खुद ही करेंगे और सुपर संसद की तरह काम करेंगे। अनुच्छेद-142 न्यायपालिका के लिए न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को दरकिनार करने के लिए इसका उपयोग किया जा रहा है। उप राष्ट्रपति धनखड़ कानून के गहरे जानकार हैं। राजस्थान उच्च न्यायालय से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक में प्रैक्टिस कर चुके हैं। उप राष्ट्रपति बनने से पहले प. बंगाल जैसे चुनौतीपूर्ण राज्य में उप राज्यपाल रह चुके हैं। उस दौरान उन्होंने संविधान का भी गहरा अध्ययन किया और राज्यपाल से लेकर राष्ट्रपति के अधिकारों को समझा और समझाया। ऐसे विद्वान उप राष्ट्रपति यदि न्यायपालिका पर ही कोई प्रश्न खड़ा कर रहे हैं तो उसके निहितार्थ समझने होंगे।

देश के संविधान के अनुसार राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट के अलग-अलग कार्य निर्धारित हैं! यदि नियमों की बात की जाए तो भारत में विधायिका का काम कानून बनाना है, कार्यपालिका उन कानूनों को लागू करती है और न्यायपालिका कानून की व्याख्या करती है और विवादों का निपटारा करती है। इन तीनों के ऊपर है भारत का राष्ट्रपति, इसलिए ही वह (राष्ट्रपति) संघ का प्रमुख है और विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की शक्तियां राष्ट्रपति में ही निहित बताई गई हैं। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति का अधिकार राष्ट्रपति के पास है। वह न्यायालय के सम्मान में ही सुप्रीम कोर्ट के कोलेजियम की सिफारिश पर ही न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं। राष्ट्रपति के पास यह शक्ति भी है कि वह किस न्यायाधीश को उसके पद से हटाएं अथवा नहीं, यानी कि न्यायाधीशों को उनके पद से समय पूर्व या किसी भी अन्य कारण से हटाने का अधिकार भी राष्ट्रपति अपने पास रखते हैं। जब देश में किस भी मामले में कानून संबंधी सवाल खड़े होते हैं तब भी राष्ट्रपति के पास यह अधिकार सुरक्षति हैं कि वह तय करेंगे कि देश को किस ओर ले जाना है, इसके लिए राष्ट्रपति अदालत को निर्देशित भी कर सकते हैं।

इतना सब होने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए मृत्युदंड के फैसले में सिर्फ राष्ट्रपति अपनी शक्ति का उपयोग कर अपराधी को क्षमादान दे सकते हैं। फिर राष्ट्रपति के पास तीनों सेनाओं का सुप्रीम कमांडर होने की भी शक्ति है। इस तरह देखें तो भारत के राष्ट्रपति की अपार शक्तियां हैं, जिन्हें किसी भी न्यायालय की सीमा में नहीं बांधा जा सकता, क्योंकि वह उससे भी ऊपर है। भारतीय संविधान कहता है कि राष्ट्रपति देश का सबसे बड़ा पद है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट न्यायपालिका की सबसे बड़ी इकाई होने के नाते देश के राष्ट्रपति को सलाह दे सकता है, लेकिन राष्ट्रपति सुप्रीम कोर्ट की सलाह को मानेंगे अथवा नहीं, यह राष्ट्रपति के विवेक पर छोड़ दिया गया है। यानी कि न्यायालय द्वारा दी गई किसी भी सलाह को मानना राष्ट्रपति के लिए स्पष्ट रूप से बाध्यकारी नहीं है।

जिस विधायिका और कार्यपालिका के माध्यम से चुने हुए जनता के प्रतिनिधि जनतंत्र को संचालित करने का काम करते हैं, आज न्यायालय उस पर ही कई तरह से अंकुश लगाने का काम कर रहा है। वास्तव में इसी का यह सबसे बड़ा उदाहरण है जिसमें कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में राष्ट्रपति और राज्यपालों को बिलों को मंजूरी देने की समयसीमा तय कर दी।

वस्तुतः इसी पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नाराजगी जताई है। उन्हें कहना पड़ा है कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। हम ऐसे हालात नहीं बना सकते जहां अदालतें राष्ट्रपति को निर्देश दें। अब भले ही अनुच्छेद 142 भारत के सुप्रीम कोर्ट को यह अधिकार देता हो कि वह पूर्ण न्याय (कम्पलीट जस्टिस) करने के लिए कोई भी आदेश, निर्देश या फैसला दे सकता है, चाहे वह किसी भी मामले में हो। पर उसे भी यह सदैव याद रखना चाहिए कि लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार सबसे अहम है और सभी संस्थाओं को अपनी-अपनी सीमाओं में रहकर काम करना चाहिए। कोई भी संस्था संविधान से ऊपर नहीं है।

-डॉ मयंक

> वे सही कह रहे हैं, कि भारत में राष्ट्रपति संविधान की रक्षा, संरक्षण एवं बचाव की शपथ लेते हैं, जबकि मंत्री, उपराष्ट्रपति, सांसदों और न्यायाधीशों सहित अन्य लोग संविधान का पालन करने की शपथ लेते हैं। ह्यहम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें और वह भी किस आधार पर संविधान के तहत आपके पास एकमात्र अधिकार अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करने का है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ आज जो राष्ट्रपति द्वारा विधेयकों पर निर्णय लिये जाने के वास्ते समयसीमा निर्धारित करने संबंधी उच्चतम न्यायालय के फैसले पर चिंता जता रहे है, वह वाकई गंभीर है। क्योंकि भारत ने ऐसे लोकतंत्र की कल्पना नहीं की थी, जहां न्यायाधीश कानून बनाएंगे। आश्चर्य है, राष्ट्रपति को समयबद्ध तरीके से फैसला करने के लिए कहा जा रहा है और यदि ऐसा नहीं होता है, तो संबंधित विधेयक कानून बन जाता है। धनखड़ पूछ रहे हैं, हम कहां जा रहे हैं देश में ये क्या हो रहा है हमारे पास ऐसे न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यपालिका का कार्य स्वयं संभालेंगे, जो ह्यसुपर संसदह्ण के रूप में कार्य करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता!

वे सही कह रहे हैं, कि भारत में राष्ट्रपति संविधान की रक्षा, संरक्षण एवं बचाव की शपथ लेते हैं, जबकि मंत्री, उपराष्ट्रपति, सांसदों और न्यायाधीशों सहित अन्य लोग संविधान का पालन करने की शपथ लेते हैं। ह्यहम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें और वह भी किस आधार पर संविधान के तहत आपके पास एकमात्र अधिकार अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करने का है उसके आधार पर।

फिर भी इसके लिए पांच या उससे अधिक न्यायाधीशों की आवश्यकता होती है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया है कि जब अनुच्छेद 145(3) तय हुआ था, तब सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या आठ थी, उसमें भी इस प्रकार के निर्णय के लिए पांच या उससे भी अधिक न्यायाधीशों की आवश्यकता होती है, पर अब तो 30 से ऊपर हैं, तब फिर समझलीजिए कि यदि इस तरह का कोई निर्णय न्यायपालिका को लेना हो तो कितने जज होने चाहिए पर जो फैसला तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने लिया है, और उसमें जिस तरह से राष्ट्रपति की शक्तियों को छोटा कर दिखाने का प्रयास हुआ है, वह कहीं से भी उचित नहीं ठहराया जा सकेगा।

लेटर टू एडिटर

स्वदेशी तकनीक

भारतीय स्वदेशी तकनीक की वैश्विक मांग बढ़ रही है। वंदे भारत ट्रेन जैसे उदाहरण ने इसे साबित किया है; इस ट्रेन की मांग कई देशों, जैसे चिली, कनाडा और मलेशिया, में बढ़ी है। इसकी मुख्य वजह भारत में इसका कम मूल्य है—वहीं अन्य देशों में ऐसी ट्रेनें 160 से 180 करोड़ में बिकती हैं, जबकि भारत में ये 120 से 130 करोड़ में उपलब्ध हैं। भारतीय निर्माण की गति भी बेहतर है। यह सब ह्यमेक इन इंडियाह्न के सपने को साकार कर रहा है।

-अमृतलाल मारू, रांची

जंग नहीं समाधान

इस्राइल ने गाजा और दक्षिणी लेबनान पर बड़े हवाई हमले किए, जिसमें हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाया गया। जिसने ही चल रहे संघर्ष को जन्म दिया। हिजबुल्लाह ने जवाब में उत्तरी इस्राइल में रॉकेट दागे, जिसमें हाइफा जैसे शहर शामिल थे। वैसे जंग किसी भी समस्या का हल नहीं है।

- रोहित शाह, हजारीबाग

ट्वीट

झारखंड भाजपा के सांसदों से उम्मीद है की वे हमारे इस जायज माँग को दिलवाने के लिए अपनी आवाज अवश्य बुलंद करेंगे।

झारखंड के विकास के लिए यह राशि नितांत आवश्यक है।

- हेमंत सोरेन सीएम

उत्तम चरित्र ही मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी है, क्योंकि धन संपदा आदि वसुधा के समस्त वैभव नैतिकता, सुसंस्कार एवं अच्छे चरित्र के अभाव में बेकार है। **- स्वामी अवधेशानंद गिरी**

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए नामांकन शुरू!

यदि आप किसी अद्वितीय प्रतिभाशाली बच्चे को जानते हैं जिसने पर्यावरण, बहादुरी, समाज सेवा, खेल, कला-संस्कृति या विज्ञान-प्रौद्योगिकी में उत्कृष्ट कार्य किया हो, तो उनका नाम जरूर नामांकित करें। -**अन्नपूर्णा देवी**

मातृभाषा से अन्य भाषा तक भारतीयता ही विशिष्ट पहचान

प्रशांत झा

भाषा

भाषाओं के माध्यम से एकता इस वर्ष के समारोह का मुख्य विषय है, जो भारत की सभ्यता की विशिष्ट पहचान है। अभी कुछ महीने पहले, 3 अक्टूबर, 2024 को, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने पाँच भाषाओं - मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला को शास्त्रीय भाषाओं का दर्जा देकर एक तरह का इतिहास रच दिया, इस प्रकार तमिल, संस्कृत, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और ओडिया जैसी पहले से मान्यता प्राप्त छह अन्य शास्त्रीय भाषाओं के दायरे का विस्तार किया। भारत की उत्कृष्ट भाषाई विरासत की गहन स्वीकृति के रूप में, यह घोषणा उन सभी लोगों के लिए अत्यंत गौरव की बात है जिनकी ये भाषाएं मातृभाषा है। लेकिन दक्षिण के राज्य तमिलनाडु से विरोध का स्वर आखिर क्यों?

भारत की विविध भाषाएँ भारतीयता की अभिव्यक्ति हैं और ये हमारी भारतीय ज्ञान प्रणाली का अभिन्न अंग हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुसार, सभी भारतीय भाषाएँ राष्ट्रीय भाषाएँ हैं और वे भारतीयता की आत्मा हैं और इसलिए सम्मान की पात्र हैं। भाषाई विविधता राष्ट्रीय एकता को मजबूत करती है और ह्यएक भारत श्रेष्ठ भारत के लक्ष्य को साकार करने में मदद करती है। इसलिए, प्रत्येक व्यक्ति को भाषाई गौरव को सम्मान की निशानी के रूप में धारण करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने वैश्विक मंच पर भी इसका उदाहरण दिया जब उन्होंने जोर देकर कहा, मैं संयुक्त राष्ट्र में भी गर्व के साथ भारत की भाषाएँ बोलता हूँ। यह कथन भारत की भाषाई विविधता को संरक्षित करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को स्पष्ट करता है और भाषाई गौरव के मूल्य को उजागर करता है।

भारत एक ऐसी भूमि है जहाँ न केवल अनेक भाषाएँ हैं, बल्कि एक दूसरे का सम्मान भी करती हैं। यह एक से अधिक भाषा के उत्कृष्ट इस्तेमाल का सटीक उदाहरण है। हमारी भाषाई विविधता एक समृद्ध, जटिल ताने-बाने का निर्माण करती है, जो हमारी राष्ट्रीय पहचान को एक साथ बुनती है और साथ ही देश की एकता को विविधता के बीच पोषित करती है। औपनिवेशिक शासन के दौरान इस सांस्कृतिक शक्ति को भारी नुकसान उठाना पड़ा। 2 फरवरी 1835 को, थॉमस बैबिंगटन मैकाले ने भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल को एक ज्ञापन प्रस्तुत किया, जिसे मैकालेज मिनट ऑन इंडियन एजुकेशन के रूप में जाना जाता है, जिसमें देशी भाषाओं पर अंग्रेजी को प्राथमिकता दी गई थी, जिसका उद्देश्य ब्रिटिश हितों के प्रति वफादार भारतीयों का एक वर्ग बनाना था, जो पीढ़ियों को उनकी सांस्कृतिक और भाषाई जड़ों से अलग कर रहा था। तब से, उपनिवेशवाद का दीर्घकालिक प्रभाव काफी लंबे समय तक रहा, जिसने हमारे सांस्कृतिक और भाषाई गौरव को गंभीर चोट पहुंचाई है।

भारत में भाषाई जनसांख्यिकी समृद्ध और विविध है, जिसमें से अस्सी प्रतिशत आबादी खुद को गैर-अंग्रेजी, मूल भाषा बोलने वालों के रूप में पहचानती है। गहन शिक्षा के मूल में मातृभाषा है। हमारी भाषाएं केवल संचार के उपकरण नहीं हैं - वे इतिहास, परंपराओं और लोककथाओं के भंडार हैं, जो पीढ़ियों के सामूहिक ज्ञान को संरक्षित करती हैं और एक अद्वितीय विश्वदृष्टि प्रदान करती हैं। रचनात्मकता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता से भरपूर बच्चे तब फलते-फूलते हैं जब उनकी शिक्षा उनकी मूल भाषा में शुरू होती है। अपनी मातृभाषा में एक प्राइमर घर से कक्षा तक एक निर्बाध पुल का निर्माण करता है, उन्हें 'मातृ' भाषा से 'अन्य' भाषा तक का मार्गदर्शन - बोलने से लेखन, शब्दावली से शब्दार्थ और भाषा से विषय की समझ में परिवर्तन करता है। जैसा कि रवींद्रनाथ टैगोर ने मार्मिक रूप से कहा था, ₹एक बच्चा पाठ्यपुस्तकों से नहीं, बल्कि अपनी माँ से बोलना सीखता है।ह्व मातृभाषा में शिक्षा बुनियादी समझ से लेकर जटिल विचार तक स्वाभाविक प्रगति को बढ़ावा देती है।

भारत की भाषाई विविधता बौद्धिक और सांस्कृतिक संपदा का खजाना है। कश्मीर की बर्फ से ढकी चोटियों से लेकर कन्याकुमारी के धूप से सराबोर तटों तक और कच्छ के बंजर विस्तार से लेकर कोहिमा की हरी-भरी पहाड़ियों तक, हमारी भाषाएँ हमारे लोगों को अंदर से जोड़ती हैं।

बच्चों को उनकी मातृभाषा में पढ़ाना न केवल उनकी विरासत से जुड़ाव को बनाए रखता है बल्कि उन्हें भविष्य के लिए तैयार भी करता है। मातृभाषा में एक मजबूत नींव रखकर, हम बच्चों को अधिक आसानी और समझ के साथ अन्य भाषाओं और विषयों में महारत हासिल करने के लिए सशक्त बना सकते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 ने इस दृष्टिकोण को पूरी तरह अपनाया है। अपनी भाषाई विरासत को पुनः प्राप्त करने की कोशिश करते हुए, एनईपी ने मातृभाषा को प्रारंभिक शिक्षा के केन्द्र में रखा है।

आधुनिक जीवन में ध्यान की आवश्यकता

गिरीश्वर मिश्र

धर्म-कर्म

ध्यान किसी तरह का धार्मिक उपक्रम नहीं है। यह बाहर से हट कर अंदर के अनुभवों को सम्बोधित करने वाला वैचारिक (रिफलेक्टिव) प्रयास है। एकाग्रता तथा अवगत या सचेत होना ही इसका मुख्य आधार है जो वर्तमान में बने रहने और मन की शांति को रेखांकित करता है। दरअसल आँख, कान, नाक, त्वचा आदि हमारे सभी संग्राहक बाहर की दुनिया से लगातार उद्दीपक लाते रहते हैं और उस सारी सामग्री की हमारे मन को व्याख्या करनी पड़ती है। हमारी आँखों से एकत्रित सूचनाओं की बाहर की दुनिया से मिलने वाली सम्पूर्ण सूचनाओं के करीब दो तिहाई भाग की हिस्सेदारी होती है। ये सारी सूचनाएँ हमारे चेतन मन पर असर डालती हैं। तनाव के क्षणों में मन अंदर और बाहर से पैदा होने वाले विचारों से जूझता है। ये विचार ध्यान पाने के लिए आपस में प्रतिद्वंदिता करते हैं और एक-दूसरे से टकराते भी हैं । सूचनाओं की बढ़ती मात्रा से सूचना का अतिभार पैदा होता है। तब अवधान की एकाग्रता घटने लगती है। एक साथ भारी संख्या में आते विचारों की अव्यवस्थित भीड़ का तनाव के अनुभव से बड़ा गहरा रिश्ता है। कहते हैं ध्यान का कार्य एक ब्लैकबोर्ड पर चाक से की गई सारी लिखावट को डस्टर से साफ करने जैसा होता है। ध्यान मानसिक कोलाहल हटा कर संतुलन लाने का काम करता है। सूचना और संचार की शब्दावली में कहें तो ध्यान करने से हमारी चेतना की बैंडविड्थ बढ़ जाती है।

ध्यान कई प्रकार का होता है। इसे सिर्फ विचार या कल्पना मान लेना ठीक न होगा। ध्यान के अंतर्गत आदमी सजग और सचेत होकर अपने भीतर की ओर गहन स्तर पर केंद्रित होता है। इसे आंतरिक ध्यानाकर्षण भी कह सकते हैं। ध्यान को मुख्यतः दो भागों में रखा जाता है। एकाग्र ध्यान तथा सचेत ध्यान इसके दो मुख्य प्रकार पहचाने गए हैं। एकाग्र ध्यान करने में किसी एक विचार पर अवधान (अटेंशन) को केंद्रित किया जाता है। इसके अंतर्गत किसी मंत्र, शब्द या ध्वनि पर अवधान केंद्रित करना सम्मिलित है। एकाग्र होने से मन भटकता नहीं है। ध्यान के फलस्वरूप होने वाले मुख्य अनुभवों में आंतरिक एकाग्रता, प्रशांति और सहज भाव मुख्य होते हैं। ध्यान में वर्तमान का सम्पूर्ण अनुभव होता है। भावातीत ध्यान भी इसी तरह का है जो पश्चिम में बड़ा लोकप्रिय हुआ। सचेत ध्यान (माइंडफुलनेस मेडिटेशन) में सभी आ रहे विचारों को स्वीकार किया जाता है और उनको नियंत्रित करने की कोई कोशिश नहीं की जाती है। बिना किसी निर्णय या भावनात्मक लगाव के उनको अनुभव किया जाता है। जेन ध्यान, विपश्यना, प्रेक्षा ध्यान, सहज ध्यान आदि कई प्रकार के ध्यान की परम्पराओं का विकास हुआ है।

वस्तुतः ध्यान से हमारी चेतना की दशा में बदलाव आता है। विस्तार में कहें तो देश और काल के अनुभव, वर्तमान की उन्मुखता, ग्रहणशीलता में वृद्धि और स्वयं को अतिक्रांत करने की वृत्ति जैसे बदलाव प्रमुखता से पाए गए हैं। कई अध्ययनों से पता चलता है कि ध्यान लगाने से जैविक शारीरिक स्तर पर अनेक परिवर्तन आते हैं। इनमें आक्सीजन की खपत में कमी, हृदय गति का धीमा होना तथा रक्तचाप कम प्रमुख हैं। ध्यान करने से मस्तिष्क में अल्फा तरंगें अधिक होती हैं।

ध्यान के लिए जरूरी है कि शांत स्थान पर आराम से स्थिर बैठने का अभ्यास किया जाए। तब श्वांस को सहज बना कर साक्षी भाव अपनाते हुए मन में आ-जा रहे विचारों की गुणवत्ता का परीक्षण किया जाता है। स्वीकार करने की मनोवृत्ति के साथ केंद्रित और अविचलित बने रहना ध्यान की बड़ी उपलब्धि होती है। कहते हैं कि ध्यान एक मानसिक झाड़ू जैसा होता है जो मन के सभी कोनों में सफाई कर देता है। ध्यान मन की स्थिति है जिसके लिए एकाग्रता का अभ्यास जरूरी होता है। वस्तुतः ध्यान हमारी चेतना का अंतरण है। यह एक व्यवस्थित और पद्धतिबद्ध प्रक्रिया है। अभ्यास के साथ शरीर, स्वांस, इंद्रियाँ और मन इन सभी पर हम क्रमशः केंद्रित होते चलते हैं। आमतौर पर योगासन, स्ट्रेचिंग, आराम (रिलैक्सेशन), श्वांसन अभ्यास के बाद ज्ञान मुद्रा के साथ सुखासन या पद्मासन में बैठ ध्यान किया जाता है। ऐसे में अहं को चेतना के केंद्र की ओर ले जाना सम्भव हो पाता है। शांति, आनंद, स्वतंत्रता ही हमारी मूल प्रकृति है। जीवन और मृत्यु, आगमन-प्रस्थान सरीखे होते हैं। आंतरिक विकास तथा आत्मा और स्व के प्रति जागरूकता ध्यान की श्रेष्ठ उपलब्धि है। ध्यान के सतत अभ्यास से तनाव का प्रतिरोध संभव होता है और मानसिक शांति की अवस्था में वृद्धि होती है। ध्यान से आनंद में वृद्धि तथा अनुभव में संतुष्टि, स्पष्टता और सजगता आती है। तब शरीर विश्रांत, मन केंद्रित और स्वास्थ्य अच्छा होता है। ध्यान का उपचारात्मक प्रभाव पड़ता है और अभ्यास करने वाला व्यक्ति आत्मनिर्भर और आंतरिक बल से सम्पन्न होता है।

ध्यान का अभ्यास करने के दौरान कई तरह की बाधाएँ आती हैं। ध्यान करने वाले को साक्षी भाव अपनाते हुए इन बाधाओं की उपेक्षा करनी चाहिए। चूँकि मन बड़ा चंचल होता है, ध्यान को लेकर अक्सर प्रतिरोध भी अनुभव किया जाता है जो निरंतर अभ्यास से नियंत्रित होता है। धीरे-धीरे ध्यान की अवधि और गहनता बढ़ाई जाती है। इसी जटिलता के कारण गुरु की आवश्यकता पड़ती है।

ध्यान समूहों और अन्य साधक जनों से सहायता ली जानी चाहिए। मन में स्वीकार की भावना के साथ अभ्यास लाभप्रद होता है। आधुनिक जीवन शैली जिस तरह सूचनाओं के प्रवाह से आक्रांत हो रही है उसमें हमारा अवधान न केवल खंडित हो रहा बल्कि उसकी अवधि संक्षिप्त और गहनता घट रही है। ऐसे में ध्यान का अभ्यास विद्यार्थियों, व्यवासाय में लगे लोगों सबके लिए महत्वपूर्ण होता जा रहा है। इसकी सहायता से हम जीवन की गुणवत्ता बढ़ा सकते हैं और देश व समाज को योगदान कर सकेंगे।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रधान संपादक
सौरभ कुमार
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

स्पीड न्यूज़

भुरकुंडा में सांसद के सौजन्य से कई बेटियों को मिला लहंगा

भुरकुंडा (रामगढ़)। सांसद मनीष जायसवाल द्वारा भेजे गए लहंगा रविवार को भाजपा नेताओं ने रिवर साइड चीफ हाउस पंचायत और चोरधरा पंचायत की जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर बहन-बेटियों के बीच वितरित किया। यह पहल न केवल सामाजिक सरोकारों की मिसाल बनी, बल्कि उपेक्षित वर्ग की महिलाओं के लिए सम्मान और स्नेह का प्रतीक भी साबित हुई। उहार स्वरूप मिले लहंगे पाकर लाभान्वित परिवारों के चेहरों पर प्रसन्नता झलक उठी और उन्होंने सांसद मनीष जायसवाल के प्रति गहरी आत्मीयता और आभार व्यक्त किया। वितरण कार्यक्रम को सफल बनाने में भुरकुंडा मंडल के सांसद प्रतिनिधि राकेश सिन्हा, मंडल अध्यक्ष सतीश मोहन मिश्रा, उपाध्यक्ष अमरेश सिंह, एससी मोर्चा के जिला प्रभारी जुगल नायक, मंत्री राजेश गुप्ता एवं राजू मल्होत्रा का विशेष योगदान रहा।

रजरप्पा मंदिर में उमड़ी भीड़

रजरप्पा। मॉं छिन्नमस्तिके मंदिर में रविवार को पूजा अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। पूजा करने वाले भक्तों की आस्था को कड़ी धूप भी डिगा नहीं पाई। श्रद्धालु अहले सुबह से ही मां भगवती के दरबार में पहुंचने लगे थे। झारखंड सहित बिहार, यूपी, बंगाल, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु यहां पहुंचे हुए थे। विभिन्न प्रांतों से मां भगवती के दरबार में पूजा अर्चना आए श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। पूजा-अर्चना के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे हुए थे। लोग पूजा के लिए दामोदर-भैरवी संगम में स्नान कर हाथों में पूजा की थाली लिए अपनी बारी का इंतजार करते देखे गए। बारी आने पर मंदिर में प्रवेश कर मां की पूजा अर्चना उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान मंदिर के पुजारी छोटू पंडा एवं सुबोध पंडा ने कहा कि धार्मिक मान्यता के अनुसार ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति सप्तमी के दिन पूजा अर्चना करने से सूर्य देव की कृपा प्राप्त होती है। जिससे उसके जीवन में तरक़्क ी और सुख शांति बनी रहती है।

विस्थापित विकास समिति की बैठक

भुरकुंडा (रामगढ़)। मां पंच बहिनी मंदिर प्रांगण में रविवार को लबगा विस्थापित विकास समिति की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता लखन मुंडा और संचालन रंजीत यादव ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि एनटीपीसी प्रबंधन लबगा गांव को विस्थापित गांव की सूची में शामिल करने के संबंध में वार्ता नहीं करता है, तो समिति चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगी। जिसकी सारी जवाबदेही एनटीपीसी प्रबंधन की होगी। बैठक में मौजूद सदस्यों ने कहा कि लबगा गांव पर परियोजना का सीधा प्रभाव पड़ा है। इसके बावजूद उसे अब तक विस्थापित गांव का दर्जा नहीं दिया गया है। यह न सिर्फ अन्याय है बल्कि ग्रामीणों के अधिकारों का खुला उल्लंघन भी है। समिति ने ह्यहक नहीं तो पानी नहींह्ण का नारा देते हुए अपने संघर्ष को तेज करने का संकेत दिया। साथ ही ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि वे अपने अधिकारों की लड़ाई शांतिपूर्ण लेकिन दृढ़ता के साथ लड़ेंगे। जब तक न्याय नहीं मिलता तब तक संघर्ष जारी रहेगा। बैठक में रामेश्वर गोप, सुरेश गोप, अविनाश तुरी, सुनील मुंडा, दीपक साव, दीपक मुंडा, विकास साव, विकास प्रेम, रौनक, अजीत, विशाल, अभिषेक, उमेश, निशांत सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

सेवा मंच ने गरीबों को कराया भोजन

भुरकुंडा (रामगढ़)। राष्ट्रीय सेवा ने प्रत्येक सप्ताह की भांति इस रविवार को भी साप्ताहिक हाट भुरकुंडा में दुर-दराज ग्रामीण क्षेत्रो से दातुन-पत्तल बेचने आने वाले गरीबों के बीच भोजन का वितरण किया। मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह और सदस्यों द्वारा लगभग 150 गरीब-जरूरतमंद महिला-पुरूष और बच्चों के बीच पुरी-सब्जी का वितरण किया गया। मौके पर मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह ने कहा कि गरीबों की सेवा सबसे बड़ा पूण्य कार्य है। ऐसे नेक कार्यों में सबों को तन-मन-धन से सहयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि जन सहयोग के माध्यम से पिछले 9 वर्षो से मंच द्वारा गरीबो को भोजन कराया जाता रहा है, जो आगे भी जारी रहेगा। अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि गरीबों की सेवा ही मंच उद्देश्य है। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह, उमाशंकर जायसवाल, उदयभान डूबे, सूरज शर्मा, बारीक अंसारी, रामशरण गिरी, मुस्कान परवीन, लखन राम, मो. शाहिद सहित कई लोगों का विशेष योगदान रहा।

जीएम अजय सिंह हुये सम्मानित

भुरकुंडा (रामगढ़) ।वरिष्ठ नागरिक मंच भुरकुंडा के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंच के अध्यक्ष अशोक कुमार चौहान के नेतृत्व में शनिवार को बरका सयाल के महाप्रबंधक अजय सिंह से भेंट की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने श्री सिंह को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और भुरकुंडा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। इस दौरान मंच ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक स्थायी कार्यालय की मांग रखी गई। जिस पर महाप्रबंधक श्री सिंह ने आश्वस्त करते हुए कहा, कि मैं हमेशा आप लोगों के साथ हूं। यह भेंट क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक सकारात्मक पहल के रूप में देखी जा रही है, जिससे भविष्य में और भी सहयोगात्मक प्रयासों की उम्मीद जताई जा रही है। प्रतिनिधिमंडल में अशोक कुमार चौहान के अलावा प्रमजीत सिंह धामी, के.पी. मुखर्जी, प्रवीर चैटर्जी, प्रवीन शर्मा, ओम प्रकाश सिंह, अशोक कुमार मिश्रा सहित अन्य वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे।

हजारीबाग में सरकारी योजनाओं की चमक फीकी

आत्मनिर्भरता की राह में अब भी जुझती महिलाएं

अभय कुमार सिंह

हजारीबाग। सरकारें महिला सशक्तिकरण की दिशा में करोड़ों रुपये खर्च कर रही हैं। ह्लबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्व से लेकर ह्लमुद्रा योजनाह्व और ह्लस्वयं सहायता समूहह्व जैसे कार्यक्रमों का ढिंढोरा पूरे देश में पीटा जा रहा है। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। हजारीबाग ज़िले के कई गांवों में महिलाओं की स्थिति अब भी दयनीय बनी हुई है। आत्मनिर्भरता उनके लिए अब भी एक सपना है।

इचाक प्रखंड की गीता देवी (35) बताती हैं, हम लोग महिला समूह में जुड़ना चाहते हैं लेकिन कोई मार्गदर्शन नहीं मिलता। दो बार आवेदन किया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। गीता जैसी सैकड़ों महिलाएं आज भी घर की चारदीवारी में सीमित हैं, जबकि उनमें हुनर है, कोई सिलाई जानती है, कोई अचार बनाना, कोई बुनाई। लेकिन ये हुनर बाजार तक नहीं पहुँच पा रहे। बिजली, इंटरनेट और साक्षरता की कमी इस स्थिति को और गंभीर बनाती है। कई इलाकों में तो अभी तक महिलाओं को ये भी नहीं पता कि उनके लिए सरकार क्या योजनाएं चला रही है। वहीं, जिन गांवों में कुछ महिलाएं स्वयं सहायता समूह से जुड़ी भी हैं, उन्हें कागजी कार्यवाही और बैंक की तकनीकी प्रक्रिया के कारण काफी परेशानी होती है। हजारीबाग के सामाजिक कार्यकर्ता व नव झारखण्ड फाउंडेशन के केंद्रीय अध्यक्ष किशोरी राणा कहते हैं कि महिला सशक्तिकरण सिर्फ कागजों में नहीं होना चाहिए। योजना बनती है, लेकिन जमीनी स्तर पर न सही प्रशिक्षण है, न निगरानी। पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान जरूरी है। राज्य सरकार की ह्यमइंया सम्मान, किशोरी समृद्धि योजना और पलाश, महिलाओं के लिए बहुत ही अच्छी योजनाए हैं। ये योजनाए भी कई गांवों में केवल पोस्टर तक सिमट कर रह गई है। कुछ पंचायतों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल तो की गई, लेकिन वह टिकाऊ नहीं हो पाई। जरूरत है कि इन योजनाओं को केवल शुरूआत कर के छोड़ न दिया जाए, बल्कि गांव-गांव तक पहुँचाकर महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाए, उन्हें बाजार से जोड़ा जाए और उनकी कमाई को स्थायी रूप दिया जाए। जब तक नीति और नियत में अंतर रहेगा, तब तक ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता की राह में मुश्किलें बनी रहेंगी।

कुओं पर ताले, हैंडपंप बेदम

गर्मी की दस्तक ने खोली हकीकत

खबर मन्त्र संवाददाता

इचाक प्रखंड के तिलरा गांव में ग्रामीणों ने निजी कुओं में लगाया ताला।

हजारीबाग। गर्मी अभी आई ही है, लेकिन असर ऐसा कि आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो चुका है। महज दो दिनों की तीखी धूप और चिलचिलाती गर्मी ने लोगों को पसीने-पसीने कर दिया है। हालत यह हो गई है कि पानी के लिए हाहाकार मच गया है, गांव से लेकर शहर तक हर जगह बूंद-बूंद को तरसने की नौबत आ गई है। हजारीबाग जिले के इचाक प्रखंड अंतर्गत तिलरा गांव की स्थिति भयावह हो चली है। पानी की भारी किल्लत के कारण अब ग्रामीणों ने अपने प्राइवेट कुओं में ताले लगाना शुरू कर दिया है। हर घर में पानी की चिंता अब रोजमर्रा की समस्या बन चुकी है। कुओं और चापाकलों के आसपास लंबी लाइनें दिखाई देने लगी हैं, लेकिन उम्मीद टूटती नजर आ रही है।

इधर शहर की हालत भी कुछ खास अलग नहीं है। जगह-जगह लगे हैंडपंपों ने दम तोड़ दिया है। सैकड़ों हैंडपंप पानी देना बंद कर चुके हैं, जिससे शहरी इलाकों में रहने वाले लोगों के सामने भी पानी की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। नगर निगम की ओर से अब तक कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। तिलरा निवासी बबिता कुमारी ने बताया कि कुएं से पानी भरने के लिए अब अनुमति लेनी पड़ती है। पहले सभी के लिए खुले रहते थे, लेकिन अब ताले लटक रहे हैं। हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं।

वहीं, शहर के वार्ड नंबर 13 के रहने वाले संजय कुमार कहते हैं, हैंडपंप कब से खराब पड़ा है, किसी ने सुध तक नहीं ली। पीने का पानी खरीदना अब मजबूरी बन गया है। अगर दो दिन की गर्मी में ही सिस्टम दम तोड़ दे, तो मई-जून की प्रचंड लू में क्या हाल होगा? प्रशासन अभी भी नींद में है या किसी चमत्कार का इंतजार कर रहा है? आने वाले दिनों में अगर तत्काल समाधान नहीं निकाला गया, तो पानी को लेकर हालात और भी विकराल हो सकते हैं। गांव हो या शहर, हर जगह पानी अब सोने से भी कीमती होता जा रहा है। जहां जिंदगी की रफ्तार पानी से तय होती है, वहां प्यास एक त्रासदी बनती जा रही है।

आरसीएमयू का कुजू क्षेत्रीय कमिटी गठित

कुजू। राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के कुजू क्षेत्रीय कमिटी गठन को लेकर यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष सह बेरमो विधायक कुमार जय मंगल सिंह ने पत्र जारी कर कुजू क्षेत्रीय अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा व क्षेत्रीय सचिव के रूप राजकुमार ठाकुर का मनोनयन किया है। वही कार्यकारी अध्यक्ष टीरु मांझी, सत्येंद्र नारायण सिंह, उपाध्यक्ष मोहम्मद अफजल, मोहम्मद आसिन अंसारी, सुधीर कुमार सिंह, सह सचिव हेमंत सिंह, रॉयल मांझी, जेके जॉन, कोषाध्यक्ष राम रतन सिंह का चयन किया है । कार्यकारिणी सदस्यों में बूटी तिवारी, जगदीश कुमार चौहान, गौतम कुमार सिंह, अजीत कुमार लिंडा, जुगल किशोर महतो, मोहम्मद आसिम अंसारी, अविनाश सिंह, देवो महतो, सुचिता कुमारी, अशोक साहू, मनवा भुइयां, जीतू प्रजापति, अनंत कुमार, सुदेश उरांव, तुलेश्वर प्रजापति, वासुदेव मांझी, महादेव भुइयां, संजय सिंह, कुमार महतो, अभिषेक सिंह, सुरेंद्र नोनिया, जितेंद्र नोनिया, अशोक सिंह, धीरेंद्र सिंह, रीना सिंह, जानकी भुइयां, कामेश्वर गंझू, संतोष टंडन, इनामुल, अनिल सिंह, शंकर मुंडा, सिराज अंसारी, इंदल सिंह, पवन ओझा, विनय सिंह, संजय घोषाल शामिल है।

कई कार्यों को लेकर सांसद से मिला भाजपा का प्रतिनिधिमंडल

कुजू। सांसद मनीष जायसवाल से भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को मिला। प्रतिनिधिमंडल रामगढ़ नगर परिषद अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि मनोज गिरी के नेतृत्व में नगर परिषद क्षेत्र के प्राचीन शिव मंदिर टूटी झरना के विकास कार्य कराने का मांग किया। कहा कि मंदिर परिसर के चारों तरफ पेवर्स ब्लॉक लगाने, डीप बोरिंग एवं जल मीनार का निर्माण कराने, हाई मास्क लाइट लगाने, चेकडैम के दोनों तरफ लाइट का लगाने, 5 मंदिर परिसर से लेकर रेफरल अस्पताल तक सड़क के दोनों तरफ लाइट लगने, रेफरल अस्पताल के पास तोरणद्वार का निर्माण कराने, पार्किंग की व्यवस्था कराया जाए। मौके पर मनोज गिरी, आनंद बेदिया, संत राज पासवान, सुनील प्रसाद साहू, अर्जुन यादव, रामसहाय बेदिया, सुरेश गिरी, पिंटू कुमार पटवा, दिलेश्वर कुशवाहा, सुनीता रविदास, संगीता देवी, विनोद प्रसाद समेत अन्य लोग शामिल थे।

वाटर पार्क में 300 बच्चों ने की मस्ती

भुरकुंडा (रामगढ़)। श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा के करीब तीन सौ विद्यार्थियों ने रांची स्थित वाइल्ड वादी वाटर पार्क का भ्रमण किया। बच्चों ने स्विमिंग कॉस्ट्यूम में वाटर पार्क में भरपूर मस्ती की। बच्चों ने वाटर स्लाइडिंग, वेभ पुल, रेन डांस, जिप लाइन, बर्ड पार्क, पेंडुलम, क्रिकेट सिमुलेशन, नेट जंपिंग, ट्रमपोलिन, गेम जोन, गायरो, भूल भुलैया का घंटो तक आनंद उठाया। साथ ही विभिन्न फिल्मी गीतों पर डांस भी किया। वाटर पार्क में कई प्रतियोगिता जीतने वाले बच्चों को उपहार भी मिला। स्कूल के निदेशक प्रवीण राजगढ़िया ने कहा कि जो खुशी बच्चों को अपने दोस्तों के साथ आम पब्लिक प्लेस में घूमकर और मौज-मस्ती करके मिलती है।

जमीन विवाद में पौत्र ने की दादा की हत्या, पांच घायल

कटकमसांडी। जमीन विवाद को लेकर कटकमसांडी थाना क्षेत्र के होरिया गांव में शनिवार शाम हिंसक झड़प हो गई, जिसमें वृद्ध सेवा महतो की हत्या कर दी गई। खूनी संघर्ष में दोनों पक्षों के पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के दौरान जब परिवार के बीच जमीन बंटवारे को लेकर विवाद बढ़ा, तो सेवा महतो बेटों और पोते-पोतियों को समझाने पहुंचे। लेकिन पौत्र सुधीर प्रसाद मेहता ने पहले दादा-दादी पर हमला किया और फिर पिकअप वाहन चढ़ाकर सेवा महतो की हत्या कर दी। घायल विमली देवी सहित परमेश्वर प्रसाद मेहता, प्रमोद प्रसाद मेहता, मनोज प्रसाद मेहता और लालजी प्रसाद मेहता को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही कटकमसांडी पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सेवा महतो कोलियरी से सेवानिवृत्त थे और उन्होंने परिवार के लिए दोमंजिला मकान भी बनवाया था, लेकिन उसी परिवार में बंटवारे को लेकर हिंसा में उनकी जान चली गई। घटना ने गांव में सनसनी फैला दी है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सेना और झारखंड पुलिस का सिनर्जी कान्क्लेव आयोजित

एजेंसी

सेना व पुलिस के तालमेल से देश को सेवा करने में मिलेगी मदद : मेजर जनरल भारद्वाज

रामगढ़। मुख्यालय झारखंड और बिहार सब एरिया के तत्वाधान के तहत पंजाब रेजिमेंटल सेंटर रामगढ़ कैंट में झारखंड पुलिस के साथ शुक्रवार को को इंटर-एजेंसी सहयोग को गहरा करने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक पहल के तहत, एक सिनर्जी कान्क्लेव का आयोजन किया गया । यह कार्यक्रम दोनों बलों के बीच आपसी सूझ-बुझ, संयुक्त प्रशिक्षण पहलुओं और मधुर संबंध स्थापित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम था। इस सम्मेलन में सेना और झारखंड पुलिस के प्रतिनिधि मंडल ने भाग लिया ।जिसमें दोनों बलों के सीनियर अधिकारी शामिल थे। सेना का प्रतिनिधित्व मेजर जनरल विकास भारद्वाज, वीएसएम जनरल ऑफिसर कमाँडिंग, झारखंड और बिहार सब एरिया ने किया। पुलिस का प्रतिनिधित्व डीजीपी अनुराग गुप्ता ने किया ।मेजर जनरल विकास भारद्वाज, वीएसएम जनरल ऑफिसर कमाँडिंग, झारखंड और बिहार सब एरिया ने चर्चा के दौरान, दोनों बलों के बीच ऑपरेशनल सहयोग और संयुक्त प्रशिक्षण पहलुओं कर विशेष जोर दिया। उन्होने इस तथ्य पर जोर दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा कि उभरती प्रकृति के लिए एक सहयोगी और अनुकूली दृष्टिकोण कि आवश्यकता है और नियमित बातचीत, संयुक्त प्रशिक्षण मोडयूल और ज्ञान साझा करने के माध्यम से संस्थागत तालमेल के मजबूत करने से दोनों संगठनों को राष्ट्र की अधिक प्रभावी ढंग अब सेवा करने में मदद मिलेगी। उन्होने इस तथ्य पर जोर दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा कि उभरती प्रकृति के लिए एक सहयोगी और अनुकूली दृष्टिकोण कि आवश्यकता है और नियमित बातचीत, संयुक्त प्रशिक्षण मोडयूल और ज्ञान साझा करने के माध्यम से संस्थागत तालमेल के मजबूत करने से दोनों संगठनों को राष्ट्र की अधिक प्रभावी ढंग अव सेवा करने में मदद मिलेगी। अनुराग गुप्ता ने इस तरह के आयोजनों के लिए भारतीय सेना की पहल की सराहना की और इस बात पर जोर दिया कि पुलिस सैनिकों (सेवारत और सेवानृवित) द्वारा राष्ट्र के प्रति की गयी निःस्वार्थ सेवा के लिए सर्वोच्च सम्मान देती है। उन्होंने पुलिस कर्मियों के लिए सेना के साथ आवश्यक अल्पकालिक अनुलग्नकों की संभावना को रेखांकित किया ताकि उन्हे बेहतर अनुभव प्रदान किया जा सके। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य के पुलिस अधिकारी द्वारा सैनिकों के साथ की गयी मारपीट पर अफसोस है । पुलिस ऐसे गलतकाम करने वाले अधिकारियों से तुरंत और उचित तरीके से निपटती है। ऐसी घटनाओं की पुनरावृति से बचने के लिए, उन्होने संयुक्त प्रशिक्षण कैप्सुल के महत्व और पुलिस कर्मियों के लिए सेना प्रशिक्षण प्रतिष्टनों के साथ कम समय के लिए संलग्न होने की संभावना को रेखांकित किया, ताकि उन्हे बेहतर अनुभव और समझ मिल सके।

एक नजर में

गाड़ीसाड़म : तालाब से मिला मासूम का शव

दारू। कबलासी पंचायत के गाड़ीसाडम गांव में शुक्रवार को तालाब में डूबे 10 वर्षीय शक्ति कुमार का शव 72 घंटे बाद रविवार शाम ग्रामीणों ने बरामद किया। इससे पहले लगातार प्रशासन को सूचना देने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे आक्रोशित ग्रामीणों ने खुद तालाब की तलाशी जारी रखी। शक्ति कुमार, स्व. राजेश राणा का पुत्र था। 18 अप्रैल की शाम वह अपनी बड़ी बहन श्रद्धा के साथ तालाब की ओर गया था। श्रद्धा कपड़े धो रही थी, उसी दौरान खेलते हुए शक्ति का पैर फिसल गया और वह तालाब में डूब गया। यह देखकर घबराई बहन किसी को कुछ बताए बिना घर लौट आई। जब देर शाम तक शक्ति घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसे ढूंढना शुरू किया। रातभर ग्रामीण और परिजन खोजबीन में जुटे रहे, लेकिन सफलता नहीं मिली। अगले दिन परिजनों ने दारू थाना में लिखित सूचना दी। थाना प्रभारी शफीक खान, अंचल अधिकारी राम बालक कुमार और बीडीओ हारून रशीद घटनास्थल पर पहुंचे। एनडीआरएफ को भी सूचित किया गया, लेकिन टीम गुमला में होने के कारण घटनास्थल पर पहुंचने में देर हुई। इस बीच, ग्रामीण लगातार खुद ही तालाब की तलाशी लेते रहे। रविवार शाम को जब प्रशासनिक टीम और एनडीआरएफ मौके पर पहुंची, उससे पहले ही शव पानी की सतह पर आ गया था। ग्रामीणों ने बिना देरी किए शव को बाहर निकाल लिया।

गोरहर में श्रीमद्भागवत ज्ञान महायज्ञ शुरू

बरकट्ठा। गोरहर में रविवार को श्री श्री 108 श्री राधा-कृष्ण प्राण प्रतिष्ठा सह श्रीमद्भागवत ज्ञान महायज्ञ का विधायक अमित यादव ने उद्घाटन किया। विधायक ने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल आध्यात्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण होते हैं, बल्कि यह हमारी सनातन संस्कृति और परंपराओं को भी मजबूती प्रदान करते हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उन्हें इस पावन आयोजन में भाग लेकर आत्मिक शांति और दिव्यता की अनुभूति हुई। श्री यादव ने यज्ञ समिति के पदाधिकारियों, ग्रामवासियों और सभी सहयोगियों को इस अनुकरणीय आयोजन की सफलता हेतु बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज में एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण करते हैं, जिससे सामाजिक एकता और भाईचारे को भी बल मिलता है।

विष्णुगढ़ में पशु सखी प्रशिक्षण संपन्न

विष्णुगढ़। प्रखंड में 16 से 20 अप्रैल तक जन जागरण केंद्र हजारीबाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय पशु सखी प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य महिला किसानों की आय में सतत वृद्धि करना और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना था। प्रशिक्षण में विष्णुगढ़ के 11 गांवों के लगभग 2000 किसानों को उन्नत कृषि, बकरी व मुर्गी पालन, उच्च गुणवत्ता वाले बीज, और आधुनिक पशुपालन तकनीकों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान द गोट ट्रस्ट, लखनऊ से आए प्रशिक्षक मानिक कुमार चौधरी ने बकरी पालन प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी दी। प्रतिभागियों को प्रजनन, आहार, स्वास्थ्य प्रबंधन, पशु आहार निर्माण, टीकाकरण, कृमिनाशक, प्राथमिक उपचार और घरेलू औषधीय विधियों जैसे पचपन प्रास, पचमोला, निम् तेल तैयार करने की जानकारी दी गई। परियोजना निदेशक अजय कुमार सिंह ने बताया कि यह पहल ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम है। परियोजना प्रबंधक कमलेश मिश्रा ने कहा कि नियमित टीकाकरण और इलाज से पशुपालकों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सकता है। कार्यक्रम में कई ग्रामीण महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बरही में पलटी स्कार्पियो, तीन युवक घायल

बरही। बेलगोड़ा पहाड़ी के पास शुक्रवार रात ओरपरता मार्ग पर स्कार्पियो अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे ट्रेंच में गिरकर पलट गई। जिसमें स्कार्पियो पर सवार बरही पौड़ेया गांव का 30 रंजीत यादव, 25 वर्षीय किशोर यादव व 22 वर्षीय दीपक यादव घायल हो गया। जिनका ईलाज बरही अनुमंडल अस्पताल में किया गया। स्कार्पियो बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं स्कार्पियो पलटी करते ही उसका एयरबैग खुल गया, जिसके कारण चालक व आगे बैठा युवक को राहत मिली।

बरही में हाथियों ने घर व स्कूल को किया क्षतिग्रस्त

बरही। बेहराबाद और तेतरिया भंडारों गांव में शनिवार रात जंगली हाथियों के एक झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। करीब 25-30 हाथियों का यह झुंड जंगल से निकलकर गांवों में घुस आया, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया है। तेतरिया भंडारों में हाथियों ने स्कूल की खिड़की तोड़कर दो क्विंटल मध्याह्न भोजन का चावल खा लिया और आंगनबाड़ी केंद्र की चहारदीवारी को भी नुकसान पहुंचाया। वहीं बेहराबाद गांव में हाथियों ने एक दलित परिवार के घर को तोड़ दिया, घर में रखा सारा खाद्यान्न व सामान बर्बाद कर दिया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी, जिसके बाद अधिकारी और वनकर्मी मौके पर पहुंचे। उन्होंने हाथियों को भगाने की कोशिश की, लेकिन झुंड के आकार के आगे वनकर्मी कम पड़ रहे हैं। हाथियों का समूह कई भागों में बंटकर आसपास के जंगलों में डेरा जमाए हुए है। फिलहाल हाथियों को भगाने के लिए वन विभाग की टीम लगातार प्रयासरत है और स्थिति पर नजर बनाए हुए है। वन विभाग ने ग्रामीणों से सतर्क और सुरक्षित रहने की अपील की है।

केरेडारी में हाइवा ने युवक को रौंदा, मौत

केरेडारी। केरेडारी में रविवार को एनटीपीसी केडी परियोजना से कोयला ढुलाई कर रही ओएसएल कंपनी के हाइवा ने बाइक सवार युवक को कुचल डाला। मृतक विकास कुमार (40), निवासी अबेड़कर मोहल्ला, पांडू, बीजीआर कंपनी में काम करता था और ड्यूटी से लौट रहा था। हाइवा (खल्ल 02 इर 0113) की टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक को कुछ दूर तक घसीटते हुए ले गया, जिससे उसकी कमर और पेट फट गया। घटना के बाद हाइवा चालक वाहन समेत भाग निकला, लेकिन एनटीपीसी के गेट पर बैरियर तोड़ते हुए वाहन में आग लग गई और हाइवा पूरी तरह जलकर खाक हो गया। पुलिस पिकेट से महज 1500 मीटर की दूरी पर आग बुझाने के कोई प्रयास नहीं किए गए। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने ट्रांसपोर्टिंग कंपनी ओएसएल पर सुरक्षा व्यवस्था में घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए 2:30 बजे से सड़क जाम कर दिया। उन्होंने मुआवजा, नौकरी और कंपनी के वाहनों पर प्रतिबंध की मांग की। मृतक विकास अपने पीछे पत्नी कविता देवी, दो बेटे और एक बेटी समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ गया है। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। बड़कागांव एसडीपीओ पवन कुमार मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी गई है।

1008 स्वामी शिवधर्मानंद: ज्ञान-भक्ति के अद्धितीय स्तंभ

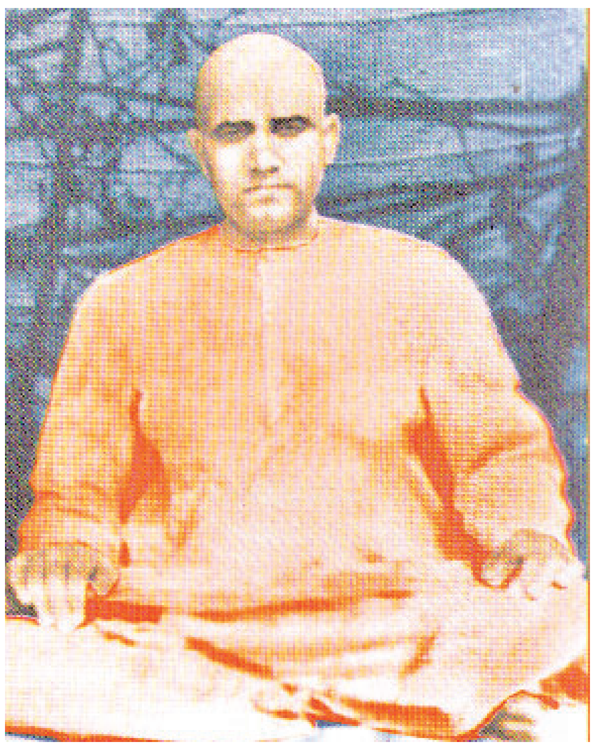

यह तस्वीर 1949 की है जब स्वामी जी गढ़वा घाट आश्रम काशी से छोटका राजपुर गांव बक्सर पघारे थे। वहां उन्होंने एक मढ़ई लगायी थी। छोटका राजपुर गांव निवासी विनेश्वरी सिंह ने यह तस्वीर ली थी।

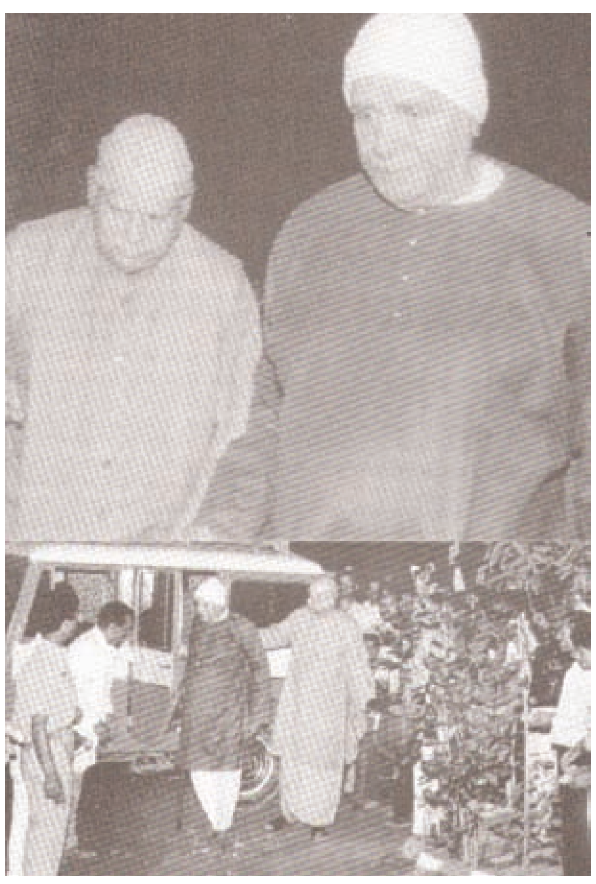

टेकारी, गया जिला बिहार स्थित ब्रम्हा विद्यालय आश्रम पर स्वामी जी और महात्मा दर्शनानंद। मगध में तत्वज्ञान का बड़ा केन्द्र बना है।

स्वामी शिवधर्मानंद: जिनके सानिध्य में जानने के लिये कुछ शेष नहीं रह जाता था

भारत पुण्य भूमि पर संतो की परम्परा रही है। इसी परम्परा में एक ऐसे तत्व ज्ञानी महापुरुष आये जिनके बारे में कुछ भी कहा जाए या कुछ भी लिखा जाए वह कम होगा। ज्ञान मार्तण्ड करुणा सागर पूर्ण संत श्री श्री 1008 श्री स्वामी शिवधर्मानंद जी महाराज परमहंस जी 1907 में धरा पर आये। 20 मार्च 1999 को ब्रह्मलीन होने तक वे भक्ति के प्रचार और समाज के कल्याण के लिये क्षण भर रुके बिना काम करते रहे।

आरंभिक जीवन

काशी के चन्दौली जनपद में मुख्यालय से लगभग 6 किमी दूर खुरुहुंजा नाम का गांव है। गांव में भक्ति के साथ साथ शक्ति को लेकर लोगों में सजगता है। ब्रत त्योहार के साथ इस गांव के युवा कुश्ती का शौक भी रखते थे। इसी गांव में पंडित रामउग्रह तिवारी उर्फ बड़का तिवारी और धर्मपत्नी मोरवंशी देवी के परिवार में बसंत पंचमी के दिन इनका जन्म हुआ। इनका नामाकरण देवशंकर हुआ। आरंभिक जीवन में इन्हें नारायण बनिया के परिवार ने भी जो निसंतान ने अपना पुत्र मानकर प्रेम किया। मां मोरवंशी ने कहा कि मैं चाहती हूं कि देवशंकर पूरी दुनिया के अपने हो। खुरुहुंआ में एक कहावत प्रचलित थी ***मर्द खुरुहुंजा पंजा तोड़***। हनुमान जी बल पौरूष बाला यह गांव पूर्ण धार्मिक वातावरण वाला था। गांव के प्राथमिक विद्यालय में अध्ययन के क्रम में आपकी वुद्धि अति कुशाग्र थी। बचपन में ही ये जिज्ञासु थे और सवाल करते की भगवान कौन हैं? कहां रहते हैं? हम कौन हैं? पूछने पर बताया जाता - भगवान खोजी होने पर मिल जाते हैं। तप तपस्या भजन ध्यान करने पर प्रगट हो जाते हैं। मन में विचार उठता पृथ्वी पर राम- कृष्ण तो कभी धरती पर मौजूद थे और उस जमाने के लोगों को उनका सानिध्य प्राप्त था। बालक देवशंकर का मन दृढ़ हो चला- मुझे भी साक्षात शरीर वाले भगवान चाहिए, मूर्ति या चित्र वाले नहीं। उन्हें किशोरावस्था में एक परम धार्मिक व्यक्ति बैकुंठनाथ सिंह ने बताया कि ब्रह्म ज्ञान होने पर ईश्वर को जान लिया जाता है। सिंह जी सवा लाख राम नाम जपने के बाद ही भोजन ग्रहण करते थे। उन्होंने बताया कि इसके लिये समर्थ गुरु की आवश्यकता होती है। बैंकुठनाथ सिंह जी जो खुरुहुंजा गांव ही थे जो बाद में गढ़वा घाट काशी से स्वामी जी बने।

सन्यास

1930 में देवशंकर तिवारी की उम्र 23 वर्ष की थी। गढ़वा घाट आश्रम काशी का निमार्ण कार्य चल रहा था। उन्होंने भी भकड़ेंवाले कुटी पहुंचकर सन्यासी बन गये और योग पट दिया गया शिवधर्मानंद। 1935 में सदगुरु स्वरूपानंद महाराज नांगली चले गये। गुरुवाणी हुई अब मेरे यहां आने की आवश्यकता नहीं है। अब गढ़वा घाट काशी के महात्मा ही आपके गुरु होंगे। गुरुग्रंथ साहब में लिखा है। वाणी गुरु है गुरु है वाणी बीच वाणी अमृतसार है। गुरुवाणी कहे सेवक जान माने प्रतीत गुरु निस्तार।

गढ़वा घाट आश्रम का निमार्ण शीरकरहिया गांव में गंगा किनारे चल रहा था। महात्मा शिवधर्मानंद, महात्मा हरशंकरानंद,महात्मा हरसेवा नंद मुख्य महात्मा थे। स्वामी शिवधर्मानंद जी साइकिल से घूमते और सत्संग करते थे। इन्होंने शंका समाधान केन्द्र का एक बोर्ड लगा दिया था जिसकी चर्चा चारो ओर थी। बक्सर के समीप सिमरी प्रखंड में स्थित छोटका राजपुर गांव के लोग गढ़वा घाट आश्रम के शिष्य थे। उनके आग्रह पर स्वामी जी को पालकी से लाया गया। कुछ समय बाद राजपुर में आश्रम निमार्ण की मांग रखी गयी। यह यूपी के बलिया और बिहार के बक्सर का इलाका था जहां काफी विवाद होता था। इसका निदान के लिये नेहरू जी ने त्रिवेदी आयोग बनाया। एसएम त्रिवेदी मद्रास हाई कोर्ट के सेवा निवृत जज थे उन्होंने पिलर से इसे निर्धारित किया।

स्वामी जी ने गांव के लोगों द्धारा प्रदत भूमि पर आश्रम बनाया। भक्ति का प्रचार आंरभ हो गया। वे आश्रम के हर कार्य में पूरे मन से लोगों को जोड़ते। आश्रम की भूमि बालुवाली थी इसलिये पानी की दिक्कत थी। स्वामी जी ने एक स्थान का चयन किया और कुंआ खोदवाया जहां कोई भी पानी होने की उम्मीद नहीं कर रहा था वहां जमकर पानी मिला।

राजपुर दरबार की भक्ति यात्रा का धीरे घीरे विस्तार हो गया। पाकुड़ से लेकर लखनऊ तक स्वामी जी का दौरा होता। घीरे-धीरे व्यवस्था अनुकूल हो रही थी स्वामी जी श्वेत वस्त्र में आ गये। गरु भक्ति मार्ग के संस्थापक परमहंस दयाल स्वामी अैद्धेतानंद जी महाराज ने जिस पंथ का आगे बढ़ाया था वह चार स्तरीय था। गुरु रहेंगे जिनकी पूजा होगी। ये ब्रह्म स्वरूप रहेंगे। ज्ञानदाता उनकी संज्ञा रहेगी और जो कोई भी हो वह मन, वाणी और कर्म से उनका वरण करेंगे। गुरु भक्ति का अर्थ अपने को गुरु में तल्लीन कर देना। दूसरे पैदान पर महात्मा लोग होंगे। ये महात्मा लोग गेरूआ वस्त्र पहनेंगे। एक ही रंग में होगा जो दर्शाता है कि मेरा प्रेम गुरु में ही है। तीसरा स्तर त्यागी भक्तों का होता हैजो गृह त्याग कर चुके होते हैं और सन्यासी महात्मा बनने की दिशा में अग्रसर होते हैं। चौथी स्तर पर गृहस्थी भक्तों का होता है जो समय -समय पर आश्रम जाते रहते हैं।

साल में गुरु पूर्णिमा, दिवाली, होली सहित प्रमुख अवसरों पर जो भी महात्मा बनना चाहता है उसकी अर्जी अगर वर्तमान स्वामी जी स्वामी जी स्वीकार कर लेते हैं तो उन्हें भेष यानी महात्मा बनाया जाता है।

गढ़वा घाट काशी के निमार्ण के बाद अपने गुरु महाराज की आज्ञा से तत्व ज्ञान के प्रसार के लिए 1949 में बक्सर जिले के छोटका राजपुर गांव आये थे 1008 स्वामी शिवधार्मानंद जी महाराज

ब्रम्हा विद्यालय आश्रम मुख्य स्थान छोटका राजपुर बक्सर बिहार के वर्तमान स्वामी 108 सत्यानंदजी परमहंस बताते हैं कि उन्होंने सात दशक तक भक्ति के प्रसार के लिये जिन विपरीत स्थितियों में कार्य किया वैसा उदाहरण विरले मिलता है। धन्य है वह राजपुर की धरा जहां कलियुग काल में संत शिरोमणि 1008 श्री शिवधर्मानंदजी महाराज परमहंस जैसे तत्व ज्ञानी के प्रताप को प्रस्फुटित होने का अवसर दिया। 1999 में ब्रह्मलीन होने तक वे भक्ति के प्रसार के लिये हर क्षण का उपयोग किया। गढ़वा घाट आश्रम में जब श्री महाराज की आयु 85 वर्ष की हो गयी तब महात्माओं ने कहा कि आपका शरीर अब कमजोर हो रहा है और आपके पावर से ही दरबार चल रहा है। आपके बाद हमलोगों को भय लगता है कि यह दरबार कैसे चलेगा। अगर आपकी आज्ञा हो तो गंगा के दक्षिणी छोर में पहाड़ी के पास जमीन सस्ते में बिक रही हैउसे खरीद लिया जाए और उसपर महात्मा लोग मेहनत करके खेती योग्य बना लेंगे। महाराज श्री ने आज्ञा दे दी और एकांत में महात्मा शिवधर्मानंद जी को बुलाकर कहा कि देखिए गढ़वाघाट आश्रम का प्रधान काम खेती और पशुपालन हो जाएगा। आप सत्संगी महात्मा हैं। सत्संग और ज्ञान प्रचार प्रसार ही आपका मुख्य कार्य रहा है। इसके लिए आपको अनुकूल वातावरण नहीं मिल पाएगा। आप गंगा के पार एक छोटका राजपुर गांव है वहां अनेक भक्त हो चुके हैं और वे कुटी बनाने के लिए अर्जी भी दे चुके हैं। मैंने महात्मा ग्राह्यनंद जी को भेजकर गांव के आसपास का हाल जान लिया है। इस प्रकार महात्मा के वेश में स्वामी शिवधर्मानंद जी गढ़वा घाट के अपने दायित्व का निर्वाह कर छोटका राजपुर जिला बक्सर के लिए प्रस्थान कर गये। आज स्वामी जी के प्रभाव से देश भर में ब्रम्हा विदयालय आश्रम की संख्या लगातार बढ़ती हुई 100 से अधिक हो गयी है।

एही तन में तीन लोक का नक्शा, बना हुआ है न्यारे-न्यारे। विन सदगुरु के भेद न पइहें चाहे कर्म करो सारे।।

जोगियामान साहिब रोहतासगढ़ी

सत्रह की उमर निर्वस्त्र कर पात्रहीन
पर्वत कन्दरा में ध्यान लीन एक जोगिया`
शीत गर्मी वर्षा की ऋतु यूं ही बीत जाती
कंद मूल पत्तों का आहारी नेक जोगिया ।
गुरु ने सिखाया था जो उसे पुष्ट सिद्ध करके
किया प्रस्थान छः साल बाद जोगिया ।
पाक जोगियामान साहिब दर्शनीय पूजनीय
महिमा महान तेरो रामयाद जोगिया।
(डायरी का पन्ना दि. 6.4.2025 से)
-- अवध विहारी मितवा

रामनवमी के परमहंस दयाल जी के जन्म दिन पर रोहतास के पहाड़ियों पर स्थित उनके तपोस्थली जोगिया मान पर जाकर रोमांचित हो उठा। उस गुफा का कण-कण आज भी उनके तपोबल के यश का अहसास कराता है। ब्रम्हा विद्यालय आश्रम के वर्तमान स्वामी सत्यानंदजी परमहंस पूरी एकाग्रमा से जोगिया मान के विकास के लिए लगे हुए हैं। आश्रम के भक्त लगातार जोगिया मान के दर्शनलाभ के लिये जा रहें हैं।

ब्रम्हा विद्यालय आश्रम छोटका राजपुर जहां आज भी सन्याशी बनते हैं, सनातनी और भक्त

यह सनातन पद्धति की सर्वोच्च परम्परा है जो आज भी ब्रह्म विद्यालय सह आश्रम में सुशाभित है। वर्तमान स्वामी सत्यानंदजी परमहंस बताते हैं कि उन्होंने सात दशक तक भक्ति के प्रसार के लिये जिन विपरीत स्थितियों में कार्य किया वैसा उदाहरण विरले मिलता है।

कलियुग काल में संत शिरोमणि 1008 श्री शिवधर्मानंदजी महाराज परमहंस जैसे तत्व ज्ञानी के प्रताप को प्रस्फुटित होना देश के लिये गौरव की बात है। 1999 में ब्रह्मलीन होने तक वे भक्ति के प्रसार के लिये हर क्षण का उपयोग किया। उन्होंने तत्व ज्ञान की इतनी मजबूत वृक्ष का रोपण किया वो आज पूरे विश्व में ब्रम्हा ज्ञान को समर्पित है।

वर्तमान स्वामी जी बताते हैं कि गुरु महाराज मगध के अध्यात्मिक विकास को लेकर बहुत सजग थे। टेकारी सहित मगत में दर्जनों कुटी बनाकर उन्होंने जिस प्रकार तत्व ज्ञान का प्रसार किया वैसा आधुनिक काल में कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलता है।

वर्तमान में ब्रह्म विद्यालय आश्रम झारखंड में रांची, बोकारो, पाकुड़,टाटा और गढ़वा में स्थित है।

बिना शब्द सदगुरु के चिन्हें टूटै ना चौरासी तारे।।

प्रस्तुतिः मुरलीधर

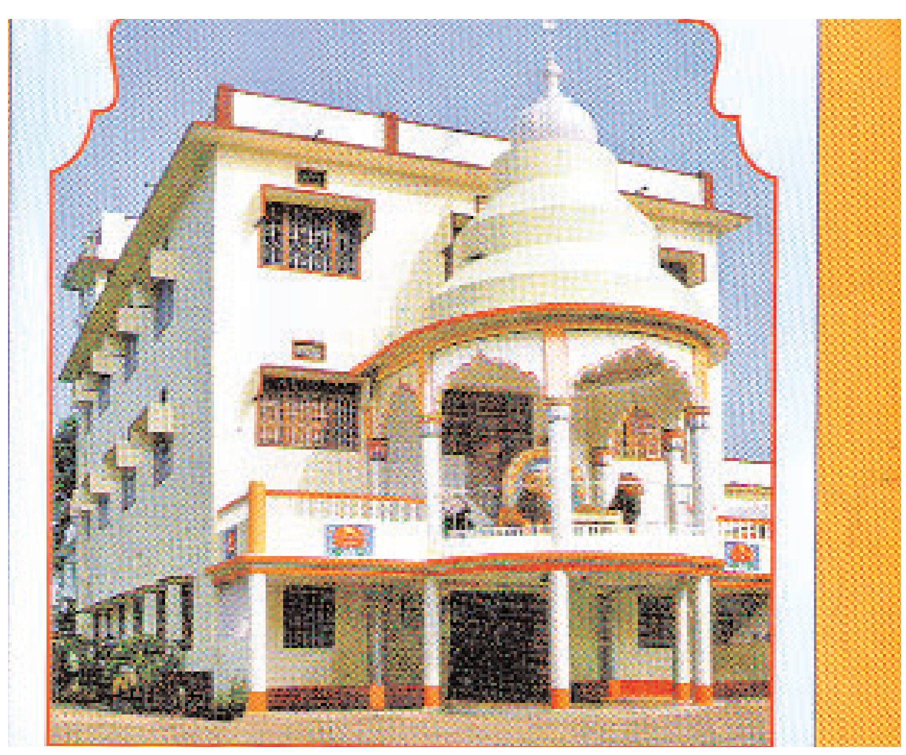

अपने सदगुरु श्री महाराज के आदेश पर छोटका राजपुर बक्सर बिहार में 1949 में 1008 स्वामी शिवधर्मानंद जी स्थापित ब्रम्हा विद्यालय आश्रम छोटका राजपुर बक्सर। वर्तमन स्वामी 108 श्री सत्यानंदजी महाराज जो विगत तीन दशक से तत्व ज्ञान के प्रसार में लगातार लगे हुए हैं।

चार्वाक नीति और सिद्धांत पूरी तरह से गलत भारतीय समाज और संस्कृति के विपरीत

-स्वामी सत्यानंदजी परमहंस

जब तक जियो सुख से जियो उधार लेकर घी पियो।

यावत जीवेत सुखम जीवेत
ऋणम कृत्वा घृतम पिवेत।

हमने कई शिक्षाविदों से,विद्वानों से यह जानने का प्रयास किया कि इस दो पंक्ति के सिद्धांत के प्रतिपादन करने वाले चार्वाक कौन थे? उनकी कौन सी पुस्तक है? उन्हें भारतीय यूनिवर्सिटी में पढ़ाने का उदेश्य क्या है? कोई बता नहीं पाया। दिल्ली आश्रम में कई शीर्ष नेताओं ने पूछने पर मुझसे कहा कि आप केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को ही बोल दें कि इस बिंदु पर वे विचार करें।

भारतीय संस्कृति और समाज इस प्रकार के नियमों को अस्वीकार करता है। इसे पढ़ाने और बताने के साथ इसका प्रचार किसी भी हाल में नहीं होना चाहिए। दो पंक्ति को लेकर हमारी हजार सालों की विचारधारा और संस्कृति को समाप्त नहीं किया जा सकता है। जब यूनिवर्सिटी की पढ़ाई ही गलत होगी तो हमारा समाज कैसा बनेगा? निश्चित तौर पर इस दिशा में विचार किया जाना चाहिए।

पुस्तक के ज्ञान से अधिक महत्वपूर्ण है व्यवहारिक ज्ञान

हमारे पंथ में पुस्तक के ज्ञान से अधिक व्यवहारिक ज्ञान पर जोर दिया गया है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का सिद्धांत हमारे जीवन के मूल में है।

भक्ति की उंची स्थिति में पहुंचना ही भक्त का उद्देश्य होना चाहिए। सनातन हिन्दू, इस्लाम, ईसाई सहित सभी धर्मो के गुरु का कार्य जीव का उद्धार कराना ही है। आज यह बड़ी बात है कि सगुण के रूप में सदगुरु के दर्शन और श्रवण का लाभ मिल रहा है।

गुरु तत्व एक ही हैं

एक भक्त पटना आश्रम में आते थे। वृद्ध थे और रामायण की अच्छी जानकारी थी। लगभग चार-पांच साल तक आने के बाद भी वे मंत्र दीक्षा नहीं ले रहे थे। उन्हें शिकायत भी थी कि उनके मित्र और सहयोगी उन्हें दीक्षा लेने पर जोर दे रहे हैं। उनका विचार था कि एक ही गुरु होना चाहिए। तब क्या ब्रह्म विद्यालय की दीक्षा ली जा सकती है। लोग कहते हैं एक ही गुरु किया जाना चाहिए। यह सच है कि एक गुरु होना चाहिए। लेकिन गुरु तत्व पूरे संसार में एक ही है। आवश्यकता है आप जीवन में इसे अपना लें। उन्होंने मंत्र दीक्षा भी ली और सन्यासी भी बन गये।

गुरु **पद** है उसे स्वीकार्य किया जाना चाहिए। वे अति विनम्र और मधुर बोलने वाले थे। गुरु के प्रति आपका प्रेम और समर्पण आपको बड़े ही शानदार ढंग से लौटता है। इस का साक्षात उदाहरण हमारे दरबार में एक नहीं अनेकों हैं। जीव के उद्धार के लिए परम पूज्यनीय स्वामी शिवधर्मानंद जी ने जो वाणी और व्यवहार अपनाया वर्तमान समय में वह ज्ञान और भक्ति की संपूर्ण उंचाई का सर्वोच्च उदाहरण है। जब गढ़वा घाट काशी बनारस के स्वामी जी ने स्वामी शिवधर्मानंद जी को गंगा पार राजपुर भेजा तो एक भी व्यक्ति सहयोग के लिए नहीं था। उन्हें एक गांव में भेज दिया। आज वही गांव पूरे देश में तत्व ज्ञान के प्रचार प्रसार का केन्द्र बना। यह पूरे देश में तत्व ज्ञान को फैला रहा है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि काली मां के प्रति उनका जो प्रेम था उनका भाव था जिसमें रात-दिन डूबे रहते थे। स्वामी तोतेपूरे ने उन्हें ज्ञान का अहसास करा दिया। स्वामी रामकृष्ण उस परमतत्व को प्राप्त कर गुरु पद को सुशोभित किया। गुरु ग्रंथ का अर्थ मनुष्य को ग्रंथियों से मुक्त कराने वाले से है। जड़ और चेतन के इस संसार में जड़ के बंधन काटने वाले तत्व ज्ञानियों, सदगुरु नानक देव, कबीर, धरनीदास, दरियादास, रैदास गुरु ग्रंथ हीं हैं। गुरु ग्रंथ में इनकी ही वाणी सुरक्षित है। गुरुग्रंथ को जानिए प्रकट गुरु की देह। वर्तमान समय में जीव ग्रंथियों में उलझकर अपने मूल कर्त्तव्य से विमुख हो रहा है। साहित्यकार जयशंकर प्रसाद की रचना कामायनी की पंक्तियां- एक तत्व की है प्रधानता उपर ही जल है, नीचे एक तरल है एक सघन। कहां जड़ या कहां चेतन। मनुष्य का शरीर या गुरु दरबार जड़ है। गुरु चेतन है और चेतन का ही महत्व है।

जीवन में व्यक्ति और स्थान का बड़ा महत्व है।

परमहंस दयाल जी ने छपरा से अपनी भक्ति यात्रा आंरभ की, लेकिन टेरी जो अब पाकिस्तान में है वहां जाकर ब्रह्म विद्यालय सह आश्रम स्थापित किया। इस कार्य में उन्हें 20 वर्षों का समय लगा। संत आनंदपुर से मिले तब दरबार बना। प्रकृति नहीं मिलती तब तक पुरुष निद्रा में होता है। उन्होंने जो भक्ति की चेतना जगाई वह आज भी गढ़वा घाट काशी और छोटका राजपुर होते फिर से छपरा पहुंचा। 1846 में इनका जन्म छपरा में हुआ था।

गढ़वा घाट के स्वामी जी के आदेश पर इस क्षेत्र में आये और उन्होंने पांच पीढ़ियों के बीच भक्ति, ज्ञान योग और प्रेम को स्थापित किया। किसी भी कार्य के लिए व्यक्ति और स्थान का सामंजस्य आवश्यक है। कोई भी प्रकृति और पुरुष के वगैर नहीं होता। दो का संयोग ही निर्माण का कारण है। जीव को सदगुरु के मिलन के बाद ही जीवन का आनंद मिलता है, वह सत-चित-आनंद हो जाता है।

मन का समर्पण सबसे कठिन है

समाज की मजबूती प्रेम से संभव है। अगर किसी व्यक्ति को जंगल में अकेले भेज दिया और सभी साधन उसके पास हो तब भी वह खुश नहीं रहता है। स्वामी सत्यानंद परमहंस ने कहा कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, यह सभी जानते हैं और शौक से गुलामी भी की जाए तो बुरी नहीं लगती है। उन्होंने कहा कि तन, मन और धन के समर्पण की बात की जाती है। तन और धन का समर्पण ज्यादा कठिन नहीं है लेकिन मन का समर्पण सबसे कठिन है।

कंचन तजना सरल है सरल त्रिया का मोह

लेकिन मन जो मान से बना है और उसे मांद से समझना आसान होता है। उसमें जीव सबसे ज्यादा धिरा होता है। इसमें सबसे ज्यादा लोग फंसते हैं। जिसने मन का समर्पण कर दिया वह मान-अपमान से उपर हो जाता है। लक्ष्मण का उदाहरण देते हुए स्वामी जी ने बताया कि लक्ष्मण का मन राम को समर्पित था। लक्ष्मण ने जितनी बार क्रोध किया वह राम के अपमान पर किया, चाहे चित्रकूट में भरत पर, गंगा पार कराते निसाध पर, धनुषभंग के क्रम में परशुराम पर। जीव सबसे ज्यादा मान अपमान में फंसता है और इससे ही अहंकार पैदा होता है। इस मन को हम प्रेम के माध्यम से ही समर्पित करते हैं।

भक्ति आधारित समाज ही भारत के मूल में है

भारतीय समाज में जब प्रेम था तब भारत दुनिया का सबसे समृद्ध और सुदंर देश था। भारतीय मन कभी हिंसक और साम्रज्यवादी नहीं रहा। मौर्य वंश के बाद गुप्त वंश तक लगभग 800 वर्षो तक पूरे विश्व में भारत का डंका बजता रहा। यूरोपीय देश भारत से व्यापार करते थे। लोग बहुत समृद्ध थे। प्रेम और त्याग की भावना से भरे थे। यूरोपीय देश अरब होकर भारत से व्यापार करते थे। अरब के लोगों को इस व्यापार के कारण भारत की समृद्धि की जानकारी मिली। इस कारण नादिरशाह, तैमूरलंग जैसे कई अरबी शासकों ने भारत पर आक्रमण कर लूट-पाट की और लौट गये। दूसरी ओर भारत की समृद्धि के कारण यूरोपीय देशों ने भारत तक आने को समुद्री मार्ग खोजना चाहा क्योंकि अरब देशों में चुंगी अधिक हो गयी। इसी क्रम में कोलंबस 1498 में निकला और अमेरिका की खोज हो गयी, जिसे रेड इंडियंस कहा गया। फिर वास्कोडिगामा ने भारत की खोज की। अंग्रेजों ने इसी समृद्धि के कारण देश को गुलाम बना लिया। दुनिया की सबसे अच्छी आबोहवा भारत के गंगा युमना के मैदानी क्षेत्र और पंजाब के पंचनद क्षेत्र की है। समतल मैदान, उपजाउ भूमि, धर्म में आस्था रखने वाले लोग। इस बीच मुगलों ने शासन किया और उन्हें भारतीय समाज ने सहजता से स्वीकार किया।

संतोषम परम सुखम

भारतीय जीवनशैली एक मात्र संतोष प्रधान है। जो दिया अच्छा दिया। न्यायालय के उपर दयालय की कल्पना है। स्वामी सदगुरु शिवर्धमानंदजी ने कहा था कि भारत समृद्ध था और फिर देश को समृद्ध होने से कोई नहीं रोक सकता है।

अगर आत्मा अमर है तो जीव को अमरता का बोध क्यों नहीं है?

बुद्ध का यह सवाल आज भी संसार का महत्पूर्ण सवाल है। बुद्ध ने इसी सवाल के हल के लिए सब कुछ का त्याग किया। बुद्ध ने इसे प्राप्त भी किया। आत्मा के ज्ञान के बाद सब सवाल समाप्त हो जाते हैं। बुद्ध ने मध्यम मार्ग निकाला। सन्यास,मठ और मुंडन जैसी कई नियमों से जीव की मुक्ति को सरल बनाया। बाद में आदि शंकराचार्य ने भी बुद्ध के कई नियमों को सही जानकर उसका अनुकरण किया।

कोई भी संप्रदाय देश की मूल भावना से हटकर कार्य करें तो असंतोष पनपेगा इसलिए सभी को देश के मूल भावना का, मूल प्रकृति का सहयोगी वृति का ख्याल रखना चाहिए।

(गुरुदेव स्वामी सत्यानंद जी परमहंस मुख्य स्थान ब्रम्हा विद्यालय एवं आश्रम छोटका राजपुर शाखा बसारगढ़ रांची के 21 अप्रैल तक प्रवास के क्रम में सतसंग का स्मरण आधारित अंश प्रस्तुति मुरलीधर)

बंगाल में हिंदू समाज के साथ हुए हिंसा को लेकर फूंका गया सीएम ममता बनर्जी का पुतला

बंगाल में ममता बनर्जी कर रही हैं तुष्टिकरण की राजनीति : संतोष

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। वक्फ कानून के खिलाफ बंगाल में हिंदू समाज के साथ हुए हिंसा को लेकर रविवार को स्थानीय टावर चौक पर विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला दहन किया। इससे पूर्व बड़ाईक मुहल्ला स्थित हनुमान मंदिर से हिंदुओं के खिलाफ हुए हिंसा को लेकर आक्रोश पूर्ण रैली विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल व मातृ शक्ति संगठन के सदस्यों ने निकाली। जुलूस बड़ा दुर्गा मंदिर परिसर से आरंभ होकर जशपुर रोड, महावीर चौक, मेन रोड होते हुए टावर चौक पहुंचा। जहां पुतला दहन के दौरान विहिप व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने नारा लगाते हुए कहा कि बंगाल के हिंदुओं के सम्मान में बजरंग दल मैदान में, बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करो, ममता बनर्जी हाय-हाय, सेक्यूलर हिंदू जागो। ज्ञात हो कि विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजकर बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने, बंगाल के मुर्शीदाबाद सहित अन्य स्थानों पर हिंदू समाज पर हुए हमले की एनआईए से जांच कराने सहित कई मांग की है। मौके पर बजरंग दल जिला संयोजक संतोष यादव ने कहा कि बंगाल में जिस तरह की घटना हिंदुओं के साथ हुई है और ममता बनर्जी का जिस तरह से बर्ताव हिंदुओं के साथ कर रही है उससे ये साफ पता चल जाता है कि बंगाल को ममता बांग्ला देश और पाकिस्तान बनाने में लगी हुई है। बंगाल में जिहादियों की सरकार है और ममता बनर्जी तुष्टिकरण की राजनीति को पूरी तरह से अपना चुकी है। जिस तरह जिहादियों के द्वारा हिंदुओं के घर पे निशान लगा कर सुनियोजित तरीके से हमला व पत्थरबाजी की जा रही है। महिलाओं का बलात्कार धर्म देख कर किया जा रहा है। यह शर्मनाक है। विभाग संयोजक मुकेश सिंह ने कहा कि हिंसा में 6 महीने के बच्चे को उनकी मां की गोद से छीन कर आग में जेहादी भीड़ के द्वारा फेंक दिया गया।

ऐसी बहुत सारी घटनाएं हुई हैं जो भयानक और दर्दनाक हैं। ये सारी घटना सिर्फ हिंदू के साथ ही क्यों हो रही है। हिंदुओं को उनके ही घर से पलायन करना पड़ रहा है। ममता बनर्जी ने जिस तरह से बंगाल में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को राज्य में बसा के अपना वोट बैंक बनाया है ये साफ सिद्ध करता है कि उसको हिंदुओं से नफरत है। घर हिंदू का जल रहा है और बैठक ममता ईमाम के साथ कर रही हैं। ममता बनर्जी ये बात भूल गई है कि विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल बंगाल के हिंदू भाई और बहनों के इस मुश्किल समय में उनके साथ खड़ा है। अगर यही स्थिति बंगाल में बनी रही तो विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल हिंदुओं का कुंभ बुलाएगा। इस अवसर पर विहिप जिला अध्यक्ष अजय सिंह राणा, विभाग संयोजक मुकेश सिंह, जिला संयोजक संतोष यादव, प्रचार प्रसार प्रमुख अमित कुमार, विभाग मंत्री केशव चंद्र साय, सेवा प्रमुख अमन कुमार राणा, जिला उपाध्यक्ष पूनम सिंह, शैल सिंह, अखाड़ा प्रमुख रविन्द्र सिंह, सुरक्षा प्रमुख शिवा गुप्ता, नगर संयोजक ब्रिज गोप, गौ रक्षा प्रमुख श्याम मंत्री, नगर उपाध्यक्ष प्रकाश भगत,नगर अध्यक्ष मनोज साहू, धर्मू गोप, नितेश कुमार सिंह, कुमार शानू, पूर्णकालिक भीखेश्वर नागमणि, दीपक कुमार, अशोक यादव, दीपू सिंह, चंदन कुमार, विकाश सिंह, पुष्पांग गोप, शिवम चौधरी आदि सनातनी उपस्थित थे।

एक नजर में

परसुडीह मंडी में सुरक्षा गार्ड मुहैया कराये सरकार : अनिल

जमशेदपुर। कृषि उत्पादन बाजार समिति समस्याओं से ग्रसित है।इन समस्याओं के समाधान हेतु सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स लगातार प्रयत्नशील है।समस्याओं के मकड़जाल में फंसी बाजार समिति के व्यापारियों को अब एक ओर नई समस्या से दो चार होना पड़ रहा है।कृषि उत्पादन बाजार समिति की सुरक्षा हेतु सुरक्षा गार्ड मुहैया करवाने वाली एजेंसी का करार समिति से समाप्त हो गया है।और एजेंसी में अपने सुरक्षा गाड्र्स को वापिस बुला लिया है।इस कारण परसुडीह बाजार समिति अब सुरक्षा विहीन हो गई है।इस संदर्भ में सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के उपाध्यक्ष (ट्रेड एंड कॉमर्स) अनिल मोदी ने झारखंड सरकार की कृषि मंत्री श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की को पत्र लिखकर बाजार समिति में सुरक्षा बहाल करने की गुहार लगाई है।उन्होंने कहा कि बाजार समिति में लगभग 150 दुकानें एवं गोदाम है।बाजार समिति में प्रवेश हेतु दो द्वार है।पहले इन द्वारों पर सुरक्षा गार्ड तैनात रहते थे। उसके बावजूद दुकानों में चोरी की लगातार शिकायतें मिल रही थी।असामाजिक तत्व रात के अंधेरे में समिति की दीवार फांद कर गोदामों का ताला एवं दीवार तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दे देते है।मंडी में सुरक्षा गार्ड होने से इन तत्वों पर थोड़ा अंकुश लगता था।परन्तु अब सुरक्षा गार्डों को हटा लेने से यह असामाजिक तत्व स्वछंद हो जाएंगे एवं इनका मनोबल बढ़ जाएगा।इसी आशंका से व्यापारी भयाक्रांत है।

महंगाई, बेरोजगारी के मुद्दे से भटकाने के लिए गांधी परिवार के पीछे पड़ी है मोदी सरकार

जमशेदपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी, झारखंड प्रदेश कांग्रेस, पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमिटी के आह्वान पर गोलमुरी प्रखण्ड कांग्रेस एवं मण्डल कमिटी के तत्वावधान में नुक्कड सभा का आयोजन गोलमुरी सत्कार होटल के निकट रविवार को आयोजित किया गया। नुक्कड सभा को मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे ने संबोधित कर करते हुए कहा कि देश में महंगाई चरम पर है। आनाज का किमत 2014 में और 2025 में दोगुने, तीनगुने के भाव पर है। मध्यम और गरीब परिवार क्या खायेंगे, अब तो भाजपा सरकार ने रसोई गैस सिलेंडर के मुल्य में 50रु बढा कर हर रसोई घर पर कहर ढा रही है। देश में दिनों दिन शिक्षित बेरोजगारों की संख्या बढ़ रही है। भारत सरकार और सार्वजनिक उपक्रमों से नौकरी के अवसर कम किये जा रहे है। मोदी सरकार महंगाई और बेरोजगारी से ध्यान हटाने के लिए कांग्रेस पार्टी के मुख्य पत्र नेशनल हेराल्ड के सम्पति का गलत उद्देश्य से ईडी विभाग द्वारा अधिग्रहण करने तथा कांग्रेस नेता श्रीमती सोनिया गाँधी, प्रतिपक्ष के नेता राहुल गाँधी एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेतागण को नेशनल हेराल्ड मामले में आरोप पत्र दाखिल करवा रही है, जो अत्यंत ही अमर्यादित है। सभा का अध्यक्षता प्रखण्ड अध्यक्ष अतुल गुप्ता ने किया तथा स्वागत भाषण जे एस बदरी ने दिया।

भालुबासा में श्याम महोत्सव 11 मई को विभागवार जिम्मेदारियां सौंपी गयी

जमशेदपुर। शहर की धार्मिक संस्था श्री श्याम भक्त मंडल भालुबासा द्वारा आगामी 11 मई रविवार को आयोजित होने वाले भव्य श्याम महोत्सव की सफलता हेतु बाबा श्याम की सेवा में समर्पित भक्तों के बीच विभागवार कार्यों का वितरण किया गया ताकि आयोजन की तैयारियाँ संगठित और व्यवस्थित रूप से पूरी की जा सके। महोत्सव भालुबासा स्थित हरिजन स्कुल मैदान में होगा। यह जानकारी संस्था के संयोजक पवन अग्रवाल, अध्यक्ष मुरारी लाल अग्रवाल एवं सचिव बजरंग केवलका ने रविवार को संयुक्त रूप से एक प्रेस विज्ञाप्ति जारी कर दी। पवन अग्रवाल ने आगे बताया कि 11 मई रविवार की सुबह 08 बजे से श्याम अखंड ज्योति पाठ और रात 08.30 बजे से भजनों की अमृत वर्षा (संकीर्त्तन) होगी। श्याम महोत्सव को भव्य बनाने हेतु सभी भक्त अपने-अपने कार्यों को लेकर उत्साहित और समर्पित भाव से जुट गए हैं।

रेडक्रॉस के शिविर में 34 का हुआ मोतियाबिंद ऑपरेशन

जमशेदपुर। भारतीय रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम, राम मनोहर लोहिया नेत्रालय द्वारा द्रोपदी देवी चिमनलाल भालोटिया फैमिली ट्रस्ट, राजस्थान सेवा सदन तथा जिला ग्रामीण स्वास्थ्य समिति के सहयोग से बर्जर पेन्ट समुह की कम्पनी एसटीपी लि. के सीएसआर कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित 768वां नेत्र शिविर के दूसरे दिन ऑपरेशन सत्र के दौरान आज आज बागबेड़ा थाना चौक स्थित राम मनोहर लोहिया नेत्रालय में 34 नेत्र रोगियों का ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण सम्पन्न हुआ। नेत्र चिकित्सक डॉ. भारती शर्मा, डॉ. पूनम सिंह, डॉ. विवेक केडिया एवं उनके सहयोगी चिकित्सीय टीम द्वारा नेत्र रोगियों का ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण किया गया। ऑपरेशन सत्र का उद्घाटन राम मनोहर लोहिया नेत्रालय परिसर में रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम के मानद सचिव विजय कुमार सिंह तथा वरीय सदस्य चन्द्रमोहन सिंह ने ऑपरेशन थियेटर का फीता काटकर किया। आज ऑपरेशन सत्र के दौरान समाजसेवी राकेश मिश्र, कार्यकर्ता अशोक कुमार घोषाल, अशोक कुमार सिंह, दीपक शर्मा, राजेश मोहन प्रसाद, राधेश्याम कुमार, तरन्नुम, आशीष सिंह, हीरालाल, प्रकाशभानु महतो मुख्य रूप से उपस्थित थें। कल सोमवार को ऑपरेशन कराये नेत्र रोगियों के आँखों की पट्टी खोलकर अंतिम जांच के पश्चात उन्हें आवश्यक दवा चश्मा के साथ ऑपरेशन कराये आंखों की देखभाल की जानकारी प्रदान कर विदा किया जायेगा।

रेडक्रॉस और यूसील का नेत्र शिविर कल

जमशेदपुर। भारतीय रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम द्वारा भारत सरकार के उपक्रम यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के साथ इस महीने का चौथा ग्रामीण स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर 22 अप्रैल को उत्क्रमित प्राईमरी स्कूल, हरिजन बस्ती, तिलाईटांड में आयोजित किया जायेगा। शिविर का लाभ तिलाईटांड, डुंगरीडीह, जादूगोड़ा के ग्रामीण उठा सकेंगे। रेड क्रॉस के मानद सचिव विजय कुमार सिंह ने ग्रामीणों से आग्रह किया है कि वे शिविर में स्वास्थ्य जांच के साथ गर्मी के दिनों को बेहतर स्वास्थ्य के लिए स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम में भाग लें।

सालखुडीह गांव के संथालो ने सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

जादूगोड़ा। पोटका में विकास के बड़े_ बड़े दावे जनप्रतिनिधि भले ही कर रहे है लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग है। जिसका जीता जागता उदाहरण है पोटका प्रखण्ड अंतर्गत माटकू पंचायत का सालखुडीह टोला ।इधर विकास से अनदेखी की लेकर 50 संथाल परिवारों ने झारखंड सीजर के खिलाफ प्रदर्शन कर अपने गुस्से का इजहार किया व झारखंड सरकार से सड़क समेत बुनियादी जरूरतों को पूरा करने की मांग उठाई। यहां बताते चले कि इस गांव में विकास की किरणे झारखंड अलग राज्य के 24 साल बाद भी नहीं पहुंची। यहां के ग्रामीण सम्राट बास्के, जगन्नाथ मुर्मू, भागीरथी बास्के ,कहते है गांव में आज तक कोई सांसद _ विधायक आज तक नहीं पहुंचा। चलने के लिए कीचड़युक्त सड़क ।यहां से प्रखण्ड कार्यालय 10 किलो दूर है।बरसात के मौसम में ग्रामीण बीमार पड़ने पर करीबन एक किलोमीटर कंधे में लाद कर कीचड़युक्त रास्ते मरीज को रागा मटियातक लाना पड़ता है। तब जाकर पोटका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीज की इलाज संभव होता है। गांव में कोई वाहन नहीं आता।प्रधानमंत्री आवास से यहां के 10 संथाल परिवार आज भी वंचित है।स्कूल के लिए बच्चों की तीन किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। बरसात में बच्चों की पढ़ाई बाधित हो जाती है। कीचड़युक्त सड़क की वजह से बच्चे बरसात के दिनों में स्कूल से वंचित हो जाते है।गांव में आंगनवाड़ी तक नहीं है।

स्पीड न्यूज

सरजामदा में मासिक जागरुकता अभियान चला

जमशेदपुर। आज 20 अप्रैल 2025 को विश्व जन सेवा ट्रस्ट के सौजन्य से सरजमदा में महिलाओं और किशोरियों के लिए मासिक धर्म जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सामाजिक कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को मासिक धर्म से संबंधित स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामाजिक भ्रांतियों से बाहर निकालने हेतु जागरूक करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रोजेक्ट बाला के माध्यम से सैकड़ों महिलाओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड वितरित किए गए। इस अवसर पर डॉ. मनीष झा ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि मासिक धर्म कोई शर्म की बात नहीं, बल्कि यह स्त्री जीवन का एक स्वाभाविक और महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने स्वच्छता, पोषण और मानसिक स्वास्थ्य पर भी जोर दिया।

अधिवक्ता व मुहर्रिर को दिया गया ई कोर्ट संबंधित प्रशिक्षण

जमशेदपुर। ई कोर्ट कमेटी सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया एवं झारखंड ज्यूडिशल अकेडमी के निदेर्शानुसार दिनांक 20/04/25 को जमशेदपुर बार एसोसिएशन एवं घाटशिला बार एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में एक ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसमें कई अधिवक्ता एवं मुहर्रिर को ट्रेनिंग दी गई जिसमें उन्हें ई-फाइलिंग, कियोस्क, चेंज मैनेजमेंट , ई कोर्ट सर्विसेज ऐप, ई कोर्ट के प्रचार प्रसार में अधिवक्ता की भूमिका, वीडियो कांफ्रेंसिंग, आदि की जानकारी मास्टर ट्रेनर अमित कुमार सिंह (अधिवक्ता), रोहित कुमार सिंह(अधिवक्ता), विश्वजीत दे(अधिवक्ता) एवं धनंजय सिंह (अधिवक्ता) के द्वारा दी गई। इस ट्रेनिंग की रिपोर्ट झारखंड ज्यूडिशल अकादमी को भेजा जाता है।

मंत्री हफीजुल अंसारी के खिलाफ भाजपा का आक्रोश मार्च आज

जमशेदपुर। झारखंड सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री और झामुमो नेता हफीजुल हसन अंसारी द्वारा शरीयत को संविधान से ऊपर बताने वाले विवादास्पद बयान ने राज्य की सियासत में हलचल मचा दी है। मंत्री के इस बयान को भारतीय जनता पार्टी ने देश की संवैधानिक व्यवस्था पर सीधा प्रहार बताया है और सोमवार को जमशेदपुर में विराट आक्रोश मार्च निकालने की घोषणा की है। भाजपा जमशेदपुर महानगर तत्वावधान में आयोजित होने वाले मार्च में हजारों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता भाग लेंगे। साकची स्थित भाजपा जिला कार्यालय से सुबह 10 बजे शुरू होकर यह आक्रोश मार्च उपायुक्त कार्यालय तक जाएगा। इस दौरान कार्यकर्ता हाथों में पार्टी का ध्वज, तख्तियां और पोस्टर लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध दर्ज करेंगे। वहीं, पार्टी की ओर से आक्रोश मार्च को सफल बनाने के लिए सभी मंडल अध्यक्षों और पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों से अधिकतम संख्या में कार्यकताओं के साथ शामिल होने का निर्देश दिया गया है।

ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच के राष्ट्रव्यापी आह्वान के तहत 20 मई 2025 को

जमशेदपुर/रांची। रांची में आयोजित मजदूरों के राज्य स्तरीय संयुक्त कन्वेंशन में आठ केंद्रीय ट्रेड यूनियनों, स्वतंत्र फेडरेशनों और यूनियनों की अभूतपूर्व एकजुटता के तहत एक स्वर में यह घोषणा की गई कि देश का मजदूर वर्ग श्रम संहिताओं को उनके प्रस्तावित स्वरूप में लागू नहीं होने देगा और इसके लिए मजदूर वर्ग निर्णायक संघर्ष के उद्देश्य से 20 मई 2025 को देशव्यापी आम हड़ताल के अलावा पूरे देश में कार्यस्थलों से लेकर सड़कों तक अवज्ञा और प्रतिरोध के रूप में बड़े पैमाने पर कार्रवाई करेगा। कन्वेंशन की अध्यक्षमंडल में संजीव श्रीवास्तव (इंटक), अशोक यादव (एटक), भवन सिंह (सीआईटीयू),जगन्नाथ उराँव(एआईसीसीटीयू), राजीव कुमार तिवारी(एआईयूटीयूसी) शामिल थे। सम्मेलन का उद्घाटन वरिष्ठ ट्रेड यूनियन नेता कॉ0 रामेंद्र कुमार ने किया।

500 आकांक्षी प्रखंडों में गम्हरिया को मिला पहला स्थान

पीएम से 21 को उत्कृष्टता पुरस्कार ग्रहण करेंगे डीसी रविशंकर शुक्ला

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया प्रखंड को आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम श्रेणी में लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार, 2024 के लिए चुना गया है। सिविल सेवा दिवस समारोह के तहत, लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार, 2024 की आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम श्रेणी के तहत 5 शीर्ष प्रदर्शन करने वाले प्रखंडों को पुरस्कृत किया जाएगा। यह पुरस्कार 21 अप्रैल, 2025 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले सिविल सेवा दिवस पर भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रदान किया जाएगा। देश भर के 500 आकांक्षी प्रखंडों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रखंड गम्हरिया के लिए यह पुरस्कार सरायकेला-खरसावां के उपायुक्त रविशंकर शुक्ला द्वारा ग्रहण किया जाएगा। आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम नीति आयोग की एक पहल है, जिसे 7 जनवरी 2023 को लॉन्च किया गया था, जो स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि और संबद्ध सेवाएं, बुनियादी ढांचा और सामाजिक विकास जैसे पांच फोकस क्षेत्रों में बेहतर शासन, सेवा वितरण और प्रमुख संकेतकों की निगरानी के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक विकास में तेजी लाकर देश के 500 अविकसित ब्लॉकों में जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार लाने पर केंद्रित है। जिला प्रशासन, सरायकेला खरसावां ऐसी उपलब्धि के लिए सभी हितधारकों की कड़ी मेहनत और योगदान की सराहना करता है और साथ ही प्रमुख संकेतकों के संदर्भ में जिले के समग्र विकास को प्राप्त करने और जिले भर में सेवाओं की समग्र गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करता है।

सरायकेला के डीसी रविशंकर शुक्ला।

गोपाल मैदान में जमशेदपुर समर ट्रेड फेयर 2025 शुरू

मेले का उद्घाटन करते अतिथिगण।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। 11 दिनों तक चलनेवाले कंज्यूमर एक्सपो जमशेदपुर समर ट्रेड फेयर 2025 का आगाज शनिवार की शाम भव्य रूप से हुआ। जमशेदपुर के भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता सह पश्चिमी विधानसभा विधायक के जनसुविधा प्रतिनिधि श्री धर्मेन्द्र प्रसाद जी के साथ समाजसेवी एवं शिव सेवक संघ के अध्यक्ष बी बी सिंह जी ने विधिवत फीता काट कर मेले का उदघाट्न किया। इस मौके पर मुख्य रूप से अतिथियों के अलावा विशिष्ट लोगों में डॉ डी के सिंह, राज सिंह, अनिल सिंह, उमेश सिंह, दिनेश सिंह, आकाश यादव, महबूब, कैफी, सत्या प्रामाणिक, दीपशिखा, रिशु सिंह आदि उपस्थित थे। मेले में महिलाओं द्वारा संचालित स्टालों को देख कर वे काफी उत्साहित हुए और उन्होंने शहर की महिला उद्यमियों को इस तरह के आयोजन में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही खुशी की बात है कि आज की महिला हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। गृहणी होते हुए भी अगर वे लोग स्टॉल लगा रही हैं तो इससे ज्यादा खुशी की बात क्या हो सकती है। उन्होंने जमशेदपुर के शहरवाशियो से आग्रह किया कि सपरिवार ज्यादा से ज्यादा संख्या में आकर इस मेले में खरीदारी करे एवं ऐसी महिलाओं के मनोबल को बढ़ाने में मदद करे। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए आयोजकों ने बताया कि इस एक्सपो में देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ स्थानीय 250 स्टाल लगे हैं। मेला प्रतिदिन 3 बजे से लेकर रात 9.30 बजे तक संचालित होगा। बताया गया कि छोटे बड़े हर प्रकार के उद्यमी को जोड़ना उनकी प्राथमिकता है। हर वर्ग के लोगों को ध्यान में रखते हुए उनके आवश्यकता की वस्तुएं किफायती एवं उचित मूल्य पर उपलब्ध कराना इस मेले की आकर्षण होगी।

भीषण गर्मी में बेजुबान पशु-पंछियों की प्यास बुझा रहा जन सेवा संघ ट्रस्ट

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। गर्मी के इस मौसम में जहां इंसान अपनी सुविधा के लिए तरह-तरह के इंतजाम कर रहा है वहीं बेजुबान जानवर और पक्षी प्यास से तड़प रहे हैं। शहर के कई हिस्सों में ये मासूम जानवर नाले का गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। लेकिन 'जन सेवा संघ ट्रस्ट' ने इनकी मदद के लिए एक अनोखी पहल की है। ट्रस्ट ने शहर के विभिन्न हिस्सों में पानी से भरे नाद रखे हैं जो इन पशु-पक्षियों के लिए जीवन रेखा बने हुए हैं। ट्रस्ट के सूरज कुमार ने लोगों से अपील की है कि वे अपने घरों में इन बेजुबान जानवरों के लिए पानी और भोजन रखें। यह छोटा सा प्रयास न केवल उनके जीवन को बचा सकता है बल्कि हमें पुण्य का सुख भी देगा। इस पहल से हमें यह याद दिलाया गया है कि इन बेजुबान जानवरों के प्रति भी हमारी जिम्मेदारी है। आइए इस गर्मी में हम सब मिलकर उनके लिए थोड़ा प्यार और सहारा बनें। इश अभियान में सोनी सर,प्रशांत सिन्हा, प्रभात साहनी, मनप्रीत सिंह, सपना थापा, अमृत कौर,ज्योति कुमारी, सीमा सिंह, अर्चना कुमारी,विशाल शर्मा,सूरज सिंह,अभिषेक कुमार,पवन गुप्ता, बिनोद सिंह, सुनील गुप्ता, मनी पांडेय, कुणाल शर्मा, रीना सोरेन, सभ्यची, उत्कर्ष कुमार,कृष्णा राव इत्यादि लोग शामिल थे।

नियोजन नीति में मैथिली को स्थान मिलना चाहिए : रघुवर दास

मिथिला की परंपरा को संरक्षित करने के संकल्प के साथ मिथिला महोत्सव 2025 का भव्य समापन

मिथिला महोत्सव - 2025

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। ललित नारायण मिश्र सामाजिक एवं सांस्कृतिक कल्याण समिति, जमशेदपुर द्वारा आयोजित दो दिवसीय मिथिला महोत्सव के दूसरे दिन विभिन्न कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रथम चरण में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के पश्चात सुधानन्द झा आचार्य जी ने स्वस्तिवाचन एवं महिला शाखा की सदस्याओं ने डेजी ठाकुर के नेतृत्व में जय जय भैरवी भगवती गीत का गायन किया।

मंचीय कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री रघुवर दास, पूर्व राज्यपाल, ओडिशा, श्री मंगल कालिंदी, विधायक, जुगसलाई, स्व० ललित बाबू के पौत्र श्री सुमीत मिश्र, डॉक्टर अशोक अविचल पूर्व संयोजक नॉर्थ ईस्ट रीजन साहित्य अकादमी संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार ने संयुक्त रूप से किया। सभी अतिथिओं का स्वागत पाग,डोपटा और पुष्पगुच्छ प्रदान कर सम्मान किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में महोत्सव को संबोधित करते हुए श्री रघुवर दास ने कहा कि मैथिल अपने भेष-भूषा,पारंपरिक परिधान के लिए प्रचलित है। मैथिली भाषा - भाषी कपनी मातृभाषा की रक्षा के लिए बराबर कर्तव्य निर्वहण करते रहते हैं। मैथिल लोग अपने संवर्धन के लिए अपने घर-परिवार में भी मैथिली भाषा का प्रयोग करते हैं। श्री दास ने झारखंड सरकार से मांग की कि नियोजन नीति में मैथिली को शामिल करने की मांग की। साथ ही मैथिली अकादमी का गठन करने की मांग की और कहा कि उपरोक्त दोनो मांगों के पूर्ण समर्थन में हूँ। संविधान की अष्टम अनुसूची में मैथिली को शामिल कर स्व० अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने सम्मान दिया।

उसी प्रकार नरेंद्र मोदी सरकार ने मखाना को उद्योग के रूप स्थापित करवाया।संस्था को उनके नाम पर महोत्सव के आयोजन के लिए बधाई दी। वक्ता के रूप में स्व० ललित नारायण मिश्र के पोते और सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता सुमीत मिश्रा एवं विधायक, जुगसलाई श्री मंगल कालिंदी ने भी अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के लिए अध्यक्षीय उद्बोधन श्री जयचंद्र झा ने किया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण नवकान्त झा ने दिया और धन्यवाद ज्ञापन महासचिव शंकर कुमार पाठक ने किया। मंच संचालन अशोक अविचल ने किया।

उद्घाटन सत्र के बाद रंगारंग संस्कृति कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ जिसमें मनमोहन विद्यापति गीतों की प्रस्तुति से रंजना झा ने तालियां बटोरीं । नेपाल से आये भाव-नृत्य के समूह द्वारा झिझिया, सामा-चकेवा आदि का नृत्य प्रस्तुत किया गया। मीनाक्षी ठाकुर के लोकगीतों ने भी लोगों को काफी झुमाया और दिलीप दरभंगिया के गीतों ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर किया। आज के लिए मंच के उद्घोषक आशुतोष झा रहे।

महोत्सव के समापन सत्र में मंच पर उपस्थित पूर्व सीएम रघुवर दास व अन्य अतिथिगण।

इन्हें मिला सम्मान : डॉ0 अजय झा, . डॉ0 रविन्द्र कुमार चौधरी, शिशिर मिश्रा, कौशलेंद्र दास, अजीत सिंह, मैथिली मंच रांची के पदाधिकारीगण

बेंगलुरु ने किंग्स से हिसाब किया बराबर

बेंगलुरु ने पंजाब को सात विकेट से हराया, विराट कोहली 73 रन बनाकर नाबाद रहे, पडिक्कल ने लगायें अर्धशतक

एजेंसी

मुल्लांपुर। विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल की दमदार फिफ्टी से बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को 7 विकेट से हरा दिया। आरसीबी की इस सीजन में 8 मैचों में से 5वीं जीत है। वहीं पंजाब को सीजन में तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला न्यू चंडीगढ़ के मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। मैच में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स ने निर्धारित 20 ओवर के खेल में 157 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में आरसीबी ने 18.5 ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया। आरसीबी के लिए लक्ष्य का पीछा करते हुए दिग्गज विराट कोहली और देवदत्त ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। विराट कोहली ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए 73 रनों की नाबाद पारी खेली। आइपीएल में विराट कोहली का यह 101वां फिफ्टी था। कोहली अंत तक बल्लेबाजी करते हुए रन बनाकर नाबाद रहे। इसके अलावा पडिक्कल ने टीम के लिए 35 गेंद में 61 रनों की पार खेली। अपनी इस पारी में 5 चौके और 4 छक्के भी लगाए। वहीं कप्तान रजत पाटीदार 13 गेंद में 12 रन बनाकर आउट हुये।

पंजाब की गेंदबाजी रही मैच में बेअसर

आरसीबी के खिलाफ इस मुकाबले में पंजाब की गेंदबाजी कुछ खास नहीं रही। पंजाब की तरफ से कुल 7 गेंदबाजों ने बॉलिंग, जिसमें से सिर्फ 3 को ही सफलता मिल पाई। पंजाब के लिए अर्शदीप सिंह, हरप्रीत बरार और युजवेंद्र चहल को एक-एक विकेट मिला। कोई भी गेंदबाज आरसीबी को परेशान नहीं कर पाई, जिसके कारण पंजाब को यह मुकाबला गंवाना पड़ गया।

पंजाब की बैटिंग रही साधारण

आरसीबी के खिलाफ इस मुकाबले में पंजाब किंग्स की बल्लेबाजी बहुत ही साधारण रही। पंजाब की टीम क्रुणाल पंड्या और सुयश शर्मा की स्पिन गेंदबाजी के आगे पूरी तरह से असहाय नजर आई। यही कारण है कि पंजाब किंग्स को छह विकेट पर 157 रन ही बना पाई। आरसीबी के लिए क्रुणाल पंड्या ने 25 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। इसके अलावा लेग स्पिनर सुयश

ने भी 26 रन देकर दो विकेट लिए।

कोहली ने अय्यर को चिढ़ाया

आरसीबी की पारी का 19वां ओवर पंजाब किंग्स की तरफ से नेहल वढेरा डाल रहे थे। उनके ओवर की पांचवीं गेंद पर जितेश शर्मा ने गजब छक्का लगाकर अपनी टीम को मैच जिताया। जैसे ही जितेश ने छक्का लगाया, वैसे ही नॉन स्ट्राइकर एंड पर खड़े विराट कोहली ने श्रेयस अय्यर को देखकर सेलिब्रेट किया और उनको चिढ़ाया। हालांकि, कोहली का यह अंदाज अय्यर को पसंद नहीं आया। वह थोड़ा निराश हो गए थे। अय्यर जब कोहली से हाथ मिलाने आये तो वह थोड़ा निराश हो गये थे।

पंजाब के लिए ओपनर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 33 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे जबकि शशांक सिंह ने नाबाद 31 रन बनाए। जोश इंग्लिस (29), मार्को येनसेन (नाबाद 25) और प्रियांश आर्य (22) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं। आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। प्रभसिमरन और प्रियांश ने पंजाब को तेज शुरूआत दिलाई, लेकिन मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाजों के निराशाजनक खेल से पंजाब की टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर पाई।

पंजाब 157/6 (20 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
प्रियांश कै. डेविड बो. क्रुणाल	22	15	03	01
प्रभसिमरन कै. डेविड बो. क्रुणाल	33	17	05	01
श्रेयस कै. क्रुणाल बो. शेफर्ड	06	10	01	00
इंगलिस बो. सुयश	29	17	02	01
वधेरा रन आउट	05	06	00	00
शशांक सिंह नाबाद	31	33	01	00
स्टोइनिस बो. सुयश	01	02	00	00
मार्को येन्सन नाबाद	25	20	00	02

अतिरिक्त : 05

विकेट पतन : 1-42, 2-62, 3-68, 4-76, 5-112, 6-114.

गेंदबाज : भुवनेश्वर कुमार : 4-0-26-0, यश दयाल : 2-0-22-0, जोश हेजलवुड : 4-0-39-0, क्रुणाल पंड्या : 4-0-25-2, रोमारियो शेफर्ड : 2-0-18-1, सुयश शर्मा : 4-0-26-2.

बेंगलुरु 159/3 (18.5 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
साल्ट कै. इंगलिस बो. अर्शदीप	01	03	00	00
विराट कोहली नाबाद	73	54	07	01
पडिक्कल कै. वधेरा बो. ब्रार	61	35	05	04
पाटीदार कै. येन्सन बो. चहल	12	13	01	00
जितेश शर्मा नाबाद	11	08	00	01

अतिरिक्त : 01

विकेट पतन : 1-6, 2-109, 3-143.

गेंदबाज : अर्शदीप सिंह : 3-0-26-1, जेवियर बार्टलेट : 3-0-28-0, हरप्रीत ब्रार : 4-0-27-1, मार्को येन्सन : 3-0-20-0, युजवेंद्र चहल : 4-0-36-1, मार्कस स्टोइनिस : 1-0-13-0, नेहाल वधेरा : 0.5-0-9-0.

आइपीएल 2025 पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीत	हार	रद्द	अंक	रन रेट
गुजरात	07	05	02	00	10	+0.984
दिल्ली	07	05	02	00	10	+0.589
बेंगलुरु	08	05	03	00	10	+0.472
पंजाब	08	05	03	00	10	+0.117
लखनऊ	08	05	03	00	10	+0.088
मुंबई	08	04	04	00	08	+0.483
कोलकाता	07	03	04	00	06	+0.547
राजस्थान	08	02	06	00	04	-0.633
हैदराबाद	07	02	05	00	04	-1.217
चेन्नई	08	02	06	00	04	-1.392

पर्पल कैप
12 विकेट
प्रसिद्ध कृष्णा
गुजरात

ऑरेंज कैप
368 रन
निकोलस पूरन
लखनऊ

शुभमन गिल पर लगा जुर्माना

अहमदाबाद। आइपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गये मुकाबले में धीमे ओवर रेट के लिए जुर्माना लगाया गया है। आइपीएल की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि शुभमन गिल पर आइपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत धीमें ओवर रेट के लिए 12 लाख रुपए जुर्माना लगाया हैं। आइपीएल ने बयान में कहा, चूंकि यह इस सत्र में उनकी टीम का पहला अपराध था, इसलिए आइपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत, जो न्यूनतम ओवर रेट अपराधों से संबंधित है, गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

कोलकाता के सामने गुजरात के असली टेस्ट

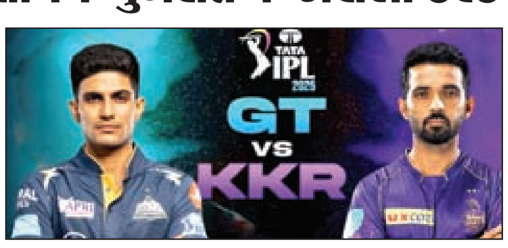

एजेंसी

कोलकाता। मौजूदा चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स को आइपीएल में पॉइंट्स टेबल में टॉप पर मौजूद गुजरात टाइटंस के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले मैच में अपने बल्लेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। कोलकाता की टीम पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने पिछले मैच में 112 रन के लक्ष्य काफी अच्छा करते हुए 95 रन पर आउट हो गई थी। उसका टीम प्रबंधन बल्लेबाजों की इस खराब प्रदर्शन से निश्चित रूप से चिंता में होगा। कोलकाता ने हालांकि अपने पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर को फिर से अपने टीम प्रबंधन से जोड़ा है। नायर को भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने हाल में राष्ट्रीय टीम के सहायक कोच पद से हटा दिया था। कोलकाता ने इसके तुरंत बाद उन्हें अपनी टीम से जोड़ दिया था। केकेआर के पूर्व सहायक कोच नायर की घर वापसी से निश्चित रूप से टीम को प्रोत्साहन मिलेगा, जिसके वर्तमान में सात मैचों में छह अंक हैं और प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए उसे अपने शेष सात मैचों में से कम से कम पांच मैच जीतने की जरूरत है।

जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को किया 191 के स्कोर पर किया ढेर

सिलहट। वेलिंगटन मसकदजा और ब्लेसिंग मुजारबानी (तीन-तीन विकेट), विक्टर न्याउची और वेस्ली मधेवेरे (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद दम पर जिम्बाब्वे ने रविवार को बांग्लादेश को पहले टेस्ट मैच के पहले दिन पहली पारी 191 के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया है। रविवार को बांग्लादेश की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बांग्लादेश की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने 32 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। विक्टर न्याउची ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करे हुए पहले पहले शादमान इस्लाम (12) और उसके बाद महमुदुल हसन जॉय (14) को अपना शिकार बना लिया। ऐसे संकट के समय मोमिनुल हक और नजमुल शान्तो ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिये 66 रनों की साझेदारी हुई।

हैदराबाद स्टेडियम से अजहरुद्दीन का नाम हटाने का आदेश

हैदराबाद। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के लोकपाल ने राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के उत्तरी स्टैंड से भारत के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन के नाम का स्टैंड हटाने का आदेश दिया है। इसके अलावा यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि इसके बाद अजहरुद्दीन के नाम से कोई टिकट न छपे। यह आदेश शनिवार को न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) वी. ईश्वरैया ने दिया, जो एचसीए के नैतिक अधिकारी भी हैं, उन्होंने लॉर्ड्स क्रिकेट क्लब द्वारा दायर याचिका के आधार पर यह निर्णय लिया। एचसीए की सदस्य इकाइयों में से एक लॉर्ड्स क्रिकेट क्लब ने आरोप लगाया है कि पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने एचसीए अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मनमाने निर्णय लेकर अपने पद का दुरुपयोग किया है। प्रस्ताव पारित करने के लिए एचसीए के नियमों का उल्लंघन किया है।

रोहित-सूर्या के तूफान में उड़ी धोनी की सुपर किंग्स

मुंबई ने चेन्नई को नौ विकेट से हराया, मैन ऑफ द मैच रोहित शर्मा

एजेंसी

मुंबई। रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव की तूफानी फिफ्टी से मुंबई ने चेन्नई को 9 विकेट से हरा दिया। वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में सीएसके की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर के खेल में 176 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में मुंबई की टीम ने सिर्फ 15.4 ओवर में 177 रन बनाकर मैच को अपने नाम कर लिया। मुंबई की टीम की यह इस सीजन में 8 मैचों में चौथी जीत है। वहीं सीएसके को इस सीजन में छठी हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके के खिलाफ इस मुकाबले में रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस की तरफ से इंपैक्ट सब के रूप में मैदान पर उतरे थे। रायन रिकेल्टन के साथ पारी की शुरूआत करते हुए रोहित शर्मा ने पहली गेंद से अपना तेवर दिखाना शुरू कर दिया था। धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए रोहित शर्मा ने सिर्फ 33 गेंद में अपनी फिफ्टी पूरी की। रोहित शर्मा की इस सीजन में यह पहली फिफ्टी थी। रोहित मुंबई के लिए 45 गेंद में 76 रन बनाकर नाबाद जिसमें 4 चौके और 6 छक्के शामिल रहा।

सूर्यकुमार यादव का भी दिखा तूफान

मुंबई इंडियंस की तरफ से सिर्फ रोहित शर्मा ही नहीं, सूर्यकुमार यादव का भी वानखेड़े में तूफान देखने को मिला। सूर्यकुमार ने रोहित शर्मा के साथ मिलकर सिर्फ 26 गेंद में अपनी फिफ्टी पूरी तरह। इस तरह सूर्यकुमार यादव मुंबई के लिए अंत बल्लेबाजी करते हुए मैच को फिनिश किया। सूर्यकुमार यादव

मुंबई इंडियंस के लिए 30 गेंद में रन बनाकर 68 नाबाद रहे। सूर्यकुमार ने अपनी इस पारी में 6 चौके और 4 छक्के भी लगाए। सूर्यकुमार यादव के अलावा मुंबई के लिए रायन रिकेल्टन ने 19 गेंद में 24 रनों का योगदान दिया।

सीएसके की गेंदबाजी बुरी तरह फ्लॉप

मुंबई इंडियंस के खिलाफ इस मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स की गेंदबाजी बहुत ही साधारण रही। सीएसके की तरफ से रविंद्र जडेजा के अलावा और कोई भी गेंदबाज विकेट लेने में सफल नहीं रहे। इसके अलावा इस मैच में एमएस धोनी की कप्तानी का भी जादू नहीं चला। धोनी ने टीम के अपने सबसे अहम गेंदबाज माथिसा पाथिराना को 14वें ओवर में बॉलिंग के लिए बुलाया। इस कारण भी सीएसके मैच में पिछड़ गई।

सीएसके को बल्लेबाजों ने किया निराश

वहीं इस मुकाबले सीएसके की बल्लेबाजी की बात करें तो वह भी बुरी तरह से फ्लॉप रही। मैच में सीएसके को टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी का न्योता मिला था। टीम की शुरूआत खराब रही। ओपनर बल्लेबाज रचिन रविंद्र सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि, इसके बाद टीम के लिए 17 साल के आयुष म्हात्रे 15 गेंद में 32 रन बनाकर एक उम्मीद को जगाने की कोशिश जरूर की, लेकिन वह टीम के लिए काफी नहीं रहा। इसके बाद सीएसके के लिए शिवम दुबे और रविंद्र जडेजा ने पारी को संभालने का काम किया। हालांकि, इन दोनों की बल्लेबाजी अपेक्षा के अनुसार काफी धीमी रही। जडेजा सीएसके के लिए 35 गेंद में 53 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि शिवम दुबे ने 32 गेंद में 50 रन बनाए। वहीं गेंदबाज की बात करें को मुंबई इंडियंस की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा दीपक चाहर, अश्वनी कुमार और मिचेल सैंटनर ने भी एक-एक विकेट लिए।

झारखंड विद्यालय कुश्ती टीम दिल्ली रवाना

रांची। 21 से 27 अप्रैल तक दिल्ली में आयोजित 68वीं राष्ट्रीय, विद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता 2024-25 (व-17 बालक/बालिका फ्रीस्टाइल एवं व -17, व-19 बालक ग्रीको रोमन) में भाग लेने हेतु झारखंड विद्यालय कुश्ती टीम के 48,सदस्यी जिसमें, 30 बालक पहलवान,10 बालिका पहलवान एवं 04 टीम प्रशिक्षक तथा 4 टीम प्रबंधक शामिल है। उक्त प्रतियोगिता के लिए टीम रवाना होने से पहले झारखंड शिक्षा विभाग के द्वारा खिलाड़ियों को ट्रैक सूट, खेल किट देकर, झारखंड विद्यालय कुश्ती टीम को रवाना किया गया।

68वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचा झारखंड

- झारखंड की अंडर 19 बालक और बालिका टीम का शानदार प्रदर्शन, सटीक रणनीति और दमदार तालमेल का दिखा असर
- सेमीफइनल में झारखंड की बेटियों ने तमिलनाडु को दी बड़ी शिकस्त, तमिलनाडु की टीम का नहीं खुला खाता

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मणिपुर में 15 अप्रैल से 21 अप्रैल तक आयोजित 68वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल फुटबॉल प्रतियोगिता में झारखंड की बालक और बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान दोनों टीमों ने संतुलित खेल, सटीक रणनीति और दमदार तालमेल का प्रदर्शन करते हुये लगातार जीत दर्ज की। अंडर 19 बालक और बालिका टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता के फाइनल में स्थान सुनिश्चित किया है। रविवार को हुए सेमीफइनल मुकाबले में झारखंड की बालिका टीम ने तमिलनाडु को 5-0 से और बालक टीम ने मेजबान मणिपुर को 4-1 से शिकस्त देकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। झारखंड की टीम के शानदार प्रदर्शन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, रामदास सोरेन, उमाशंकर सिंह, शशि रंजन, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग, कोच जितेंद्र कच्छप, टीम मैनेजर बिंदु कुजूर, अमीत टोप्पो, लीना सोरेन, बिंदेश्वर महतो ने पूरी टीम को बधाई दी।

अर्जुन ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में रजत पदक जीता

एजेंसी

लीमा (पेरू)। पेरिस ओलंपिक में भाग ले चुके भारतीय निशानेबाज अर्जुन बाबुता यहां आइएसएसएफ विश्व कप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूक गए और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि आर्या बोरसे महिलाओं की स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहीं। पिछले साल पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे बाबुता (252.3) रोमांचक फाइनल में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चीन के शेंग लिहाओ (252.4) से सिर्फ 0.1 अंक से हार गये। विश्व कप में 40 से अधिक पदक जीत चुके हंगरी के निशानेबाज इस्तवान पेनी ने 229.8 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। फाइनल में कई स्टार निशानेबाज पहुंचे थे जिनमें मौजूदा विश्व चैंपियन और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता स्वीडन के विक्टर लिंडग्रेन, नॉर्वे के जॉन-हरमन हेग और भारत के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल शामिल थे। भारत के पास दो पदक जीतने का मौका था, लेकिन दुर्भाग्य से तकनीकी खराबी के कारण पाटिल को जूरी ने अपना 11वां शॉट नहीं लेने दिया। इस तरह से यह भारतीय निशानेबाज पहले एलिमिनेशन चरण में हारकर आठवें स्थान पर रहा। फाइनल में बाबुता और पाटिल दोनों ने समान 10.1 के साथ मजबूत शुरूआत की। पाटिल ने पिछले सप्ताह ब्यूनस आयर्स में विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन इस बार भाग्य उनके साथ नहीं था और उन्हें फाइनल के शुरू बाहर होना पड़ा। पाटिल के बाहर हो जाने के बावजूद बाबुता शांत रहे और उन्होंने 14वें शॉट के बाद पहली बार बढ़त ले ली। शेंग ने इसके बाद अच्छी वापसी की। बाबुता को एक समय 0.3 अंक की मामूली बढ़त हासिल थी लेकिन चीन के निशानेबाज में 10.9 अंक का निशाना साधकर बढ़त बना दी।

बाबुता का अंतिम स्कोर 10.5 फिर से बढ़त हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं था, क्योंकि शेंग ने 10.3 के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम पक्का कर दिया। इससे पहले क्वालिफिकेशन में बाबुता ने पहली रिले में 631.9 का मजबूत स्कोर बनाया, जबकि शेंग ने 635.0 के साथ सहजता से शीर्ष स्थान हासिल किया। पाटिल ने दूसरी रिले में 632.0 का स्कोर बनाकर ग्रुप का नेतृत्व किया और कुल मिलाकर तीसरा स्थान हासिल किया। भारत के हृदय हजारिका मामूली अंतर से फाइनल में जगह बनाने से चूक गए और 629.3 के स्कोर के साथ 10वें स्थान पर रहे।

आइएसएसएफ विश्व कप सर्किट के दूसरे चरण में 10 मीटर एयर राइफल महिला स्पर्धा में आर्या ने शनिवार को 633.9 का शानदार स्कोर बनाकर पांचवें स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। वह मौजूदा जूनियर विश्व चैंपियन और स्वर्ण पदक विजेता चीन की वांग जिफेई से पीछे रहीं। चीन की निशानेबाज ने इस दौरान तीन विश्व रिकॉर्ड बनाए। आर्या 24 शॉट के फाइनल के 18वें शॉट के बाद बाहर हो गयी। उनका स्कोर 188.1 था। चीन ने इस स्पर्धा में तीनों पदक जीते। हान जिया ने रजत जबकि फैन जिनी ने कांस्य पदक जीता। चीन ने इस तरह से तीन स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य पदक के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत की। भारत अब दो स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य के साथ पदक तालिका में तीसरे स्थान पर है। उसने दूसरे स्थान पर काबिज अमेरिका से एक स्वर्ण पदक कम जीता है। पुरुष ट्रैप में अनुभवी जोरावर संधू और महिलाओं की स्पर्धा में प्रगति दुबे ने 25-25 के पहले राउंड में शानदार शुरूआत की। जोरावर तीन राउंड के बाद 70 के स्कोर के साथ 21वें स्थान पर जबकि उनकी टीम के साथी पृथ्वीराज टोंडिमन और लक्ष्य श्योराण 69 के स्कोर के साथ क्रमशः 24वें और 25वें स्थान पर हैं। महिलाओं में राष्ट्रीय चैंपियन भव्या त्रिपाठी 69 (24,22,23) अंकों के साथ भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान जबकि प्रगति 68 अंकों के साथ नौवें स्थान पर हैं। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी नीरू 18वें स्थान पर हैं।

आगामी सेफ गेम 2025 को लेकर दिशा निर्देश

रांची। रविवार को झारखंड ओलंपिक कार्यालय मोरहाबादी रांची में झारखंड एथलेटिक एसोसिएशन की एक बैठक हुई। जिसमें आगामी सेफ गेम 2025 के लिए आवश्यक दिशा निर्देश एथलेटिक्स एसोसिएशन प्लानिंग कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मधुकांत पाठक द्वारा पदाधिकारियों को दी गई। सेफ गेम सफलतापूर्वक कराने को लेकर कमेटी के सदस्यों एवं तकनीकि पदाधिकारियों के साथ एथलेटिक्स मैदान में कहां पर स्टेज, विक्ट्री जोन, एथलीट साक्षात्कार एरिना, वी आई पी सिटिंग, वी आई पी एंट्रेंस, फोटो फिनिश कैमरा, लाइव स्ट्रीमिंग, एथलीट चेंजिंग रूम, पोस्ट इवेंट कंट्रोल रूम, नाडा एवं वाडा रूम, सैफ सेक्रेटेरिएट रूम, डायरेक्ट्रेट रूम, एवं एक-एक फंक्शनल एरिया पर विचार विमर्श एवं दिशा निर्देश दिए। बैठक में प्रभाकर कुमार वर्मा कार्यकारी सचिव झारखंड एथलेटिक्स संघ, सुनील कुमार रिटायर्ड फुटबॉल कोच साइ, एम वी राव, बिनोद कुमार, राम प्रसाद, श्रीजय कुमार, संतोष कुमार, वीरेंद्र कुमार, मनोज कुमार, विकाश कुमार, श्याम उरांव, तन्नू सांगा आदि उपस्थित थे।

जेईई मेन- 2 में डीपीएस बोकारो के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

55 से अधिक विद्यार्थी जेईई एडवांस्ड के लिए हुए सफल

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। डीपीएस बोकारो के विद्यार्थियों ने जेईई मेन- 2025 की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना दमखम बरकरार रखा और जिले में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन का परचम लहराया। 99.76 परसेंटाइल के साथ विद्यालय के मेधावी छात्र आरुष बनर्जी ने विद्यालय में सबसे पहला स्थान प्राप्त किया। प्रिंस कुमार पांडेय 99.65 परसेंटाइल के साथ दूसरे और अभय शंकर सिंह 99.35 परसेंटाइल लाकर तीसरे स्थान पर रहे। प्राप्त जानकारी के अनुसार सफल विद्यार्थियों की फेहरिस्त में आरुष बनर्जी प्रिंस कुमार पांडेय व अभय शंकर सिंह के अलावा सैयद अशदुल्लाह उज्जवल सिंह अपूर्व झा अक्षित आकर्ष दुबे अभिनव राज हर्षवर्धन रितेश कुमार महतो ख्याति सिन्हा अभिनीत शरण मनीष कुमार मृत्युंजय कुमार आशीष कुमार नितिन कुमार सिंह आदित्य कुमार

शर्मा श्रीश पाठक अभिनव कश्यप अर्पित कुमार सिंह आर्यन कुमार

AARUSH BANERJEE

PRINCE KUMAR PANDEY

ऋषिमा तिवारी अनुप झा कनिष्ठ शर्मा शिवम कुमार उत्कर्ष राज सादिक कमर अधृत सिंह मयंक राज अनंत्य दुबे सिद्धांत शर्मा आर्यन बंदिता महता प्रिंस कुमार शिवम कुमार सुमित कुमार झा अनुपम शर्मा आयुष कुमार सुदर्शन आरोही अनुपम राज पलक्ष व कुमार विट्ठल शुभम कुमार निश्चय मेहता तन्मय कुमार युवा राज सहित 55 से अधिक विद्यार्थियों ने आगामी 18 मई को होनेवाली जेईई एडवांस्ड की परीक्षा के लिए क्वालीफाई किया है। डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ एएस गंगवार ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए जेईई एडवांस्ड में भी उनके बेहतर परिणाम की उम्मीद जताई और इसके लिए उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं। सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनना चाहता है टॉपर आरुष तो आईएएस अफसर बनने की इच्छा है, अभय की। सर्वोत्कृष्ट परिणाम हासिल करने वाले आरुष बनर्जी की दिली ख्वाहिश आगे चलकर एक सफल सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनने की है। चिकित्सक डॉ देवाशीष बनर्जी एवं शिक्षिका बबीता बनर्जी के होनहार पुत्र आरुष को खगोलीय विज्ञान शतरंज वॉलीबॉल आदि खेल में भी काफी रुचि है।

अभय शंकर सिंह की इच्छा आगे चलकर एक आईएएस अधिकारी बनकर देश और जनता की सेवा करने की है। ईपीएफओ के दिल्ली मुख्यालय में बतौर क्षेत्रीय आयुक्त- 2 पदस्थापित ओम प्रकाश सिंह एवं गृहिणी सुमन कुमारी का पुत्र अभय पूर्व राष्ट्रपति मिसाइल मैन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को अपना आदर्श मानता है। पढ़ाई के अलावा उसे क्रिकेट और फुटबॉल खेलना काफी पसंद है। जितेंद्र पांडेय और ममता देवी के पुत्र प्रिंस कुमार को पढ़ाई के अलावा फुटबॉल आदि खेलों में काफी रुचि है। उसने अपनी सफलता का श्रेय डीपीएस के शिक्षकों व प्राचार्य को दिया है। उसके माता-पिता उसके आदर्श हैं।

निशिकांत दुबे के सुप्रीम कोर्ट पर दिए गये बयान पर छिड़ी राजनीतिक जंग

कांग्रेस मंत्री दीपिका पांडे ने इसे सुप्रीम कोर्ट पर हमला बताया

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। भाजपा सांसद डॉ निशिकांत दुबे के वक्फ बोर्ड के मामले में सुप्रीम कोर्ट पर दिए गए बयान पर राजनीति छिड़ गई है। एक तरफ जहां विपक्ष हमलावर है, तो दूसरी तरफ भाजपा ने भी निशिकांत दुबे के बयान से खुद को अलग कर लिया है। वहीं जेपी नड्डा ने बयान जारी कर कहा कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा दिए गए बयानों से भारतीय जनता पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है ये उनका निजी बयान है, लेकिन भाजपा न तो ऐसे बयानों से सहमत है और न ही कभी ऐसे बयानों का समर्थन करती है, भाजपा इन बयानों को पूरी तरह से खारिज करती है। इसी बीच विपक्ष के नेताओं को बैठे बिठाए एक मुद्दा मिल गया खासकर स्थानीय नेताओं

को , ग्रामीण विकास मंत्री सह महागामा विधायक दीपिका पांडे सिंह ने गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे के बयान को मोदी सरकार की सोची-समझी साजिश बताया है। वहीं दीपिका पांडे सिंह ने सरकार पर सुप्रीम कोर्ट को दबाने, डराने और बदनाम करने की रणनीति बनाने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा है कि 'सत्ता के नशे में चूर निशिकांत दुबे का सुप्रीम कोर्ट पर हमला, संविधान और लोकतंत्र पर सीधे चोट -दीपीका पाण्डेय'

एक प्रश्न यहां उठता है जब पूर्व सीजेआई दीपक मिश्रा ने अनुसूचित जाति और जन जाति के कानून में संशोधन किया की झूठे मुकदमे की संख्या को देखते हुए इन कानूनों में संशोधन की आवश्यकता है और उच्चतम न्यायालय ने उसमें संशोधन कर विधायिका के पास भेजा लेकिन केंद्र में यही भाजपा सरकार थी और उच्चतम न्यायालय के आदेश को मानने से इनकार किया और सीजेआई के फैसले को ठुकरा दिया गया और उस कानून में कोई संशोधन नहीं हुआ ।उस निर्णय में विधायिका न्यायपालिका पर हावी रही ।लेकिन किसी ने पक्ष या विपक्ष ने एक शब्द नहीं निकाला न्याय पालिका बेबस बनकर रह गई। वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन अगर संविधान के दायरे में रहते हुए संवैधानिक मयार्दाओं के अंदर रहते हुए हर अहताओं को पूर्ण करते हुए लोक सभा ,राज्य सभा और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद अगर कानून बना तो कौन सी परंपराओं का उल्लंघन किया गया है ये एक सामान्य जनता की समझ से परे है। उच्चतम न्यायालय को पूरी प्रक्रिया को देखने का अधिकार है कहीं किसी धारा या कानून का उल्लंघन तो नहीं हुआ? अगर सारी प्रक्रियाएं पूरी की गई है तो फिर उसमें संशोधन या रद्द करने का कोई ओचित्य नहीं है। भाजपा पार्टी की अपनी विचारधारा है वोट बैंक हैं समस्याएं हो सकती हैं तो पार्टी डाङ्ग दुबे के विचारों से सहमत नहीं हो सकती लेकिन ये प्रश्न तो उठेगी विधायिका और न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्र की व्याख्या होनी चाहिए।

जेईई मेंस में चिन्मय के प्रियांशु राज

अतिन गौरव व अश्विन कुमार क्रमश: पहले, दूसरे व तीसरे स्थान

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। जेईई मेंस के दूसरे फेज में चिन्मय विद्यालय के छात्र प्रियांशु राज 99.55 परसेंटाइल प्राप्त कर विद्यालय में पहले स्थान पर जबकि अतिन गौरव (99.35) एवं अश्विन कुमार (99.33) परसेंटाइल लाकर क्रमशः दूसरे एवं तीसरे स्थान पर रहे। इसके अतिरिक्त समाचार लिखे जाने तक 77 से अधिक विद्यार्थियों ने 90 परसेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किये। विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय के वरीय शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं बच्चौ की कड़ी मेहनत के कारण यह शानदार सफलता मिली है। उन्होंने सभी सफल छात्रों उनके अभिभावकों एवं विद्यालय के सभी शिक्षकों को इस प्रयास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए हार्दिक बधाई दी है। साथ ही यह उम्मीद जताई है कि आईआईटी एडवांसड में और भी बेहतर परिणाम होगा। उन्होंने सभी सफल छात्रों का हौसला बढाते हुए कहा कि आने वाले समय में पूरा ध्यान एवं पूरा समय पढ़ाई पर दें। साथ ही समय प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें। छात्रों की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए परम पूज्या स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती अध्यक्ष बी मुखोपाध्याय सच महेश त्रिपाठी एवं उप-प्राचार्य नरमेन्द्र कुमार एवं वरीय शिक्षक अजय कुमार सिंह अशोक चौबे देवज्योति बराल एएन उपाध्याय प्रफुल्ल कुमार सिंह कुमोद रंजन सिंह राज कुमार चंदन कुमार सिंह आदि ने सभी सफल छात्रों को बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जेल अदालत सह जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। केन्द्रीय कारा में जेल अदालत-सह-विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन रविवार को हुआ। जेल अदालत की अध्यक्षता मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने किया। जेल अदालत झालसा, रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार अध्यक्ष सह प्रधान जज संजय कुमार चन्द्धरियावी के आदेशानुसार हुआ। जेल अदालत में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय में लंबित तीन वाद, अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी

सुनवाई करते न्यायाधीश

के न्यायालय में लंबित एक वाद एवं न्यायिक दंडाधिकारी वॉटर भेंगरा के न्यायालय में लंबित एक वाद कुल पांच वादों का आवेदन जेल अदालत के लिए समर्पित किया गया। सभी वादों में बंदियों का समयावधि कम रहने के कारण आवेदन पर विचार नहीं किया जा सका। उपरोक्त अवसर पर प्राधिकार सचिव उत्तम सागर राणा, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी आदित्य, कारापाल एवं लीगल ऐड डिफेंस काउंसिल सिकंदर मंडल, सरोज गोन, अंकित कुमार सिंह, रोबिन कुमार एवं न्यायालयकर्मी, काराकर्मी एवं बंदी उपस्थित थे। जेल अदालत -सह- विधिक जागरूकता शिविर में मेडिकल कैंप लगा करके सभी बंदियो के स्वास्थ्य की जांच भी की गई। जिन बंदियों को लिगल एड की आवश्यकता थी। उस पर प्राधिकार सचिव ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

राजद ने प्रेस वार्ता जारी कर सरकार से

बाबा साहब की प्रतिमा स्थापित कर मामले को सुलझाने की अपील की

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। आज राजद कार्यालय में प्रदेश राजद सचिव दिनेश यादव एवं जिला महासचिव जाहिद इकबाल ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि पुराने समाहरणालय के निकट बाबा साहब आंबेडकर की प्रतिमा को लगाने को लेकर तरह तरह के आरोप और प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं जिसमें पूर्व विधायक अमित मंडल जी का भी बयान आया था। राजद ये स्पष्ट रूप से घोषणा करता है कि बाबा साहब के सच्चे अनुयायि राजद के लोग हैं और सब गरीब गुरबों को लेकर साथ चलने की हमारी परंपरा रही है।

संविधान की बात करने वाले संविधान की मयार्दाओं का पालन नहीं करते लेकिन हमें अपने नेतृत्व पर गर्व है जो संविधान की धाराओं के अंतर्गत चलते हुए अपनी बात रखते हैं। सरकार से हम मांग करते हैं कि प्रतिमा लगाई जाय और प्रशासन उसमें सहयोग करे ।प्रेस वार्ता में धनंजय महतो अंचल सचिव सहित और भी कई अन्य लोग शामिल थे।

यूथ नेशनल बास्केटबॉल चैम्पियनशिप में झारखंड टीम ने दिखाए अपने जौहर, किया उम्दा प्रदर्शन

बोकारो। झारखंड बास्केटबॉल एसोसिएशन की बालक और बालिकाओं की 32 सदस्यों की टीम द्वारा पांडिचेरी के राजीव गांधी स्टेडियम में आयोजित 40वें यूथ नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप 2025 में 9 से 16 अप्रैल तक सफलतापूर्वक बेहतर प्रदर्शन के बाद वापसी पर जोरदार स्वागत किया गया। टीम में बालक वर्ग के हेड कोच मो आरिफ आफताब असिस्टेंट कोच किंकर कृष्णा टीम मैनेजर विशाल दास बालिका टीम के मुख्य प्रशिक्षक निजाम अली टीम मैनेजर शांत मिश्रा के रेलवे स्टेशन पर पहुँचने पर गर्मजोशी के साथ खिलाड़ियों का अभिनंदन किया गया। टीम ने काफी बेहतरीन प्रदर्शन किया और अच्छी से अच्छी टीमों को शिकस्त देते हुए झारखंड का परचम लहराया।

सुव्यवस्थित संचालन के लिए बीएसएल ने की सार्थक पहल

बोकारो। स्थानीय सेक्टर-5 स्थित हटिया को सुव्यवस्थित करने के निमित्त बीएसएल प्रबंधन ने एक नई पहल करते हुए इसके संचालन की जिम्मेदारी स्थानीय विस्थापित वर्ग की एजेंसी मेसर्स सोनी इंटरप्राइजेज को सौंपी है। इस नई व्यवस्था की शुरूआत सीजीएम-टीए कुंदन कुमार ने बीएसएल अधिकारियों सेक्टर 5 हटिया के दुकानदार व जन सामान्य तथा मेसर्स सोनी इंटरप्राइजेज के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में की। मौके पर सीजीएम श्री कुमार ने बताया कि हटिया परिसर को स्वच्छ व हाईजीनिक और सुव्यवस्थित बनाने का लाभ दुकानदार और खरीदार- दोनों को मिलेगा। उन्होंने सेक्टर 5 हटिया के सभी दुकानदारों से इस नई व्यवस्था को लागू करने में सहयोग करने की अपील की। जीएम-टीए एके सिंह ने बताया कि चयनित एजेंसी मेसर्स सोनी इंटरप्राइजेज हटिया में दुकानदारों के बैठने के लिए निर्धारित शुल्क 40 रुपए प्रति दिन पर उन्हें 3 मीटर ७ 3 मीटर अथवा 30 रुपए प्रति दिन शुल्क पर 3 मीटर ७ 2 मीटर का स्थान उपलब्ध कराएगी। इसके अलावा ठेला संचालकों को भी निर्धारित दर 20 रुपए प्रति दिन पर स्थान प्रदान किया जाएगा। बदले में सम्बंधित एजेंसी हटिया की साफ-सफाई और हटिया के संचालन के लिए आवश्यक अन्य मूलभूत सुविधाएं दुकानदारों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेगी। सेक्टर 5 हटिया के दुकानदारों को दुकान संचालन के लिए अस्थाई तौर पर विद्युत कनेक्शन भी प्रदान किया।

कुड़मी जनजाति की अपनी भाषा, संस्कृति व परंपरा है सबसे विशिष्ट व अलग: दीपक

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो/कसमार। कसमार प्रखंड के मंजूरा गांव में सरहुल परब के उपलक्ष्य में आदिवासी कुड़मी समाज मंजूरा के द्वारा रंगारंग कुड़माली झूमर एवं ??पाता नाच कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें पश्चिम बंगाल के प्रसिद्ध कुड़माली लोकगीत गायक गोविन्द लाल हस्तुआर अंजना महतो व बिहारी लाल महतो के द्वारा एक से बढ़कर एक कुड़माली झूमर एवं अन्य गीत की प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम की शुरूआत अखाड़ा वंदना के साथ की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुड़मी जनजाति के शोधकर्ता दीपक कुमार पुनरिनयार पूर्व विधायक लंबोदर महतो ज़िप सदस्य अमरदीप महाराज जेएलकेएम नेत्री पूजा कुमारी व मुखिया ममता कुमारी उपस्थित थे। इस दौरान कुड़मी जनजाति के शोधकर्ता दीपक कुमार पुनरिनयार ने कहा कि कुड़मी जाति नहीं विशुद्ध रूप से जनजाति है जिसके अपने आदिम लक्षण विशिष्ट संस्कृति व भौगोलिक अलगाव का क्षेत्र है।? अपनी भाषा-संस्कृति-परब-त्यौहार व देवाभूता हैं। जन्म बिहा एवं मृत्यु संस्कार के अपने नेग-नियम है जो किसी हिंदू वैदिक संस्कृति से पूर्णतया भिन्न है। कहा कि अपनी विशिष्ट संस्कृति को पुनर्जीवित करने की जरूरत है। तभी कुड़मी जनजाति की पहचान सुरक्षित रहेगी। सरकारी दस्तावेज एवं हमारी विशिष्ट जनजातीय लक्षण बता रही हैं कि कुड़मी जाति नहीं जनजाति है लेकिन सरकार इन सब के बावजूद भी कुड़मी को जनजाति की सूची में शामिल नहीं कर रही है। इसके लिए और संघर्ष करने की जरूरत है। मौके पर मौके पर शिशुपाल केसरियार उमाचरण गुलिआर टुपकेश्वर केसरिआर प्रवीण केसरिआर सहदेव टिडुआर पियूष बंसरिआर महावीर गुलिआर ज्ञानी गुलिआर भागीरथ बंसरिआर मुरली जालबानुआर सुभाष हिन्दीआर सुलचंद गुलिआर मिथिलेश केटिआर उमेश केसरिआर अखिलेश केसरिआर अमरनाथ गुलिआर सदानंद गुलिआर विश्वनाथ केसरिआर शैलेश केसरिआर दिलीप केसरिआर निरंजन केसरिआर धनेश्वर जालबानुआर कमल जालबानुआर दुर्गा पुनअरिआर द्वारिका केसरिआर कुलेश्वर केसरिआर लालमोहन गुलिआर निरंजन केसरिआर समेत कई अन्य लोग मौजूद थे।

खबर एक नजर में

पास्का पर्व को लेकर रात्रि जागरण और पास्का रविवार पर यीशु गुणगान कार्यक्रम

प्रार्थना सभा में भाग लेते इसाई धर्मावलंबी

खबर मन्त्र संवाददाता

शिकारीपाड़ा। यीशु मसीह के चालीस दिनों के पश्चाताप-उपवास प्रार्थना, शैतान के मायावी परीक्षण पर विजयी प्राप्ति, अंतिम दुखभोग व सूली पर प्राण त्यागने, कब्रिस्तान पर दफनाये जाने और तीसरे दिन के अहले सुबह पर पुनर्जीवित होने की इस ईश्वरीय रहस्यमय चमत्कारिक घटनाक्रम के यादगार पर शनिवार रात्रि को संत रीता मिशन गिरजाघर में भारी तदाद पर मसीही अनुयायियों ने रात्रि जागरण के दरम्यान अग्नि को प्रकाश का प्रतीकात्मक चिन्ह दशार्ते हुए मोमबत्ती जलाकर प्रार्थना-अराधना करके पवित्र पास्का पर्व बड़े ही श्रद्धा और भक्ति गीत संगीत वातावरण में मनाकर संपन्न किया। इस दरम्यान, समस्त मनुष्य जाति के लिए ईश्वरीय वरदान स्वरूप समस्त ब्रह्मांड की सृष्टि, मनुष्य जीवन की उत्पत्ति और विकास, मनुष्य जीवन बचाव का ईश्वरीय संकल्प, नूह नबी के माध्यम से जल प्रलय से समस्त जीवों का बचाव, अपने चुने हुए लोगों को मूसा नबी के माध्यम से मिस्त्र की गुलामी से मुक्ति दिलाने जैसी ईश्वरीय रहस्यमय चमत्कारिक घटनाक्रमों का बाईबल पाठ पढ़ा गया। स्थानीय पल्ली पुरोहित ने अपने संदेश में यह बताते हुए कहा कि अंततः परम पिता परमेश्वर ने दुनियाभर के समस्त मनुष्य जाति को इतना प्रेम दिया कि उसने धरती पर अपने एकलौते पुत्र भेजकर समस्त मनुष्यों को सत्य, अहिंसा, प्रेम, बलिदान और मृत्यु पर विजय दिलाने की चमत्कारिक रहस्यमय घटना से जीवंत ईश्वर के प्रतिज्ञा को पूरा किए जाने मिसाल कायम किया। ईस्टर पर्व अथवा पास्का पर्व के इस पावन अवसर पर पास्का रविवार (ईस्टर संडे) के दिन के उजियाले में मसीही अनुयायियों ने शिकारीपाड़ा गिरजाघर में येसु मसीह के मृत्यु उपरांत जी उठने की यादगार घटना को संस्मरण करते हुए बड़े ही धूमधाम और भक्तिमय वातावरण में प्रार्थना व अराधना किया, ईश्वरीय प्रतिज्ञा के प्रति आभार अभिव्यक्त करते हुए परमपिता परमेश्वर का गुणगान किया। इस दरम्यान वे एक दूसरे को ईस्टर पर्व की मुबारकबाद दी।ईस्टर पर्व का मिस्सा पूजा प्रार्थना का नेतृत्व पल्ली पुरोहित जोस आलेमकल, सहायक पल्ली पुरोहित बिमल मरांडी, अतिथि पुरोहित जेम्स सोरेन मुख्य रूप से भूमिका निभाई। इस मौके पर भारी तदाद पर स्थानीय मसीही अनुयायी महिला-पुरूष, युवा और बच्चे शामिल हुए।

प्रभारी प्रधानाचार्य मनोज कुमार साहनी का आकस्मिक निधन

बेरमो। राम रतन उच्च विद्यालय ढ़ोरी,फुसरो बेरमो के प्रभारी प्रधानाचार्य मनोज कुमार साहनी का आकस्मिक निधन। शोक व्यक्त करने वाले में विजय कुमार मिश्रा, मनेश अग्रवाल, अजीत सिंह, संजय कुमार, योगेंद्र प्रसाद ,अरविंद सिंह, प्रभा कुमारी, वीणा कुमारी, गायत्री कुमारी, अल्पना कुमारी सहित पूरा विद्यालय परिवार शामिल है।

व्यापारी संजय बर्मन पर गोली चलाने वालों की शिनाख्त नहीं

गम्हरिया। बीते शनिवार में कांड्रा के व्यवसायी संजय बर्मन पर हुई गोलीचालन की घटना में अबतक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। अपराधी अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। इधर, कांड्रा थाना प्रभारी विनोद मुर्मू ने दावा किया है कि उक्त मामले के अपराधी जल्द ही सलाखों के पीछे होंगे। उन्होंने बताया कि व्यवसायी संजय बर्मन को अपराधियों ने रंगदारी को लेकर गोली मारी थी। सभी अपराधियों की पहचान हो चुकी है, लेकिन अभी वे फरार हैं। पुलिस जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर इस गोली चालन की घटना का खुलासा करेगी। इधर, बताया जा रहा है कि संजय बर्मन की स्थिति अब भी गंभीर है। टीएमएच में उनका इलाज चल रहा है।

बागबेड़ा महानगर विकास समिति के संयोजक विनोद राम के पिता का निधन

जमशेदपुर। बागबेड़ा महानगर विकास समिति के संयोजक विनोद राम के पिता आरजी राम निधन हो गया है। उनकी अंत्येष्टि आज पार्वती घाट पर कर दी गयी। स्वर्गीय आर जी राम अपने पीछे तीन पुत्र विजय राम, विनोद राम, राकेश राम और दो बेटी पोता पोती और नाती-नतनी का भरा- पूरा परिवार को छोड़ गए हैं। 19 अप्रैल को टाटा टेल्को हॉस्पिटल में संध्या 5:00 बजे उनका निधन हो गया था जबकि आज 12:00 बजे दिन में पार्वती घाट में उनका दास संस्कार के लिए अग्नि को समर्पित कर दिया गया।

एडीएल सनसाइन स्कूल के एजीएम में दो पक्षों में मारपीट

जमशेदपुर। एडीएल सनशाइन स्कूल,कदमा की वार्षिक आम सभा में आज पक्ष-विपक्ष के बीच ठेला-ठेली और बहस मारपीट में तब्दील हो गई। एसडीओ से दोनों पक्षों ने इस मामले में शिकायत की हैं। अब एसडीओ इस विवाद को निपटायेंगी। रविवार को जैसे ही बैठक की प्रक्रिया शुरू होने वाली थी, माहौल अचानक गरमा गया। विपक्षी खेमे ने स्कूल परिसर के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया और किसी को अंदर घुसने नहीं दिया। यह कदम बैठक को रोकने की कोशिश के तौर पर देखा गया, जिससे तनाव चरम पर पहुंच गया। कुछ ही देर में स्कूल की प्रबंधन समिति (सत्तापक्ष) और विरोधी गुट के बीच तीखी बहस छिड़ गई, जो हाथपाई में तब्दील हो गई। सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

मछली पकड़ने गया युवक डूबा, मौत

जमशेदपुर। एमजीएम थाना के पोखारी डैम में मछली पकड़ने गए देवघर गांव निवासी 22 वर्षीय बहादुर सिंह की डूबने से मौत हो गई। वह शनिवार को अपने दस दोस्तों के साथ मछली पकड़ने गया था। जाल बिछाने के दौरान उसका पैर फिसल गया और वह पानी में डूब गया। पुलिस ने रविवार को शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को शव सौंप दिया है। बताया जाता है कि बहादुर के साथियों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद उसे पानी से बाहर निकाला। इसके बाद उसे एमजीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

स्वास्थ्य विभाग में संविदा पर नवनियुक्त कर्मियों को आज मिलेगा नियुक्ति पत्र

जमशेदपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत एएनएम-आरसीएच, स्टाफ नर्स-आरसीएच, जीएनएम-सीएचसी एनसीडी क्लिनिक,फार्मासिस्ट आरबीएसके,सोशल वर्कर :आरबीएस,ओफ्थालमी असिस्टेंट और न्यूट्रिसिनल काउंसिलर : एमटीसी के पद पर संविदा आधारित नियुक्ति हेतु चयनित अभ्यर्थियों को सोमवार, 21 अप्रैल 2025 को नियुक्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। टाउन हॉल, सिदगोड़ा में आयोजित कार्यक्रम में माननीय स्वास्थ्य मंत्री, झारखंड डॉ इरफान अंसारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

स्पीड न्यूज

रामबन में बादल फटने से तीन लोगों की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में बादल फटने से तीन लोगों की मौत होने के साथ ही ओलावृष्टि और बाढ़ से कुछ परिवारों की संपत्ति को नुकसान हुआ। इसके अलावा भारी बारिश के कारण भूस्खलन के बाद जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि रामबन जिले में भारी बारिश से भूस्खलन और बाढ़ से राष्ट्रीय राजमार्ग पंथयाल, सेरी और अन्य इलाकों में बंद हो गया।

चार फिल्मों में डेब्यू करेंगी अकांक्षा शर्मा

मुंबई। अभिनेत्री अकांक्षा शर्मा इस वर्ष धमाकेदार डेब्यू करने जा रही हैं। भारतीय सिनेमा 2025 में एक नए और प्रतिभाशाली चेहरे का स्वागत करने के लिए तैयार है, जब अकांक्षा शर्मा चार बहुप्रतीक्षित फिल्मों के साथ अपने बॉलीवुड करियर की शानदार शुरूआत करेंगी। उनकी पहली फिल्म ह्यतेरा यार हूं मैं है, जिसमें वे अमन इंद्र कुमार के साथ नजर आएंगी। इस भावनात्मक एंटरटेनर का निर्देशन मिलाप जावेरी कर रहे हैं, और यह दोस्ती एवं रिश्तों की गहराई को उजागर करेगा।

गायक अरिजीत सिंह ने किया महाकाल का दर्शन

उज्जैन। बॉलीवुड इंडस्ट्री के प्रसिद्ध गायक अरिजीत सिंह रविवार को महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान महाकाल के दर्शन कर पूजन अर्चना किया। अरिजीत सिंह सपत्नीक महाकाल की भस्म आरती में भी शामिल हुए। दरअसल, अरिजीत सिंह का शनिवार की रात इंदौर में लाइव कॉन्सर्ट हुआ। वे इंदौर में रात्रि विश्राम के बाद रविवार सुबह करीब चार बजे महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। वे यहां भस्म आरती में शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने महाकाल की पूजा-अर्चना की।

2800 आयुष चिकित्सकों की बहाली शीघ्र : मंगल

पटना। बिहार में जल्द ही 2800 आयुष चिकित्सकों की बहाली की जाएगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत इनकी बहाली के लिए एक सप्ताह के अंदर विज्ञापन प्रकाशित किया जाएगा और रिक्त पदों को भरा जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने रविवार को अधिवेशन भवन सभागार में आयुष मेडिकल एसोसिएशन, बिहार के तत्वावधान में आयोजित हैनीमेन जयंती सह वैज्ञानिक सेमिनार में इसकी घोषणा की।

खड़गे का बिहार दौरा महज एक पब्लिसिटी स्टंट : विजय सिन्हा

पटना। बिहार के उप मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय कुमार सिन्हा ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बिहार दौरे पर कहा है कि उनका दौरा महज एक पब्लिसिटी स्टंट है। सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस के युवराज की जी-हजूरी में खड़गे साहब दौरा तो करते हैं, लेकिन वो कांग्रेस के किए पुराने कारनामों पर परदा नहीं डाल पाते हैं। राजद की मिलीभगत में उनका आओ भगत खूब होता है, लेकिन उसका बिहार की जनता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला क्योंकि केंद्र की राजग सरकार के दस वर्षों के कार्यकाल में बजट का आकार तीन गुना बढ़ा है।

ट्रंप के खिलाफ पूरे अमेरिका में प्रदर्शन

कई शहरों में सड़कों पर उतरे लोग, कहा-महाभियोग लाओ... ट्रंप को हटाओ

एजेंसी

न्यूयॉर्क, वाशिंगटन समेत कई शहरों में निकाली रैली

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के विरोधियों ने शनिवार को अमेरिका भर में बड़े और छोटे समुदायों की सड़कों पर प्रदर्शन किया और देश के लोकतांत्रिक आदर्शों के लिए खतरों की निंदा की। इन अलग-अलग घटनाओं में मैनहट्टन के मध्य शहर में एक मार्च और व्हाइट हाउस के सामने एक रैली से लेकर मैसाचुसेट्स में 19 अप्रैल, 1775 को पूरी दुनिया में सुनी गई गोली की स्मृति में एक प्रदर्शन शामिल था, जो 250 साल पहले क्रांतिकारी युद्ध की शुरूआत का प्रतीक था। बोस्टन के बाहर लेक्सिंगटन और कॉनकॉर्ड की लड़ाई के पुनः मंचन के दौरान प्रदर्शनकारियों में थॉमस बासफोर्ड भी शामिल थे। मेन के 80 वर्षीय सेवानिवृत्त राजमिस्त्री ने कहा कि उनका मानना है कि अमेरिकियों पर उनकी अपनी सरकार द्वारा हमला किया जा रहा है और उन्हें इसके खिलाफ खड़ा होना चाहिए। बैसफोर्ड ने कहा कि अमेरिका में आजादी के लिए यह बहुत ही खतरनाक समय है, जो अपनी साथी, बेटी और दो पोतों के साथ थे। मैं चाहता था कि लड़के इस देश की उत्पत्ति के बारे में जानें और यह कि कभी-कभी हमें आजादी के लिए लड़ना पड़ता है। डेनवर में, सैकड़ों प्रदर्शनकारी कोलोराडो राज्य कैपिटल में आप्रवासियों के साथ एकजुटता व्यक्त करने वाले बैनरों के साथ एकत्र हुए और ट्रम्प प्रशासन से कहा कि हाथ मत लगाओ। लोगों ने अमेरिकी झंडे लहराए, उनमें से कुछ ने संकट का संकेत देने के लिए उन्हें उल्टा कर दिया। हजारों लोगों ने पोर्टलैंड, ओरेगन के डाउनटाउन में भी मार्च किया, जबकि सैन फ्रांसिस्को में सैकड़ों लोगों ने प्रशांत महासागर के किनारे रेतीले समुद्र तट पर महाभियोग लगाओ और हटाओ शब्द लिखे, साथ ही एक उल्टा अमेरिकी झंडा भी था। लोग हाथ से बने संकेतों के साथ अलास्का के डाउनटाउन एंकोरेज से गुजरे, जिन पर प्रदर्शन के कारण बताए गए थे, जिनमें से एक पर लिखा था कि कोई भी संकेत इतना बड़ा नहीं है कि मैं यहाँ आने के सभी कारणों को सूचीबद्ध कर सकूँ! अन्य जगहों पर टेस्ला कार डीलरशिप के बाहर अरबपति ट्रम्प के सलाहकार एलन मस्क और संघीय सरकार को छोटा करने में उनकी भूमिका के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई गई। अन्य लोगों ने भोजन अभियान, शिक्षण-सत्र और स्थानीय आश्रयों में स्वयंसेवा जैसे अधिक सामुदायिक सेवा-उन्मुख कार्यक्रम आयोजित किए। यह विरोध प्रदर्शन इसी प्रकार के राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों के दो सप्ताह बाद हुआ है।

ओरेगन में लोगों का मार्च : हजारों की संख्या में लोगों ने पोर्टलैंड के ओरेगन में डाउनटाइउन तक मार्च किया। उधर, सैन फ्रांसिस्को में सैकड़ों लोगों ने प्रशांत महासागर के किनारे विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। यहां लोगों ने ट्रंप के खिलाफ महाभियोग लगाओ और हटाओ के बैनर लेकर पहुंचे। अलास्का के डाउनटाउन में भी ऐसा ही प्रदर्शन देखने को मिला।

एलन मस्क भी निशाने पर : कुछ स्थानों पर टेस्ला कार डीलरशिप के सामने भी लोगों ने अपने गुस्से का इजहार किया। टेस्ला के मालिक एलन मस्क डोनाल्ड ट्रंप के करीबी हैं। ट्रंप ने उन्हें सरकारी दक्षता विभाग की जिम्मेदारी दे रखी है। मस्क के आदेश पर ही कई विभागों में छंटनी की गई। इसी वजह से अमेरिका की जनता मस्क से भी खफा है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे ट्रंप के नागरिक अधिकारों और संवैधानिक उल्लंघनों के खिलाफ हैं। न्यूयॉर्क में हाथों में तख्तियां लेकर लोगों की भीड़ मुख्य पुस्तकालय के बाहर जुटी। इन तख्तियों में अमेरिका में कोई राजा नहीं और अत्याचार का विरोध करें जैसे नारे लिखे थे। एक व्यक्ति के कार्डबोर्ड पर लिखा था कि सामंती युग समाप्त हो गया है।

पुलिस राज्य बनाने में जुटे ट्रंप : कॉनकॉर्ड में विरोध प्रदर्शन में शामिल बोस्टन के रहने वाले जॉर्ज ब्रायंट का कहना है कि डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका को एक पुलिस राज्य बना रहे हैं। उनके हाथ में एक तख्ती थी। इस पर लिखा था कि ट्रंप के फासीवादी शासन को अब जाना चाहिए!

मैनहट्टन में भी निकाली रैली: साउथ कैरोलिना की राजधानी कोलंबिया में सैकड़ों लोगों ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। उनके हाथों में जमकर लड़ो, हार्वर्ड, लड़ो जैसे नारे लिखे पोस्टर थे। मैनहट्टन में भी लोगों ने रैली निकाली। ढोल की थाप पर लोगों ने नारा लगाया कि हमारे देश में कोई डर नहीं, कोई नफरत नहीं, कोई आईसीई नहीं। ट्रंप प्रशासन ने सत्ता संभालने के बाद सामाजिक सुरक्षा प्रशासन के क्षेत्रीय कार्यालयों पर ताला लगा दिया। सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रमों के धन में भारी कटौती की।

मुस्लिम आयुक्त थे कुरैशी : निशिकांत

भाजपा सांसद ने सीजेआइ के बाद अब पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त पर बोला हमला

एजेंसी

- **कुरैशी ने संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठिया को सबसे ज्यादा वोटर बनाया**
- **नड्डा की चेतावनी के बाद भी सांसद निशिकांत दुबे की विवादित बयानबाजी जारी**

नयी दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की चेतावनी के बाद भी सांसद निशिकांत दुबे की विवादित बयानबाजी जारी है। सुप्रीम कोर्ट और भारत के मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ मोर्चा खोलने के बाद निशिकांत दुबे ने अब पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाइ कुरैशी पर निशाना साधा है। इंटरनेट प्लेटफॉर्म एक्स पर किए पोस्ट में निशिकांत दुबे में एसवाई कुरैशी को मुस्लिम आयुक्त करार दिया।

दुबे ने वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ कुरैशी के तीन दिन पुराने पोस्ट का जवाब देते हुए हमला बोला। दरअसल एसवाई कुरैशी ने गुरूवार को पोस्ट कर वक्फ अधिनियम को निस्संदेह मुसलमानों की जमीन पर कब्जा करने के गलत मंशा से लाई गई सरकार की एक योजना है।

उन्होंने भरोसा जताया था कि सुप्रीम कोर्ट सरकार की इस मंशा का पदार्फाश करेगा। कुरैशी के अनुसार वक्फ अधिनियम में संसोधन के पहले सरकार के दुष्प्रचार मशीन ने अच्छी तरह से इसके बारे में गलत जानकारी फैलाई थी। निशिंकांत दुबे में तीन बाद इस पोस्ट को संज्ञान में लेते हुए कुरैशी पर जमकर हमला बोला। निशिकांत दुबे में कुरैशी पर हमला करते हुए कहा कि आप चुनाव आयुक्त नहीं, मुस्लिम आयुक्त थे। दुबे ने आरोप लगाया कि कुरैशी के मुख्य चुनाव आयुक्त रहते हुए ही झारखंड के संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठिया को सबसे ज्यादा वोटर बनाया गया। मुसलमानों की जमीन कब्जा करने की गलत मंशा से लाए गए वक्फ संशोधन कानून के कुरैशी के आरोप का जवाब देते हुए दुबे में कहा कि पैगंबर मुहम्मद साहब का इस्लाम भारत में 712 में आया। उसके पहले तो यह सारी जमीन हिंदुओं की या उसी आस्था से जुड़ी आदिवासी, जैन या बौद्ध धर्मावलंबियों की थी। निशिकांत दुबे में अपने गांव विक्रमशिला का उदाहरण दिया, जबां स्थित विक्रमशिला विश्वविद्यालय को बख्तियार खिलजी ने 1189 में जला दिया था। उनके अनुसार विक्रमशिला विश्वविद्यालय ने दुनिया को पहला कुलपति अतिश दीपांकर के तौर पर दिया। निशिकांत दुबे में एसवाई कुरैशी को देश को जोड़ने और इतिहास पढ़ने की सलाह दी।

अमेरिकी गृह विभाग के खिलाफ छात्रों ने दायर की याचिका

वाशिंगटन। अमेरिका द्वारा एफ-1 स्टूडेंट वीजा स्टेट्स रद्द करने से वहां पर पढ़ रहे छात्रों का गुस्सा चरम पर है। स्टूडेंट बीजा रद्द करने के खिलाफ भारत के तीन और चीन के दो छात्रों ने अमेरिका के गृह विभाग और इमिग्रेशन अफसरों के खिलाफ न्यू हैम्पशायर की डिस्ट्रिक कोर्ट में याचिका दायर की गई है। छात्रों का आरोप है कि गैरकानूनी तरीके से अचानक बीजा रद्द करने से उन्हें बीच में ही पढ़ाई छोड़कर जाना पड़ेगा। अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन के मुताबिक याचिका दाखिल करने वाले भारत के छात्र लिंकिथ बाबू गोरेला, धनुज कुमार गुम्माडावेली व मणिकंता पासुला और चीन के हैंगरुई झांग व हाओयांग शामिल हैं। याचिका में कहा गया है कि एफ-1 स्टेट्स समाप्त होने के कारण छात्र न केवल अवैध प्रवासी की स्थिति में आ गए हैं, बल्कि उन्हें डिटेंशन, डिपोर्टेशन के साथ ही शिक्षा के संकट का भी सामना करना पड़ेगा। अब वह अपनी डिग्री पूरी नहीं कर पाएंगे।

कर्नाटक के पूर्व डीजीपी ओम प्रकाश की हत्या

एजेंसी

- **बिहार के चंपारण के रहने वाले आइपीएस अफसर का शव बेंगलुरु के पाश इलाके में तीन मंजिले घर पर मिला**
- **पत्नी और बेटी से पुलिस ने कर रही है पूछताछ**

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी)ओम प्रकाश का खून से लथपथ शव संदिग्ध परिस्थितियों में रविवार को उनके बेंगलुरु स्थित आवास पर मिला है। पूर्व डीजीपी ओम प्रकाश के शव पर चाकुओं के कई घाव हैं। पुलिस के अनुसार बिहार के चंपारण के रहने वाले 68 वर्षीय आइपीएस अफसर का शव बेंगलुरु स्थित पाश इलाके एचएसआर में स्थित तीन मंजिले मकान के भूतल पर मिला। फर्श पर हर तरफ खून फैला था और हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया गया है। इस बात की जानकारी उनकी पत्नी पल्लवी ने दी थी। लेकिन पुलिस को शक है कि इस हत्या को अंजाम भी पत्नी ने ही दिया हो सकता है। फिलहाल शक के दायरे में परिवार के सदस्य ही हैं। पुलिस ने प्रकाश की पत्नी पल्लवी और बेटी से पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस इस मामले में और जानकारियां जुटा रही है। ऐसी रिपोर्ट है कि सेवानिवृत्त हो चुके डीजीपी ओम प्रकाश ने अपने किसी करीबी से ही उनके जीवन को खतरा होने की आशंका जताई थी। प्रकाश को एक मार्च, 2015 को डीजीपी नियुक्त किया गया था।

लखनऊ में रविवार को सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक पदम श्री बिंदेश्वर पाठक की प्रतिमा का अनावरण करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अन्य।

यूएइ में आज से शुरू होगा डेजर्ट फ्लैग

सैन्य अभ्यास में जौहर दिखायेंगे भारतीय लड़ाकू विमान

एजेंसी

नयी दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात के अल धफरा एयर बेस पर सोमवार से एक दर्जन देशों की वायु सेनाओं के बीच बहुराष्ट्रीय हवाई युद्ध अभ्यास 'डेजर्ट फ्लैग' शुरू होगा। इस हवाई अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए भारतीय वायु सेना की टुकड़ी रविवार को यूएई पहुंच गई है। इस अभ्यास में भारतीय वायु सेना मिग-29 और जगुआर विमानों के साथ हिस्सा ले रही है। वायु सेना के मुताबिक एक्सरसाइज डेजर्ट फ्लैग यूएई वायुसेना की ओर से आयोजित बहुराष्ट्रीय अभ्यास है, जिसमें भारतीय वायुसेना के अलावा ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, फ्रांस, जर्मनी, कतर सऊदी अरब, कोरिया गणराज्य, तुर्की, यूएई, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका की वायु सेनाओं की टुकड़ियां भाग लेंगी। यह अभ्यास 21 अप्रैल से 08 मई के बीच होगा। इस अभ्यास का उद्देश्य दुनिया की कुछ सबसे सक्षम वायु सेनाओं के साथ परिचालन ज्ञान और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान के साथ जटिल और विविध लड़ाकू अभियानों को अंजाम देना है। इस तरह के अभ्यासों में भाग लेने से आपसी समझ और अंतर-संचालन क्षमता बढ़ती है और भाग लेने वाले देशों के बीच सैन्य सहयोग मजबूत होता है। भारतीय वायुसेना की भागीदारी इस अभ्यास में मित्र देशों के साथ रक्षा संबंधों और अंतर-संचालन क्षमता को मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता दर्शाती है।

10 कंपनियों का मार्केट कैप 3.84 लाख करोड़ बढ़ा

एजेंसी

- **एचडीएफसी बैंक व एयरटेल को हुआ सबसे ज्यादा लाभ**
- **बीते सप्ताह सेंसेक्स 3,396 अंक चढ़ा, निफ्टी में 1,023 अंकों की हुयी वृद्धि**

नयी दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 3.84 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में शेयर बाजार में तेजी के बीच एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल को सबसे ज्यादा लाभ हुआ।

बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 3,395.94 अंक या 4.51 प्रतिशत चढ़ गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 1,023.1 अंक या 4.48 प्रतिशत के लाभ में रहा। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा कि छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में बाजारों में मजबूत सुधार देखा गया और यह 4.5 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। उन्होंने ने कहा कि मुख्य रूप से शुल्क को टाले जाने और चुनिंदा उत्पादों पर हाल ही में दी गई छूट से बाजार में उछाल आया।

समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 76,483.95 करोड़ रुपये बढ़कर 14,58,934.32 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सबसे ज्यादा लाभ एचडीएफसी बैंक को ही हुआ।भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 75,210.77 करोड़ रुपये बढ़कर 10,77,241.74 करोड़ रुपये हो गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 74,766.36 करोड़ रुपये बढ़कर 17,24,768.59 करोड़ रुपये पर और आईसीआईसीआइ बैंक का मूल्यांकन 67,597 करोड़ रुपये बढ़कर 10,01,948.86 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 38,420.49 करोड़ रुपये बढ़कर 7,11,381.46 करोड़ रुपये रहा। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की बाजार हैसियत 24,114.55 करोड़ रुपये बढ़कर 11,93,588.98 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 14,712.85 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 5,68,061.13 करोड़ रुपये रहा। आईटीसी की बाजार हैसियत 6,820.2 करोड़ रुपये बढ़कर 5,34,665.77 करोड़ रुपये रही। इन्फोसिस का मूल्यांकन 3,987.14 करोड़ रुपये बढ़कर 5,89,846.48 करोड़ रुपये हो गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 1,891.42 करोड़ रुपये बढ़कर 5,57,945.69 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।